मसीह परमेश्वर का प्रगट हुआ रहस्य है


धन्यवाद, भाई नेविल। प्रभु आपको आशीष दे। बस कुछ क्षण के लिए खड़े रहे जब हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाते हैं।

2 अनुग्रहकारी स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह फिर से आपके पास आ रहे हैं दया के लिए और आज पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन के लिए, जैसा कि इस नए दिन का आगमन हुआ है, हम आपके वचन की शिक्षा देने हेतु यहाँ एक साथ इकट्ठा हुए हैं, और जिससे कि हम जान सके कि इन वर्तमान के दिनों में कैसे जीना है, और दिन का कौन सा समय है जिसमें हम जी रहे हैं। हम आप से आपके पवित्र मार्गदर्शन को हमारे विचारों और आज हमारे हृदय के लिए मांगते हैं, कि आप हमें हर उस वचन की ओर निर्देशित करेंगे, जिसे जानना हमारे लिए आवश्यक है; कि आप हमारे मुँह को पूरी तरह से खोले, और हमारे हृदय को भी, ताकि ग्रहण करे, और आप जो भी हमसे बात करेंगे, और हमारे मुंह को उन बातों के लिए बंद कर देंगे जिसे बोलना सही नहीं हैं, यह जानते हुए कि केवल आप ही है जो परमेश्वर के वचन को प्रकट कर सकते हैं।

3 और अब जैसे कि मुझे अभी छोटी कलीसिया को छोड़कर जाना है दुनिया के दूसरे भागों की ओर, मैं उन्हें आपको समर्पित करता हूं, प्रभु। जो कि, वे मेरे हृदय है, मेरे हृदय की धड़कन है, जैसा कि कहा जाये तो। ये वे—वे लोग हैं जो आपके आत्मा और सत्य के वचन के द्वारा जन्मे हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीषित करेंगे, प्रभु, और उन्हें मसीह के प्रेम के बंधनों से एक साथ जोड़े रखेंगे।

4 हमारे प्रिय प्यारे पास्टर, अर्थात चरवाहे को आशीषित करें। हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसे अपने वचन के पवित्र आत्मा से अभिषेक करें, और उन पर प्रकट करे और झुंड को खिलाए।

5 और एक बार की बात है, बस कुछ ही समय पहले, जब आपने दर्शन को दिखाया था, यहाँ छोटा सा आराधनालय, जो भोजन को संचित या संग्रहित करने के विषय में था, कि एक समय आएगा जब इन सब की

आवश्यकता पड़ेगी। जब हमने भाई सोथमन और भाई वुड को देखा जो पार करके दूसरे देश में जाने के लिए तैयार थे, कि... लेकिन आपने कहा, "इस भोजन को कुछ समय के लिए यहां संग्रहित करो।" प्रभु, आदरपूर्वक मैंने ऐसा करने की कोशिश की है।

6 और अब, आज सुबह, इस पाठ में जिसके बारे में हमने सोचा है, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे परिपूर्ण कर देंगे, प्रभु, यह दिखाने के लिए कि आप परमेश्वर हैं, और यह आपका वचन है और आपका सत्य है। इसे प्रदान करें, प्रभु, ताकि लोग इसे खा सके और बढ़कर हष्ट–पुष्ट हो जाए, जैसा कि यह था, परमेश्वर के अनुग्रह में, कि वे देख सके कि इस दिन में यह हम पर परमेश्वर की महान दया है। पिता, उन सभी को आशीषित करें जो उपस्थित है और वे जो उपस्थित होना चाहते हैं। और अपने लिए महिमा को पाए, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

प्रभु अब आप में से सभी को और हर एक को आशीष दे।

7 और मैं विश्वास करता हूं, इससे पहले कि हम शुरू करें, हमारे यहां एक छोटा बालक है, एक कोलिन्स। मैं कुछ समय पहले उस बालक के पिता से मिला था, और—और उनके पास एक छोटा सा बालक था जिसे वे समर्पित करना चाहते थे। और हम इसे अभी करना चाहते हैं, क्या भाई या बहन कोलिन्स, उस एक, छोटे बच्चे को आगे लाए जिससे कि हमारे पास इस छोटे से बालक के लिए समर्पण की सेवा हो सके।

8 निकलते हुए, आप जानते हैं, क्यों, यह कारण है... जैसा कि ये लोग वफादार सदस्य हैं, जो की, मसीह की देह के सदस्य है। आपने ध्यान दिया, मैंने कभी नहीं कहा है "आराधनालय के।" "मसीह की देह के," ... यह देह जो यहाँ पर है, उसकी देह के एक भाग।

9 और उनके पास यहां एक छोटा सा बालक है, जिसे वे समर्पित करना चाहते हैं। और—और यह हमेशा ही एक ऐसा काम होता है जो मैं सोचता हूं कि मेरी—मेरी पत्नी नही चाहती है, कि बच्चों को पकडू। उह–हुंह। और भाई नेविल, क्या आप आगे आयेंगे, यदि आप चाहे तो।

10 आपका पहला नाम क्या है, भाई? [पिता कहता है, "क्लाइड।"—सम्पा।] यह भाई और बहन क्लाइड कोलिन्स है, जो यहां हमारे बहुमूल्य भाई के सगे भाई हैं, आदरणीय कोलिन्स, विलार्ड के। और उनके पास

यहाँ कोलिन्सेस की संख्या में वृद्धि हुई है, मैं देखता हूं, और ये एक बहुत ही प्यारा सा बच्चा है।

11 बहन कोलिन्स, वह कितने वर्ष का है? [मां कहती है, "लगभग चार महीने का।"—सम्पा।] लगभग चार महीने का। और इसका नाम क्या है? ["मार्क डेविड।"] मार्क डेविड। यह बहुत ही अच्छा नाम है। वह एक बहुत ही अच्छा लड़का दिखाई देता है। कहे तो, वह एक प्रकार से थोड़ा बड़ा लड़का भी है।

12 अब मैं जानता हूं कि यहां की माताएं यहां इस छोटे से बच्चे की सराहना कर सकती हैं। क्या यह गुड़िया के जैसा नहीं है?

तो ठीक है, जैसा कि हम अब अपने सिरों को झुकाते हैं।

13 स्वर्गीय पिता, जैसे कि यह युवा पिता और माता इस छोटे से, मनुष्य देह के अनमोल टुकड़े के साथ आते हैं जिसे उनकी एकता के बंधन में दिया गया है, प्रभु परमेश्वर की देखरेख के लिए उनके हाथों में सौंपा गया है। वे आदरपूर्वक इस छोटे मार्क डेविड को सर्वशक्तिमान के प्रति समर्पित करने के लिए यहाँ लाए हैं। जिसने इस बहुमूल्य छोटे लड़के को दिया है, अच्छा स्वास्थ्य और एक अच्छा लड़का, उनकी देखभाल में, ताकि परमेश्वर की महिमा के लिए पाला–पोसा जाए।

14 प्रभु, पिता और माता को आशीष देना। होने पाए घर में बर्तन कभी भी खाली ना हो, या घड़ा कभी भी सूखने ना पाये। होने पाए पिता स्वस्थ रहे और, प्रभु, काम करने के लिए सक्षम रहे और छोटे बालक के भोजन के लिए कमा सके; होने पाए कि मां स्वस्थ रहे और इसे तैयार कर सके; और उनके ह्रदय तैयार हो गए है, प्रभु, कि उस छोटे बालक को सिखाये, कि उसे परमेश्वर की चेतावनी में बड़ा कर सके। इसे प्रदान करें, प्रभु।

15 अब उनकी बाहों से मेरी बाहों में, यह प्यारा बालक आता है, छोटा मार्क डेविड। और मैं उसे, यहां कलीसिया के प्राचीन के साथ आपके सामने रखता हूं, यीशु मसीह के नाम में, सेवा के जीवन के लिए। इसे प्रदान करें, प्रभु। इसके जीवन से आपकी महिमा हो। होने पाए वह एक लंबा जीवन जीये, यहां तक कि प्रभु यीशु के आगमन के लिए, यदि यह आपको प्रसन्न करता है। और, यदि ऐसा है, तो होने पाए के ये जो युग आने वाला है, प्रभु परमेश्वर के संदेश को वो आगे ले जाए। इसे प्रदान करें। उसे स्वस्थ रखें, खुश रखें, और होने पाए इसका ह्रदय हमेशा उन कामों को करने पर लगा

रहे जो सही है, परमेश्वर के सामने। यीशु मसीह के नाम में, हम समर्पण में बालक को आपको समर्पित करते हैं। आमीन।

16 परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन कोलिन्स, और यह अच्छा लड़का है, और आप भाई कोलिन्स। परमेश्वर आपके साथ हो।

उन्हें अंदर लाओ, हम सब एक साथ गाये:

उन्हें अंदर लाओ, उन्हें अंदर लाओ,
उन्हें पाप के क्षेत्रों से अंदर ले आओ;
उन्हें अंदर लाओ, उन्हें अंदर लाओ,
छोटे बच्चों को यीशु के पास लाओ।

17 मुझे यह पसंद है। देखो, इससे पहले कि शैतान को कभी अवसर मिले उन्हें मसीह के पास ले आओ। उन्हें पहले ही उसके सामने सेवा के जीवन के लिए रखा जाता है।

18 क्या कोई जानता है कि डौच परिवार में से कोई भी आज यहाँ आया है, या नहीं, बहन डौच? भाई ब्राउन, क्या आप यहां पर हैं, भाई ब्राउन? जी हां, मैं खुश हूं। और... क्या भाई डौच अभी भी हमारे साथ है? अद्भुत! [भाई टॉम ब्राउन भाई विलियम डौच की स्थिति के बारे में बताती है—सम्पा।] भाई डौच ने हमें लगभग छोड़ ही दिया था। देखो, हम बहुत अधिक नहीं कह सकते है या बहुत अधिक नहीं मांग सकते हैं, परमेश्वर उन्हें जीने के लिए जो समय दिया था, वे उससे भी इक्कीस साल आगे जी चुके हैं। यह एक साधारण जीवन काल होता है, वो समय जो परमेश्वर ने उसे बताया था कि वह जीवित रह सकता है।

19 लेकिन एक सुबह हमारे पास फोन आया, कि वह—वह मर रहे है, और हम जल्दी से वहां पर पहुंच गए। और प्रभु परमेश्वर वास्तव में उसके लिए भला था, जिसने उसके जीवन को बचा लिया। बस, मैं सोचता हूं कि वह—वह तैयार है और बस प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे है। लेकिन, आप जानते हैं, हम सब एक दूसरे को थामे हुए हैं। हम बस... वो बूढ़ा व्यक्ति यहां मेरे लिए एक—एक पिता के समान है।

20 मुझे याद है वह ठीक यहां पर पुराने आराधनालय में बैठा हुआ था, उस पुराने हिस्से में, जब उसके... वह प्रकाश उस पर चमका, उस पानी के बपतिस्मे के विषय पर यीशु मसीह के नाम में, वो ठीक वहां से उठकर

आया। और लगभग सत्तासी या अठासी वर्ष की उम्र में, एक छड़ी के सहारे, ठीक यहां पर आकर और कहा, "मैं सीधे वहां जाकर और बपतिस्मा लेना चाहता हूं।" किसी ने तो जाकर और उनके लिए कुछ कपड़े ले आया। वह अगली बार तक प्रतीक्षा नहीं कर सकता था; उसे ठीक तभी लेना था, ठीक तभी। इसलिए मैं—मैं इसे पसंद करता हूं।

21 उसने कहा, उस दिन, मैं उससे बात कर रहा था; उसने कहा, "क्या आपको लगता हैं कि मैं अब ठीक हूं, भाई ब्रन्हम? "

22 मैंने कहा, "क्या आप कभी डॉक्टर के पास शारीरिक जांच के लिए गए हैं? "

उसने कहा, "जी हां, महोदय।"

23 मैंने कहा, "डॉक्टर उसके कानों में स्टेथोस्कोप लगाकर, और उन्हें आपके हृदय पर रखेगा, जानने के लिए कि क्या आपका हृदय सही धड़क रहा है; और एक विद्युत कार्डियोग्राम, और फिर रक्तचाप, मूत्र परीक्षण, और इत्यादि चीजें करता है, उपकरण के द्वारा, यह पता लगाने के लिए कि आपकी शारीरिक स्थिति कैसी है। अब, वह इस तरह की ऐसी जाँच करता है, कि वापस यहाँ एक—एक किताब में देख सके, जिसमें इन अलग–अलग विषयों के विशेषज्ञों ने लिखा है, 'यदि *ऐसी* बात दिखाई देती है, तो ऐसी–ऐसी समस्या है।'"

24 और मैंने कहा, "अब, मेरे पास केवल एक ही स्टेथोस्कोप है वो है बाईबल, देखो, प्राण के लिए।" और मैंने कहा, "मैं आपकी जाँच करने जा रहा हूं।" मैंने कहा, "संत यूहन्ना 5:24 ने कहा, 'वह जो मेरे वचनों को सुनता है।'" मैंने कहा, "इसे ऐसे ही बैठकर और इसे सुनना नहीं है। यह इसे ग्रहण करना है, देखिये, इसे ग्रहण करना है; आप इसे विश्वास करते हैं। आपके अंदर कुछ तो है जो आपको बताता है कि यह सही है। आपने इसे स्वीकार कर लिया है, आप इसे विश्वास करते हैं, यह आपका है। 'वह जो सुनता है,' यह पहले ही आपका है, 'मेरे वचन को, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है।' आप इसे विश्वास करते हो? "

उसने कहा, "मैं करता हूं।"

25 मैंने कहा, "तब मैं आपको बताऊंगा कि मुख्य डॉक्टर ने क्या कहा, 'वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है, और फिर वह कभी

दोषी नहीं ठहरेगा या न्याय में नहीं आएगा।'" मैंने कहा, "जहां तक मैं जानता हूं, किताबों के अनुसार, आपने परीक्षा को पास कर लिया है।"

26 वह बूढ़ा मनुष्य, लगभग सौ वर्ष का, एक कलीसिया का सदस्य नहीं था; लेकिन बस पहली बार जब वो उजियाला उसके मार्ग पर चमका, उसने इसे ग्रहण किया। देखा पहले से ठहराया हुआ बीज वहां रखा हुआ है? उह–हुंह। जी हां, श्रीमान। देखो, जैसे ही उजियाला इस पर चमकता है, यह तुरंत ही जीवन में आ जाता है।

27 अब, मैं जानता हूं कि आज गर्मी है, और मुझे, ऐसा लगता है कि मेरे लिए आप लोगों को एक सभा के लिए एक साथ बुलाना कठिन होता है, जहां आप इस तरह से भीड़ में बैठे हैं। लेकिन फिर भी मैंने—मैंने सोचा, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, कि मैं एक और सभा को करूंगा, इससे पहले कि मैं आप सभी को छोड़ कर जाऊँ; कुछ समय के लिए, मैं भरोसा करता हूं।

28 और मुझे अब कल रात को शिकागो जाना है, बुधवार को निकलूंगा। मैंने सोचा कि यदि संभव हो तो मैं वहां थोड़ा जल्दी पहुंचुंगा, और सभा की श्रृंखला आरंभ करने से पहले थोड़ा विश्राम करूंगा। और मैं विश्वास करता हूं कि उन्हें यह मिल गया है... यहां, मैं इसे ठीक यहां पर देख पा रहा था। इसका—इसका वहां पर विज्ञापन किया गया है। इसे मारेंगो कहा जाता है... [कोई कहता है, "मैरिगोल्ड।"—सम्पा।]... वो क्षेत्र, हाँ, मैरिगोल्ड, मैरिगोल्ड, हाँ, उस क्षेत्र को, जो अखाड़ा है। ये मैरीगोल्ड अखाड़ा है जहां इसे आयोजित किया जाना है, बुधवार की रात से लेकर आरंभ करते हुए रविवार तक। और फुल गोस्पल बिजनेस मेन के यहाँ भी नाश्ते की सभा है, शनिवार की सुबह को—को। और मैं ठीक–ठीक नहीं जानता कि उन्होंने यह विज्ञापन कहां से लिया, कहां पर। नहीं। तो शनिवार की शाम लेन टेक में होंगे। मैं यहाँ देखता हूँ कि इसका—इसका विज्ञापन किया गया है।

29 अब, यदि आप आस–पास उस क्षेत्र में हैं, या वहां ऊपर हैं, यह एक नियमित, बस एक नियमित सुसमाचारक की सेवा है जैसे हमारे पास हर समय होती है। अधिकांश संदेश प्राथमिक रूप से किसी चीज पर होंगे जो यहां सिखाया जाता है, क्योंकि यहीं पर हम अपने टेप बनाते हैं, आप देखिए। वहां वे लोग विवाद कर सकते हैं। लेकिन यदि वे टेप लेते है जो यहाँ बनाये गए हैं, तो यह उन पर निर्भर करता है क्या वे किसी टेप को

सुनना चाहते हैं या नहीं। यह ठीक यहाँ से आता है। यह हमारा अपना पुलपीट है।

30 इसलिए वहां पर, अक्सर मैं किसी चीज को लेने की कोशिश करता हूं, जो बहुत गहरी नहीं है, क्योंकि उनमें से बहुत लोगों का अनुभव और जो बातें वे सुनते–समझते हैं, वह बहुत गहराई वाली नहीं होतीं। लेकिन यहां मैं महसूस करता हूं कि मुझे यह कहने का अधिकार है कि मैं जो कुछ भी परमेश्वर मेरे हृदय पर डालता है, उसे ठीक यहां से कहूं। इसलिए हमारे टेप ठीक यहीं पर बनाए जाते हैं। समझे? और वे अभी ठीक वहां कमरे में हैं, आप वहाँ धुंधले काँच के ऊपर उनके सिर देख सकते हैं, जहाँ वे अपने रिकॉर्डर लेकर बैठे हैं।

31 अब, और यदि आप सभा में आना चाहते हैं, तो हमें आपको वहां पाकर बहुत खुशी होगी। बस, यदि आप वहां पहुंचते हैं, यह नहीं जानते कि कहां जाए, इसलिए, बस किसी भी फुल गॉस्पेल के लोगों से संपर्क करें, या—या भाई कार्लसन से, और वह—वह आपको बतायेंगे कि वह... वह आपको सलाह दे सकता है, या फिलेदिलफिया कलीसिया, या उनमें से किसी से भी संपर्क करे, वे आपको बता सकते हैं कि उस स्थान पर कैसे पहुंचना है।

32 उसके बाद मैं अगले सोमवार शाम को वापस आऊंगा, किसी भी समय, दोपहर या शाम को। और मंगलवार को हम एरीजोना में वापस जायेंगे, ताकि—ताकि बच्चों को स्कूल भेज सके, और इत्यादि चीजें कर सके। और फिर मैं बिल्कुल ठीक–ठीक नहीं जानता कि फिर से कब वापस आना है, क्योंकि, प्रभु, मैं चाहता हूं कि वह मेरी अगुवाई करे कि मुझे क्या करना है।

33 एक बहुत ही विचित्र चीज़ घटित हुई। हो सकता है मैं... मुझे पता है कि यह टेप किया जा रहा है, और मैं इसे यहीं पर भी बोल सकता हूं। और ठीक उसी समय जब दर्शन और पवित्र आत्मा की अगुवाई चल रही होती है, मैं ठीक उसी समय कार्य करना पसंद करता हूं, जब यह चल रहा होता है। वह... अब, पिछले वर्ष में यह एक ऐसा समय रहा है, साथ ही ठीक दर्शनों के सबसे उच्च समय में से एक दर्शन जो मुझे कभी मिला था, मेरी सारी सेवकाई में, यह पिछले साल रहा है, जिन चीजों ने जगह ली हैं, जो आप लोग जानते हैं कि इसके घटित होने से पहले ही इसे बताया गया है,

और यह बिल्कुल वैसे ही घटित हुआ जैसे इसने—इसने कहा।

34 अब, हम यहाँ वापस आते हैं, और—और संगति करने के लिए आते है। अब, यहाँ इस स्थान का मौसम मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है, क्योंकि मैं... जैसे ही यहाँ आता हूं तो मेरी तबीयत बिगड़ने लगती है। और मैं बस... मैं ऊपर पहाड़ियों को पार करके इस घाटी में नीचे आ सकता हूँ, और मैं यहां लगभग दस मिनट से हूं और मुझे एलर्जी हो गई है, मैं बीमार हो गया हूं। मौसम के कारण, सिर चक्करा रहा है, सब कुछ डरावना, अंधेरा सा दिखाई देता है, और मुझे—मुझे बस इससे बाहर निकलना है। समझे? और कुछ दिन पहले मैं पत्नी से बात कर रहा था...

35 लेकिन जो बात सबसे पहले मुझे यहाँ लाती है, जो मुझे यहाँ खींचती है, वह आप लोग हैं, देखिए, यह कलीसिया। मैं आपको बताता हूँ, मेरे जीवन में जहाँ भी मैं गया हूँ, उन सभी स्थानों में से सुसमाचार प्रचार करने के लिए यह मेरा सबसे पसंदीदा स्थान है। और ऐसा दिखाई देता है कि हम यहां से एक टेप बना सकते हैं जो कहीं और से दस गुना बेहतर होगा। समझे? देखो, इसी कारण से मैं कहता हूं, "जहां परमेश्वर कुछ तो कर रहा है, तब ठीक उसी के साथ बने रहे।" लेकिन मुझे लगता है कि सबसे बड़ी बात यह है कि जब उसने मुझे पहली बार बुलाया था, तब बाहर जाने में मुझसे ही चूक हुई थी, इसीलिए जब मैं अंदर आता हूँ, तो वो मेरे लिए चीज़ें थोड़ी कठिन कर देता हैं। आज्ञा का पालन करना बलिदान से कहीं बढ़कर है।

36 और तब मैं हर समय आराधनालय में प्रचार करने के लिए आता और जाता रहूंगा। और आप लोग जो शहर के बाहर से है, आपको सूचित कर दिया जाएगा। बिली पॉल ठीक यहीं पर ऑफिस में होगा, और—और उसके जरिये से, किसी भी समय यहाँ पहुंचा जा सकता है। और हम यहाँ पर वापस आयेंगे, रुके रहे... और उसके बाद सात तुरहियां तुरंत आगे आ रही है, प्रभु ने चाहा तो, सात अंतिम विपत्तियां, और कटोरे, और इत्यादि चीजें, जैसे–जैसे हम कर सकते हैं, थोड़ा ठंडा मौसम हो जाए, हो सकता है, या कुछ तो ऐसा ही, जैसा भी प्रभु अगुवाई करता है।

37 और अब, उस दिन, यहाँ आते हुए, वहां किसी बात को लेकर एक सवाल उठा था, इस विषय में कि किसी ने मुझे एक—एक चेक दिया था। और इसमें लिखा था "व्यक्तिगत रूप से," बिल्कुल मेरे लिए था, और

केवल मेरे लिए, "टैक्स का भुगतान किया गया, टैक्स लागू नहीं होगा," बाकी की हर एक चीज। तो ठीक है, हम गए, और बिली जानता था कि मुझे उस चेक की आवश्यकता थी, और मैं...

38 वह गया और वकीलों से पूछा कि क्या हम इस चेक को नकद कर सकते हैं। उसने कहा, "हाँ, वह तो एक अमेरिकी नागरिक है। इसे वो नकद क्यों नहीं कर सकते? देखिए, इसमें लिखा है, 'टैक्स भुगतान किया गया है,' और बाकी की हर एक चीज, 'टैक्स लागू नहीं होगा।' कोई भी नागरिक ऐसा कर सकता है।"

39 तो फिर बिली इस बात से संतुष्ट नहीं हो सका, इसलिए वह सार्वजनिक अकाउंटेंट या लेखाकार के पास गया। उसने कहा, "क्यों, निश्चय ही, वह इसे नकद कर सकते है।" कहा, "वह संयुक्त राज्य के नागरिक है।"

40 तो, खैर, उसे इस बात के विषय में ठीक नहीं लग रहा था, इसलिए उसने मर्ले मिलर को फ़ोन किया, जो वहां इंडियानापोलिस में—में टैक्स एसोसिएशन के प्रमुख थे, वो हमारे वकील थे, यानी आइस और मिलर। सो कहा, "हां, यह सही है। देखा? निश्चय ही, वो उस चेक को ले सकते है। यह—यह—यह उसी के नाम पर बना है, 'केवल वही इसे हस्ताक्षर कर सकते हैं।'" मैं कर सकता हूं, केवल एक इसे हस्ताक्षर कर सकता है, इत्यादि, इस पर हमारी मोहर नहीं लग सकती थी...

41 देखो, मैं चेक को नकद नहीं करता हूं। पिछली बार भी उन्होंने मुझे इसी बात में पकड़ा था। कोई तो सभाओ से चेक का एक ढेर लेकर आता, और कहता, "ये लीजिए, भाई ब्रन्हम।" मैं कहता, "विलियम ब्रन्हम, विलियम ब्रन्हम... " खैर, सरकार हर समय इस पर नजर रख रही थी। और मैं उन पर अपने हस्ताक्षर कर रहा था और वहां के कर्ज को चुका रहा था, लेकिन उनका कहना था कि फिर भी मुझ पर उन सब का तीन लाख डॉलर का बकाया टैक्स बनता है। तो—तो फिर यही है जहाँ पर विवाद खड़ा हो गया।

42 इसके बाद जैसे ही मैंने यह चेक जमा किया, धड़ाक से, वह एजेंट तुरंत वापस आ गया और बोला, "अब हम उनके लिए यह केस दोबारा खोलेंगे।' तो इससे स्थिति काफी कठिन हो गई।

43 और भाई ली वायल यहां बैठे हुए हैं, मैं समझता हूं यह कहना ठीक है, हम बस... वे यहाँ आए थे, और यहाँ मौजूद इन पढ़े–लिखे बैपटिस्ट सज्जन

ने... मैंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया, यहाँ उस दिन तालाब में, भाई ली वेयल को। और इसलिए वह वास्तव में एक भला मनुष्य है, मसीह में एक भाई है। उसने यहां हमारे लिए पहले प्रचार किया है, और अत्यंत बौद्धिक रूप से शिक्षित है, और इसके अलावा, एक आत्मा की अगुवाई में चलने वाला मनुष्य। जब उजियाला उस पर चमका, उसने कहा कि वह दूर जाने की कोशिश कर ही रहा था, लेकिन बस वो ऐसा नहीं कर सका, इसलिए मैंने उसे ठीक यहाँ उस सुबह को बपतिस्मा दिया। इसके लिए और अधिक रुक नहीं सकता था, इसलिए हम बस यहां पर आए और अपने कपड़े बदले और पानी में उतर गए, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया।

44 तो ठीक है, मैंने सोचा, क्योंकि उसने उस उत्तम आत्मिक भोजन को ग्रहण किया था, शायद थोड़ी देर बात करने के लिए हम कुछ स्वाभाविक भोजन को ले ले। इसलिए हम वहां ब्लू बोअर होटल पर गए, और बैठ गए, बात कर रहे थे, और विषय सामने आया, "आप लोगों को अपने विषय में इस तरह से कैसे बात करने देते हैं? "

45 अब, भाई वायल सबसे भले मनुष्य में से एक है जिन्हें मैं अब तक जानता हूं, लेकिन वो "बस कुछ बहुत जल्द ही उतावले हो जाते है," मैंने हमेशा ही उसे बताया है, आप जानते हैं। और इसलिए, उसने, तो मैंने कहा... मैं आशा करता हूं कि यह कहना ठीक रहेगा, भाई वायल। इसलिए वह... मैंने कहा, "तुरंत ही आपे से बाहर ना हो जाये। शांत बैठ जाए। परमेश्वर ही वो एक है जो इसे कर रहा है।"

46 उसने कहा, "आह, यह आपके लिए ठीक हो सकता है," उसने कहा—उसने कहा। लेकिन, ठीक है, वह—वह... मैं विश्वास करता हूं कि वह—वह काफ़ी तेज है, यहाँ तक कि वह उन चतुर बुद्धिजीवी लोगों का सामना करता रहता है; इसलिए वह बस जानता है कि इसका वहां कैसे उत्तर देना है, जिससे दूसरों के पास टिकने की कोई जगह ही न बचे। बस ऐसा ही है।

47 इसलिए मैंने कहा, "देखो, भाई वायल।" हम ब्लू बोर होटल में बैठे हुए थे। मैंने कहा, "दाऊद को, एक दिन, अपने ही पुत्र के द्वारा सिंहासन से उतारे जाने के बाद, सिंहासन से हटा दिया, विद्रोह किया, इस्राएल विभाजित हो गया, और दाऊद को अपने ही पुत्र के द्वारा सिंहासन से

उतारा गया, और वह शहर से बाहर जा रहा था, रो रहा था। और एक व्यक्ति जिसने उसके अंतिम दिन के संदेश को पसंद नहीं किया, आप जानते हैं; उसने उसकी परवाह नहीं की; छोटा बूढ़ा व्यक्ति, जो एक प्रकार से लंगड़ा सा था, वहां से गुजर रहा था, उसका उपहास उड़ा रहा था, और उसने दाऊद पर थूका। और उस पहरेदार ने तलवार को बाहर निकाला, कहा, 'मैं उस कुत्ते का सिर उस पर नहीं रहने दूंगा, जिसने मेरे राजा पर थूका?' दाऊद ने कहा, 'उसे जाने दो। प्रभु ने उसे ऐसा करने के लिए कहा।' देखा? उस पर थूका, उसका उपहास उड़ाया, और तब उस पर थूक दिया। कहा, 'प्रभु ने उससे ऐसा करने को कहा।'" ठीक है, हम कहानी को जानते हैं, यह कैसे वापस लौटा। भाई वेयल ने सोचा कि ऐसा करने के लिए बहुत अधिक अनुग्रह की आवश्यकता है।

48 सो वापस आकर कार्यालय में प्रवेश करने के बाद, पब्लिक अकाउंटेंट ने बिली पॉल को फोन किया और उसे इस विषय में बताया। इसलिए भाई वायल मेरे साथ मेरे घर में चले। जब मैं अंदर गया, तो मैंने पत्नी से कहा... लगभग दोपहर का ही समय था। हम एक कमरे में गए। मैंने कहा, "प्रिय, मेरे पास तुम्हें बताने के लिए कुछ है।"

49 हम निकलने से पहले ही बात कर रहे थे। उसने कहा, "बिल, मैं जानती हूं कि परमेश्वर ने आपको वहां भेजा था; हम सब यह जानते हैं, लेकिन उसने आपको कभी भी वापस आने के लिए नहीं कहा। उसने कहा... अब, मैं इस विषय में चिंतित हूं।"

50 मैंने कहा, "तो ठीक है, मुझे लगता है कि यह तुम्हारे और बच्चों के लिए है। मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। प्रभु ने चाहा तो, मैं जहां कहीं भी जाऊं, मैं उसकी सेवा करूँगा।" और सो मैं चलकर वापस गया, और मैंने पत्नी को इसके बारे में इसी तरह से बताया। सो मैं बस पीछे मुड़कर, अपनी टोपी को ऊपर रखा।

51 और किसी ने इसके विषय में कुछ तो कहा, "ओह, यह टैक्स वसूलने वाला! हमें बाहर जाना चाहिए... " उसने बस इसी तरह की कुछ आक्रामक या विरोध जैसे बातें कीं।

52 मैंने भाई वेल से क्या कहा था उस पर ध्यान दिए बिना, मैंने कहा, "उसे अपने हाल में छोड़ दो। हो सकता है प्रभु ने उसे ऐसा करने के लिए कहा होगा।"

53 मैंने इसके अलावा और कुछ नहीं कहा, जब तक कि दीवार पर एक उजियाला नहीं चमका और वहां पर लिखा था, भाई वायल और मेरी पत्नी वहां बैठे थे, "वापस एरीजोना में आ जाओ।" दीवार पर अक्षरों में लिखा था, "वापस एरिजोना में आ जाओ।" यह सही बात है। तो मैं चल पड़ा, आमीन, वापस एरीजोना की ओर।

54 अब, यह सप्ताह महान आशीषों का सप्ताह रहा है। इस सप्ताह हमारे पास व्यक्तिगत इंटरव्यू हुए थे, जो लोग *सात मोहरों* के प्रचार के बाद से लेकर प्रतीक्षा कर रहे थे। और मुझे संदेह नहीं है, लेकिन उनमें से कुछ लोग, निश्चय ही, शहर के बाहर से थे, जो सारे राष्ट्र से बुलाए गए थे। लेकिन सुबह इससे पहले की इंटरव्यू आरंभ हो, मैं कमरे में बैठा हुआ था, पवित्र आत्मा ने मुझे ठीक वही सब लिखवाया जो उन लोगों को पता था, हर एक चीज जो वे पूछना चाहते थे, उनके प्रश्नों को बस वैसे ही बताया ठीक जैसे वे चाहते थे, और उन्हें उनके स्वप्न और अनुवाद को बताया इससे पहले कि वे मुझे कभी बताते।

55 अब, यहाँ वे लोग कमरे में होते है, वहां। और मैं आगे बढ़कर और उन्हें बोलने देता। वे कहते, "भाई ब्रन्हम, मैं *फलां–और–फलां* बात के लिए आया हूं।"

56 मैंने कहा, "अब, याद रखे, हम यहां संगति के लिए इकट्ठा नहीं हुए हैं। हम यहां एक दूसरे के साथ संगति करने के लिए नहीं आए हैं। आपके मन में, आपके ह्रदय में एक प्रश्न है, जिसमें—जिसमें आप ठोकर खाते हैं और आप नहीं जानते कि यह क्या है। और हो सकता है, मैं परमेश्वर की सहायता से, इसे कर पाऊँ।"

57 मैंने कहा, "याद रखें, दक्षिण की रानी के पास भी कुछ प्रश्न थे, जब वह सुलेमान के पास आई थी। और बाईबल ने कहा कि वहां ऐसी कोई भी गुप्त या छिपी हुई बात नहीं थी जिसका सुलेमान उत्तर नहीं दे सकता था।" और मैंने कहा, "सुलेमान से भी बड़ा यहाँ पर है। समझे? यह सही है। प्रभु यीशु ने प्रतिज्ञा की है, 'जहां दो या तीन मेरे नाम में इकट्ठा होते हैं, वहां मैं उनके बीच में होता हूं। और जो कुछ भी वे सोच सकते हैं, या इच्छा को रखते हैं, और—और जो कुछ भी वे मांगेंगे, यह उन्हें दिया जाएगा।' और अब आपका प्रश्न कुछ तो ऐसा है जिसके बारे में आप नहीं जानते, कुछ तो आप नहीं जानते कि किस तरह से वहां जाना है, कुछ तो आप नहीं जानते

कि इस विषय में क्या करना है।"

58 और मैंने कहा, "फिर से, वचन ने ऐसा कहा है, कि, 'परमेश्वर के दूत उनके चारों ओर छावनी किए रहते हैं, जो उसका भय मानते हैं,' इसलिए यह दूसरी ही दुनिया है जिसे पांच चेतनाओं के ज़रिये नहीं जाना जा सकता।"

59 पांच चेतनाये केवल इस संसार से संपर्क करती हैं। यदि आपमें छूकर महसूस करने की क्षमता नहीं होती थी, तो आप कुछ भी महसूस नहीं कर सकते; तब छूना आपके लिए कुछ मायने नहीं रखता: और वह एक अलग दुनिया होती। यदि आपके पास कोई दृष्टि नहीं होती थी, तो आप जो देखते हैं वह दूसरी दुनिया होती, आपको इसके बारे में कुछ भी पता नहीं होता। तो ये पांच चेतनाये ही केवल एक ऐसी चीज है जिसे परमेश्वर ने हमें संपर्क के लिए दिया है।

60 अब वहां एक और है जिसे विश्वास कहते है। लेकिन विश्वास के द्वारा आप एक सीढ़ी पर चढ़ते हैं, और अंत में आप इतने ऊंचे पर पहुंच सकते हैं यहाँ तक कि आप दूसरी दुनिया में पहुंच जाते है, जो कि दर्शन है। वहां आप देख सकते हैं।

61 ठीक वैसे ही यदि आप कभी नहीं जानते कि यह क्या था, आप अपनी भावनाओं के साथ महसूस कर रहे थे, इसे कभी नहीं देखा था; तब आपकी आंखें खुल जाती हैं, आप इसे देख सकते हो। यह सब उस व्यक्ति के लिए एक रहस्य होगा जो कभी नहीं देख सकता। यह उसके लिए एक रहस्य होगा, लेकिन फिर भी ऐसा ही है।

62 और वहां पर, प्रभु... हम यहां पहुंचने से पहले, देश भर के लोगों के लिए, हर कहीं से, उत्तर, दक्षिण, पश्चिम से, इन इंटरव्यू के लिए आते है। और जैसे ही वे अपनी बात पूरी करते, ठीक वही सवाल जो वे पूछने वाले थे, या जिस चीज़ के बारे में जानने आए थे, मैं उनसे कहता, "यहाँ देखिए," पन्ना पलटता, और उस पन्ने पर उनका एक–एक सवाल लिखा होता था, और बिल्कुल उसी क्रम में इसे पूछते थे, जैसा वे पूछने वाले थे, और नीचे उनके सवाल का ठीक वही जवाब होता था, ठीक जिस तरह से मैंने उन्हें उत्तर दिया था। प्रभु महान है। वह सब बातों को जानता है। लेकिन, फिर भी, मुझे उस दोपहर के समय के अनुभव से बाहर आने के लिए लगभग तीन दिनों का समय लग जाता है, ये जो होता था, इससे मैं

बहुत ही टूट कर थक जाता हूँ। और अब मैंने सोचा कि हमारे जाने से पहले इस बात को समझ लिया जाए।

63 और व्यक्तिगत रूप से लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए ये एक सही और उचित तरीका है। अब, कुछ ऐसी बातें हैं जिसे कहा जा सकता हैं।

64 और यदि लोग यहां पर है, जो हृदय के भेदों को जानते है जिसे प्रगट किया गया था, जो यह पूरी तरह से... यह भयानक होगा; यह अपराध का कारण बनता है, यह किसी के लिए दूसरे को गोली मारने का कारण बन जाएगा, या ऐसा ही कुछ तो, यदि यह ठीक यहाँ इस तरह के मंच पर से प्रकट किया जाएगा, एक सार्वजनिक रूप से, लोगों के सामने। इसके कारण अपराध हो जाएंगे जिनके लिए जेल की सज़ा हो सकती है, और बाकी की हर एक चीज, जो कि... ”

65 लेकिन जब आप इस तरह से एक साथ बैठे होते हैं, पवित्र आत्मा, बस आप में से दो जन ही साथ में होते है। लेकिन हम इसे समझते हैं, कि वे मुझसे जो पूछते हैं वह निजी होता है। मैं इसके विषय में कुछ नहीं कहता। और जो मैं उनसे कहता हूं, यह उन पर निर्भर करता है कि वे इसे कहना चाहते हैं या नहीं। समझे? लेकिन इस इंटरव्यू की बात हम दोनों के बीच ही रहनी चाहिए। इसका मतलब है हर व्यक्ति को एक–एक करके अपने साथ बैठाना और जब तक कि हर एक चीज पूरी तरह से सुलझ न जाए, देखिए, यह पवित्र आत्मा का काम है।

66 और फिर उस अनुग्रह के बारे में सोचना, कि पवित्र आत्मा मुझे उन सभी के बारे में बता रहा है, हर एक के लिए, पूरी कतार में खड़े लोगों के बारे में, इससे पहले कि वे यहां तक पहुंचे; वे देश भर से आते है, वे लोग जिन्हें मैंने जीवन में कभी नहीं देखा है। और इसे लिख लेता हूँ जिससे कि वे जान जाये, ठीक उसी प्रक्रिया और क्रम के अनुसार जैसे वे प्रश्न पूछने वाले हैं, वैसे ही उनके उत्तर भी दिए गए हैं।

67 एक भाई के पास सर्प वंश के बारे में प्रश्न थे, जिनका मैं ठीक–ठीक उत्तर नहीं दे पाया, क्योंकि उनका छोटा सा आधा घंटे का समय पूरा हो गया था। मैं आशा करता हूं कि उसने कागज पर उसके सारे उत्तर सही–सही लिख लिया है। मैं... उसने इसे लिख लिया था, और उसे उसके सारे उत्तर नहीं मिल पाए, इसलिए मैं अभी पन्ने पर उत्तरो को वापस उसे लिख कर दे दूँगा। यदि उसे नहीं मिला है, तो बिली पॉल के पास है। मैं जानता

हूं कि वह व्यक्ति यहीं बैठा है; मैंने अभी कुछ क्षण पहले उसे देखा था। तो यदि वह—यदि वह यह जानना चाहता है, तो आपके प्रश्न के उत्तर एक कागज़ के टुकड़े पर लिखे हुए हैं।

68 अब, ओह, प्रभु कितना भला है! मैं आशा करता हूं कि हर कोई अच्छा महसूस कर रहा है। उह–हुंह।

69 और अब आइए हम याद रखें, और अब जब मैं इन रूमालों के लिए प्रार्थना करता हूं, कि भाई डोच को याद रखें। वह एक बहुमूल्य भाई है, और हम उसे प्रार्थना में याद रखना चाहते हैं।

70 और मैं—मैं भाई अनग्रेन को देखता हूं, लेकिन मैं—मैं बहन अनग्रेन को कहीं भी नहीं देख पा रहा हूं, क्या वह अब ठीक है। जी हाँ, ठीक उसके सामने बैठी हुई है। निश्चय ही। जी हां। मैं खुश हूं। क्योंकि हमें कुछ रात पहले फ़ोन किया गया था, एक... उसका और उसकी बेटी की एक आपातकालीन स्थिति में थे, बहन... मैं... डाउनिंग, डाउनिंग। सड़क से बाहर निकल गए, और बस ये परमेश्वर का अनुग्रह था, या तो वे दोनों ठीक वहीं पर कुचले गए होते। और यहां वे सीधे कलीसिया में आ गए, एक ट्रेन में चढ़े और यहाँ आ गए।

71 मैं आप सभी को कभी नहीं भूलूंगा। मैं आपसे प्रेम करता हूं। परमेश्वर यह जानता है। मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूं। किस तरह से, पूरे देश भर में, इस फिसलन भरे मौसम में से होते हुए!

72 जब मैं किसी भाई को देखता हूं जो यहां जॉर्जिया से है, और अलबामा, और विभिन्न स्थानों से, और टेनेसी, और आसपास से, जहाँ वे सड़क पर अपनी कार को चलाकर जाते हैं, जहां पर बर्फ, फिसलन से भरे रास्ते, और इस तरह की इत्यादि चीजो में से, यहाँ एक सभा के लिए आने के लिए।

73 जब उस दिन मेरे पास भाई डौच के लिए आपातकालीन फोन आया, मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि लीमा, ओहियो, इतना दूर है। बस... मैंने सोचा था कि यह बस थोड़ी–सी दूरी पर है, आसानी से पहुँच जाऊंगा। लेकिन, ओह, मैं उस सुबह बहुत जल्दी यहां से निकल गया, उस दोपहर को एक बजे तक वहां नहीं पहुंच पाया, जबकि दोहरे महामार्ग पर हर एक—हर एक सड़क जितनी गति सीमा की अनुमति थी, मैं उतनी ही गति से गाड़ी चला रहा था। और मुझे लगता है कि यह दक्षिण में बहुत दूर रहने

वाले उन दूसरे लोगों से कितना नज़दीक है। वहां दूर उत्तर और पश्चिम में, जहां से वे आते हैं।

74 मैं आपसे प्रेम करता हूं, और यही कारण है कि मैं यहां पर अत्यंत ईमानदार होने की कोशिश करता हूं।

75 और पुराने समय के लोग! मैं भाई क्रीच और उन लोगों को अब पीछे बैठे हुए देखता हूं, और वे जो इन सभी वर्षों से मेरे साथ रहे हैं, और हम किस तरह से एक साथ ऊपर आये हैं। मैं मैरी जो की तस्वीर को देख रहा था, मैं सोचता हूं कि यह कुछ रात पहले की बात है। जब हम पहली बार मिले थे वह बस एक छोटी सी दुबली–पतली सी थी, और अब वह विवाहित है, मुझे लगता है, और उसके बच्चे भी हैं। भाई क्रीच और बहन क्रीच, युवा, काले बाले वाले, और मेडा और मैं, और यहाँ हम सफेद बाल के साथ है और झुके हुए हैं। देखिए, इस तरह के लोगों के बारे में कुछ तो है, जो—जो आपको मजबूती से पकड़े रखता है। देखिए, आप—आप—आप उनके साथ रहना चाहते हैं। देखा? वहां कुछ तो और है जो—जो हमेशा ही आपके मन को पीछे की ओर खींचने को लगाता है। बस उन्हें एक उदाहरण के लिए दे रहा हूं जो दूसरे लोग है। युवा और बूढ़े, हम आगे की ओर प्रभु के आगमन के लिए देख रहे हैं।

76 इसलिए आज सुबह मैंने इसे रखा... परमेश्वर ने, मैं विश्वास करता हूं, इसे मेरे हृदय में डाला कि आज सुबह यहां लबें समय का एक संडे स्कूल का पाठ सिखाऊं, परमेश्वर ने चाहा तो। मैं... और अब, यह कुछ समय के लिए मेरी अंतिम सभा होगी, जहां तक मैं जानता हूं, वो...

77 और मैं चाहता हूं कि आप भाई नेविल को याद रखें, जो यहां कलीसिया के पद में रखे गए है, इस आराधनालय की जिम्मेदारी में, पवित्र आत्मा के नीचे, कि वो यहां रखे गए है, और वह इस संदेश का विश्वास करते है और—और इसे ठीक वैसे ही सिखाते है जैसे मैं सिखाता हूं। तो ठीक है। और किसी भी समय जब आप चाहते हैं, आपको उचित लगे तो भाई नेविल को सुनने के लिए आ सकते हैं, वह निश्चय ही आपके लिए अच्छा करेंगे, मैं निश्चित हूं। वो यीशु मसीह का एक महान सेवक है।

78 मैं ओरमन नेविल को बचपन से जानता हूं, और वह जरा सा भी नहीं बदला है, केवल परमेश्वर के नजदीक आया है। मुझे याद है जब मैंने उसे पहली बार देखा था... मुझे उसके मेथोडिस्ट मंच पर आमंत्रित किया गया

था। और जब मैं यहां आराधनालय में वापस आया, तो मैंने कहा, "किसी दिन, मैं उसे यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दूंगा।" और अब वह यहां संदेश के साथ आगे बढ़ रहा है, एक सच्चा साहसी सेवक।

79 और भाई नेविल बहुत से कष्टों और हृदय की पीड़ा से होकर गुजर रहे हैं, जिसे वे इसे यहाँ आराधनालय में नहीं दिखाते हैं। लेकिन ऐसा होने पर प्रभु मुझे लोगों के जीवन में जरा सा देखने देता है, मैं जानता हूं कि वह किन बातों से होकर जा रहे है; इसमें का बहुत कुछ, देखो। और वह निश्चित रूप से बहुत से परिश्रम और कष्टों से, और इत्यादि चीजों के नीचे से होकर जा रहा है। और आप, आप जो लोग यहां पर है, उसे यहोशू और कालेब के समान थामे रहे, जब वह वचन को ला रहा है।

80 एक दूसरे से प्रेम करें, हर चीज से ऊपर। एक दूसरे से प्रेम करें। ना ही... कोई फर्क नहीं पड़ता कि शैतान क्या कहने की कोशिश करता हैं! अब आप सब एक बहुत बड़ा प्यारा सा झुण्ड है, लेकिन मेरी चेतावनी को याद रखे, देखो, शैतान इसे ऐसे ही बने रहने नहीं देगा। नहीं, महाशय। वह अपने हर तीर को चलाएगा, चाहे अपने निशाने को साधने के लिए उसे किसी को बाहर से ही क्यों न लाना पड़े। वह किसी आलोचक या अविश्वासी को लेकर आएगा, और उसे वहां बैठा देगा, और जिससे कि वो उसे शांति से बैठाकर और आपके साथ संगति कराएगा और इत्यादि, और फिर वह उस व्यक्ति के अंदर किसी तरह का एक जहर भर देगा, और वह इस जहर को कलीसिया के अंदर फैलाना शुरू करेगा। आप इस बात के साथ ना जाए। आपका किसी और चीज के साथ कोई लेना–देना नहीं है। आप एक दूसरे से प्रेम करने वाले और मधुर और दयालु बने रहें। उस पुरुष के लिए प्रार्थना करें, कि वह भी बच जाए, या उस स्त्री के लिए, या ये जो भी है, बस उनके लिए प्रार्थना करें। और एक दूसरे के साथ चिपके रहे।

81 और अपने पास्टर के साथ बने रहे। देखिए, वो चरवाहा है, और आप उसे सम्मान दे। वो आपकी अगुवाई करेगा, और, क्योंकि वह ऐसा करने के लिए परमेश्वर का ठहराया हुआ है।

82 अब क्या आपको यह याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] शत्रु आएगा। और जब वो ऐसा करे, तो बस एक दूसरे के साथ बहुत ही नजदीक से जुड़े रहना। और वो एक जिसे शैतान एक शत्रु के लिए इस्तेमाल कर रहा है वह या तो बाहर निकल जाएगा या अंदर आकर और आप में से

एक बन जाएगा। ऐसा ही है।

83 ना ही कभी अपने बीच में एक भी गुट... या—या बात ना करे, ना ही अपना खुद का कोई गुट बनाये। हम एक हैं। मैं नहीं कह सकता, "बाएं हाथ, मैं—मैं तुम पर नाराज हूं, मैं तुम्हें दूर करने जा रहा हूं, क्योंकि तुम दाहिने हाथ नहीं हो।" वह मेरा बायां हाथ है। मैं चाहता हूं कि वह वहीं पर रहे। यहां तक कि मेरी उंगली का ऊपर का छोटा सा सिरा, मैं चाहता हूँ कि ठीक वहीं पर बना रहे, मेरे शरीर का हर एक छोटा सा हिस्सा वहीं पर बना रहे। और परमेश्वर हमसे चाहता है, एक विश्वासी की देह के नाई, कि बिल्कुल ठीक एक दूसरे के साथ बने रहे, ठीक एक दूसरे के साथ।

84 और अब इस पर आपके पास टेप हैं। जो हम विश्वास करते हैं उस पर आपके पास टेप है। आपके पास कलीसिया में अनुशासन पर टेप है, हम परमेश्वर की कलीसिया में स्वयं का कैसा आचरण रखें, किस तरह से हमें यहां एक साथ आकर और स्वर्गीय स्थानों में बैठना होगा। घर पर ना रहे। यदि परमेश्वर आपके ह्रदय में है, तो आप मुश्किल से उन दरवाजों के लिए प्रतीक्षा कर सकते हैं कि वे खुल जाए, ताकि यहां अपने भाइयों के साथ संगति करने के लिए पहुंचे। यदि आप इस तरह से महसूस नहीं करते—नहीं करते, तो मैं आपको बताता हूं, यह समय है कि आप प्रार्थना करें।

85 क्योंकि, हम अंत के दिनों में हैं, जहां बाईबल को ऊंचा उठाने, या, हमें प्रोत्साहित करने के—के लिए कि, "जैसे–जैसे हम उस दिन को निकट आते हुए देखे," मसीही प्रेम और दिव्य प्रेम से एक–दूसरे से प्रेम करने के लिए, "कि अपने आप को स्वर्गीय स्थानों में इकट्ठा करें और—और—और मसीह यीशु से," और एक दूसरे से प्रेम करें। "इसी बात से सब लोग जान जायेंगे कि तुम मेरे चेले हो, जब तुम एक दूसरे से प्रेम रखते हो।" यह सही है। ठीक एक साथ बने रहे।

86 यदि भाई, आप सोचते हैं कि वह थोड़ा गलत है, या वो बहन, तो कहें, "प्रभु, मेरे अंदर कभी भी कड़वाहट की जड़ को ना आने दे, क्योंकि यह—यह उसे प्रभाव डालेगा, और यह मसीह को मेरे जीवन से निकाल ही देगा।" द्वेष, और ईर्ष्या, और घृणा का वो जहर का तेजाब, जो बस आप में से पवित्र आत्मा को सीधे दूर कर देगा। यह उसे यहाँ आराधनालय से बाहर कर देगा। यह परमेश्वर की आत्मा को ख़त्म कर डालेगा, मतलब इसे यहां से दूर कर देगा, आपके पास्टर को चोट पहुंचाएगा। यह हर एक चीज

को करेगा। समझे? आप ऐसा ना करें।

87 आप बस एक दूसरे के बहुत निकट आ जाये। नज़दीक... कमर को कस कर बाँध लो, जैसा कि भाई ने गवाही दी, एक रात को यहां एक सेवक ने एक कमर को बाँधने के विषय में, इसे एक दर्शन में देखते हुए। बस, उन परमेश्वर के सारे हथियार को बांध लो। बस उसे खींच कर, कस ले, ठीक एक दूसरे के निकट आ जाए। जो भी हो, एक दूसरे से प्रेम करो। एक दूसरे के बारे में अच्छी बातें करें, एक दूसरे के बारे में अच्छी बातें कहें, और तब परमेश्वर आपको आशीष देगा।

88 अब आज सुबह, प्रभु ने चाहा, उसकी सहायता से और अनुग्रह के द्वारा, मेरे पास यहाँ बहुत से प्रश्न लिखे हुए है, मेरा मतलब बहुत से वचन। और अब इससे पहले हम इस पर पहुंचे... मैं सोचता हूं कि मैंने रिकॉर्डर को वहां पर क्लिक करने की आवाज सुना है। अब हम परमेश्वर के अनुग्रह से संदेश को लाने जा रहे हैं।

पहले, कुछ शब्द की प्रार्थना करेंगे।

89 प्रभु यीशु, कलीसिया की इस देह से बात कर रहा है, कि उन्हें परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ से एक साथ पकड़ना चाहिए, अर्थात उनका परम सत्य, वो वचन; उन्हें चेतावनी देता है, जैसे पौलुस ने अपने झुंड को चेतावनी दी, कि, "वहां भेड़िये प्रवेश करेंगे।" आप आज भी वही परमेश्वर हैं जैसे आप तब थे, और वह शत्रु भी वही है। होने पाए कि यह संगति और प्रेम का बंधन इन लोगों के बीच मे हमेशा ही बना रहे, मसीह यीशु में।

90 इस सुबह सहायता करें, प्रभु, जैसा कि हम वचन को पढ़ते हैं। होने पाए पवित्र आत्मा इसे हम पर प्रकट करे, ताकि कलीसिया पूरी तरह से उसमें स्थापित हो सके "उस विश्वास में एक बार संतों को सौपा गया था," ताकि उन्हें थामे रहे। और हो सकता है, जैसा कि आपने दो वर्ष पहले दर्शन दिया था, "भोजन को संग्रहित करने के विषय में," अच्छी, स्वस्थ दिखने वाली सब्जियाँ जो मैंने दर्शन में देखी थी, यहाँ इस आराधनालय में संग्रहित की गई थी, होने पाए आज हम उससे पूरी तरह से भरे हुए बर्तन ग्रहण करे (इसे प्रदान करें, प्रभु।), या, भरे हुए टेप को: जिससे कि यह यीशु मसीह को हम पर प्रगट कर सके, इस घडी में जिसमें हम रह रहे हैं, कि हमें सम्भालने वाली शक्ति को दे, आत्मिक शक्ति को दे उस कार्य के लिए जो आगे रखा हुआ है। इसे प्रदान करे, पिता।

91 आपके इन बच्चों को आशीषित करे। वे यहां आज सुबह राष्ट्र के विभिन्न भागों से आए हुए हैं। एक गर्म, चिपचिपी सुबह है, लेकिन फिर भी हम इस सब में पवित्र आत्मा की उपस्थिति को महसूस करते हैं।

92 हम जॉन वेस्ली, और केल्विन, और सैंकी, और नॉक्स, फिन्नी, और उनमें से बहुत से लोगों के बारे में सोचते हैं, जो यहां तक कि बिना बिजली के पंखे के थे, जहां लोग भवन में बैठे हुए थे, और उनके चेहरों पर से पसीना बह रहा था। वे महिलाएं, अच्छी तरह से ढके हुए कपड़े पहने हुए, सभा में बैठी होती थी और पसीने से उनके कपड़े भीगकर गीले हो जाते थे, परमेश्वर के वचन को सुनने के लिए, जो उनके प्राणों को खिला रहा था। अब, हम महसूस करते हैं, प्रभु, कि वे कहीं तो विश्राम कर रहे हैं, प्रभु के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

93 पिता, हमें एक साथ रखें। पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन करें और हमें निर्देशित करे। हमें आपकी सेवा के लिए लंबा जीवन दें। इस सुबह हमें वह महान संदेश प्रदान करें, जिसकी हम आपके वचन में से अपेक्षा कर रहे हैं, ताकि वह हर एक हृदय तक पहुँच सके। उन होठों को ऐसा बनाये जो बोलते हैं, प्रभु, सच बोले। हृदय को जो सुनता है, सत्य को ग्रहण करने के लिए उपजाऊ बनाये, और होने पाए यह अनंत जीवन के बड़े वृक्षों के रूप में विकसित हो, ताकि चमकते हुए उजियाले बने और सभी मनुष्यों की पढ़े जाने वाली पत्रियां बने; वे जान सके कि यीशु मसीह मरे हुओं में से जी उठा है और हमारे बीच में रहता है। हमें प्रेम और आत्मा के फल से इतना भरपूर कर दो इतना तक कि दूसरे पुरुष और महिलाएं, लड़के और लड़कियां मसीह के जीवन के परिणाम को देख सके जो अब भी हम में जी रहा हैं, उस महान घटना के दो हजार वर्षों के बाद। पिता, इसे प्रदान करें, ताकि आपका आदर हो। हम यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

94 अब मैं कुछ वचनों में से पढ़ना चाहता हूं। और मैं अब विश्वास करता हूं कि आपके पास अपनी पेंसिल और कागज है, और सब कुछ तैयार है।

95 और, भाई नेविल, आप अब भी बैठे हुए हैं। मैं बस अपना कोट उतारने जा रहा हूं। यह... [भाई नेविल कहते हैं, "यह ठीक है। आमीन।"—सम्पा।] यह एक... मुझे अपने कोट को उतारने के लिए क्षमा करें, लेकिन यह—यह यहाँ पर बहुत ज्यादा गर्म है।

96 अब मैं चाहता हूं कि आप कुलुस्सियों की पुस्तक को निकाले,

कुलुस्सियों का 1ला अध्याय। और फिर जब हम इसे पढ़ते हैं, इसके साथ आरंभ करते हुए... मैं चाहता हूं कि जब आप घर जाए, तो इन कुलुस्सियों के पूरे अध्याय को पढ़ें। लेकिन मैं चाहता हूं कि आप आज सुबह मेरे साथ 15वें पद से पढ़े, 29वें पद भी लेंगे।

97 और अब बस जितना हो सके धीरज बनाये रखना, क्योंकि मैं इसे यहां महसूस करता हूं, यदि परमेश्वर मेरी सहायता करेगा, वो प्रकट करेगा और आपके मन में इन सारी दूसरी बातों को लाएगा जिन पर मैंने बात की है आराधनालय के इन सारे दिनों में से होते हुए; मैंने क्यों कहा है जो मैंने कहा है, और मैंने क्यों किया है जो मैंने किया है। यही वो कारण है।

98 अब 15वे पद से पढ़ेंगे।

पुत्र तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप है, सारी सृष्टि में पहिलौठा है:

क्योंकि उसी में सारी वसतुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी हुई... अनदेखी, क्या सिंहासन,... क्या प्रभुताएं,... क्या प्रधानाएं,... क्या अधिकार: सारी वस्तुएं उसी के द्वारा, और उसी के लिए सृजी गई हैं:

और वही सारी वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती है।

और वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है: वही आदि है, मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा; कि सब बातों में वही प्रधान *ठहरे।*

क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उसमें सारी परिपूर्णता वास करे*—सारी परिपूर्णता वास करे;*

99 मैं इस पर फिर से थोड़ा जोर देता हूं, इस 19वें पद में।

क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है, कि उसी में सारी परिपूर्णता वास करे;

और उसके क्रूस पर बहे हुए लहू के द्वारा मेल–मिलाप करके, सब वसतुओं को उसी के द्वारा अपने साथ मेल कर ले; उसके द्वारा, मैं कहता हूं, चाहे वे पृथ्वी पर की हों, चाहे स्वर्ग की।

देखो कि वह मेल–मिलाप कहां पर किया गया।

और तुम, जो एक समय पहले पराए थे और बुरे कामों के कारण मन से बैरी थे, देखो कि तुमने उसका मेल–मिलाप कर लिया है

उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया, ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र... और निष्कलंक,... और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे:

यदि तुम विश्वास की नींव पर दृढ़ बने रहो, और उस सुसमाचार की आशा से दूर न हो जाओ, जिसे तुम ने सुना है न छोड़ो, और जिसका प्रचार आकाश के नीचे की सारी सृष्टी में किया गया; जिसका मैं पौलुस सेवक बना;

अब मैं उन दु:खों के कारण आनन्द करता हूं जो तुम्हारे लिए उठाता हूं, और अपने शरीर में पूरी किए देता हूं जिससे बंधा हुआ है... मसीह के क्लेशों की घटी... उस की देह के लिये, अर्थात कलीसिया के लिये, अपने शरीर में पूरी किए देता हूं:

जिसका मैं परमेश्वर के उस समय काल के अनुसार सेवक बना जो तुम्हारे लिए मुझे सौंपा गया ताकि मैं परमेश्वर के वचन को पूरा–पूरा प्रचार करूं;

अर्थात उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है:

100 और मैं उस पद को फिर से पढ़ना चाहता हूं।

अर्थात उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है:

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है; वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है:

जिसका प्रचार करके, हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं, और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं; कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह यीशु में सिद्ध करके उपस्थित करें:

और इसी के लिए मैं उसकी उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ के साथ प्रभाव डालती है तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूं।

101 अब एक विषय के लिए मैं इसमें से लेना चाहता हूं, इसके एक विषय के लिए, इसे पूरी बाईबल पर आधारित करते हुए, लेकिन मैं इसका शीर्षक देना चाहता हूं: *मसीह परमेश्वर का प्रगट हुआ रहस्य है।* मसीह परमेश्वर का प्रगट हुआ रहस्य है! अब मैंने इसे संडे स्कूल के पाठ की तरह क्रमबद्ध किया है, ताकि हम सब मिलकर समझ सकें और—और साथ में इस संगति को कर सकें।

102 अब, परमेश्वर का गुप्त रहस्य, जो उसके पास संसार आरंभ होने से पहले था। अब, पीछे परमेश्वर के मन के पिछले भाग में, वहां कुछ तो था जिसे वह कोशिश कर रहा था और जिसे वह पूरा करने जा रहा था, और उसके पास ऐसा करने का एक उद्देश्य था, जिससे कि वह स्वयं को व्यक्त कर सके। क्योंकि, पहले, वहां पर यहाँ तक कोई चांद, सितारे, परमाणु, अणु, या कुछ भी नहीं था। वो परमेश्वर था। लेकिन वह वास्तव में उस समय पर परमेश्वर नहीं था, क्योंकि *परमेश्वर* एक "आराधना की वस्तु है," और उसकी आराधना करने के लिए कुछ भी नहीं था।

103 इसलिए, उसके महान मन में, वह चाहता था कि इन गुणों को व्यक्त किया जाए। और उसी में प्रेम था; उस में पिता होना था; उस में पुत्र होना था; उसमें एक उद्धारकर्ता होना था; उसमें एक चंगा करने वाला होना था। और ये सारे महान गुण जिन्हें हम पहले ही व्यक्त होते हुए देखते हैं, वे परमेश्वर में थे।

104 इसलिए, मेरी राय में, पहली चीज जो उसने बनाई थी वो थे दूत। और फिर उन्होंने उसकी आराधना की, और इसने उसे "परमेश्वर" बना दिया। और उसने वहीं से आरंभ किया। जैसा कि पिछले संदेशों में मैंने इसे समझाने की कोशिश की, इसे खोल कर बताया। और अब, फिर, जब दूतों ने उसकी आराधना आरंभ की, इससे पहले वहां पृथ्वी पर यहाँ तक एक अणु भी नहीं था। वहां कुछ भी नहीं था। ये पूरी तरह सब अंधकार था। वहां कोई सूर्य नहीं था, कोई चांद नहीं था, कोई सितारे नहीं थे, कुछ भी नहीं था, तब वह परमेश्वर था। जैसा कि उसने अय्यूब से पूछा, "जब मैंने संसार की बुनियाद डाली थी तब तू कहां था," देखो, "जब भोर के तारे एक साथ गाते थे, परमेश्वर के पुत्र आनंद से जयजयकार कर रहे थे?" देखा? "अब, तुम कहाँ थे?" देखा? यह बहुत पहले पृथ्वी के पहले की बात थी।

105 अब, परमेश्वर के पास एक उद्देश्य था और एक छिपा हुआ रहस्य था। और यही है जिस विषय पर मैं आज सुबह कलीसिया से बात करना चाहता हूं, परमेश्वर का छिपा हुआ रहस्य जो उसके मन में था इससे पहले कि संसार का कभी आरंभ होता, और किस तरह से यह अपने आप में ठीक इस वर्तमान घड़ी में खुल गया है जिसमें हम रह रहे हैं। समझे? तब आप इसे स्पष्ट रूप से समझेंगे, आप देखिए, आगे, मैं विश्वास करता हूं, कि क्या किया जा रहा है।

106 परमेश्वर का महान रहस्य, कैसे, यह एक रहस्य है। उसने इसे एक गुप्त में रखा। इस विषय में किसी को कुछ नहीं पता था। यहां तक कि स्वर्गदूत भी इसे नहीं समझ सके। देखो, उसने इसे प्रकट नहीं किया। यही कारण है, हमारे सातवे रहस्य के नीचे, जब सातवी मोहर खोली गई थी, तो वहां सन्नाटा था। यीशु, जब वह धरती पर था, वे जानना चाहते थे कि वह कब आएगा। उसने कहा, "ऐसा नहीं है... यहां तक कि स्वयं पुत्र भी नहीं जानता कि यह कब होने जा रहा है।" देखो, परमेश्वर ने यह सब अपने आप में जानता है। यह एक रहस्य है। और यही कारण है कि स्वर्ग में आधे घंटे तक सन्नाटा छा गया, और सात गर्जनाओं ने उनकी आवाजों को दिया, और यहाँ तक यूहन्ना को इसे लिखने से भी मना किया गया था, देखो, प्रभु का आगमन। यही एक बात है जो उसने अभी तक प्रकट नहीं की है, कि वह कैसे आएगा, और वह कब आएगा। यह एक अच्छी बात है कि वो नहीं करता है। नहीं।

107 उसने इसे हर एक नमूने में दिखाया या प्रकट किया है जो कि बाईबल में है। इसलिए, संपूर्ण बाईबल मसीह में परमेश्वर के रहस्य का प्रकाशन है। हम्म! संपूर्ण बाईबल परमेश्वर के एक ही लक्ष्य और एक ही उद्देश्य का व्यक्त करना है, जिसे वो संपूर्ण बाईबल में पूरा करना चाहता था। और बाईबल में विश्वासियों के—के सारे कार्य प्रतिछाया में रहे हैं, एक व्यक्त करना कि परमेश्वर का महान लक्ष्य क्या है, और अब इस अंतिम दिन में उसने इसे प्रकट किया है और इसे दिखाता है। और परमेश्वर की सहायता से, इस सुबह हम इसे ठीक यहां देखेंगे, जो प्रभु के मन में हमेशा से रहा है, और इसे व्यक्त किया है।

108 इसलिए, आप इसका महान अर्थ देख सकते हैं कि इसे जानना कितना महत्वपूर्ण रहा है, और फिर इसे लोगों के पास पहुंचाने की कोशिश करूँगा।

देखा? और फिर आप नहीं... मैंने इसे समझाने की कोशिश करने के लिए विस्तार में नहीं गया हूं जैसा परमेश्वर ने इसे मुझ पर प्रकट किया है।

109 अब, यदि आप इसे चिह्नित करना चाहते हैं। मेरे पास बहुत से स्थान है जहां से मैं पढ़ना चाहता हूं। और अब संत लूका की पुस्तक में—में, संत लूका के 24वें अध्याय में, हम पाते हैं कि यही है... यह इम्माऊस के मार्ग पर दो प्रेरित थे। और यीशु ने अपने पुनरुत्थान के बाद बाहर कदम रखा, और वे दोनों इम्माऊस की ओर जाने वाले अपने—अपने मार्ग पर थे, रास्ते पर जा रहे थे, सोच रहे थे और बातें कर रहे थे, और रो रहे थे, उसकी—उसकी मृत्यु के कारण, और इस बात पर कि उन्होंने उसे उस चीज़ के लिए कष्ट सहते देखा था जिसे उन्होंने सोचा था कि उसका कोई मूल्य ही नहीं था; उन्होंने उनके प्रभु को पकड़ लिया और क्रूस पर चढ़ा दिया। और—और वे साथ-साथ जा रहे थे, रो रहे थे।

110 और वह सड़क के किनारे से निकलकर उनके पास आया और उनसे मसीह के बारे में बात करने लगा। उसने कहा, "ओह, निर्बुद्धियो और समझने में मंदमतियो। क्या तुम नहीं जानते कि सारे भविष्यव्यक्ता और भजन संहिता... " देखिए, वो क्या कर रहा था? इन प्रेरितों के लिए स्वयं की पहचान दे रहा था, कि उन सभी भविष्यव्यक्ताओं ने, और सारे भजन संहिता, और सब कुछ, वही था, जिसे व्यक्त किया गया। देखा?

111 और अब जिस कारण से मैंने आज सुबह प्रचार करने के लिए नहीं लिया था, क्योंकि, मैंने सोचा, शिक्षा में, हम इसके बस एक वचन को लेकर जल्दी-जल्दी आगे बढ़ जाने के बजाय, अच्छी तरह समझेंगे। हम बस इसे सिखायेंगे।

112 अब, वह कह रहा था कि सारे भजन संहिता में और सारे भविष्यद्वक्ता ने उसी के बारे में कहा था। खैर, वहां, इसलिए, यह दिखाता है कि सारा पुराना नियम, सारा नया नियम, और सारे भजन सहिंता, गायन, जो गीत गाए गए थे, वे सब उसी के बारे में थे।

113 22वे भजन संहिता को ले, और उसे गाये, और इसकी तुलना क्रूस पर चढ़ाए जाने की सुबह से करें। देखो, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? मेरी सारी हड्डियाँ, वे मुझे घूरती हैं। उन्होंने मेरे पैर और मेरे हाथों को छेद दिया।" फिर भी, वहां वे सारी चीजें, वे उस भजन संहिता के गीत को वहां मंदिर में गा रहे थे, और उसी एक को क्रूस पर

चढ़ा रहे थे। देखा? देखो, वे महान धार्मिक अगुवे, वे महान पुरुष, वे महान शिक्षक, और फिर भी इतने अंधे हो गए, जिन भविष्यवक्ताओं को पढ़ रहे थे और गीतों को गा रहे थे, और उस अपराध को कर रहे थे जो उन्होंने कहा कि वे करेंगे।

वही बात इस सुबह भी जगह ले रही है!

114 अब ध्यान से सुने, क्योंकि... अब मैं इस पर भी ध्यान नहीं दूंगा कि घड़ी क्या कहती है। मैं चाहता हूं कि आप इसे समझे। देखा? मैं आपसे चाहता हूं, कि इसे समझे। देखा? [सभा आनंद करती है और कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

115 तो आप यहां देख सकते हैं, मूल रूप से, आरंभ में, परमेश्वर के मन में जो विचार था, उसने इसे उन सारे विद्वानों से छिपा कर रखा था। और... बस कुछ संख्या, एक चुनी हुई पहले से ठहराई हुई संख्या, एक पहले से ठहराये हुए लोग, केवल वही लोग थे जिन्होंने इसे सुना। और अब वचन में पीछे भविष्यवक्ताओं के युग में से होते हुए ढूंढे, और देखें कि क्या यह वही चीज नहीं थी। समझे?

116 अब, और यीशु यहाँ उनका उल्लेख भविष्यद्वक्ताओं और भजन संहिता की ओर कर रहा था, उसने कहा कि उन सभी ने उसी के विषय में बोला। समझे? और यहाँ ये यहूदी शिक्षक, रब्बी, नियम के विद्वान, प्रोफेसरों ने बिल्कुल ठीक उसी तरह से किया था जैसा उन्होंने पहले किया था।

117 अब ध्यान दे, फिर से, उसने कहा, "पवित्र वचनों में ढूंढो, क्योंकि ये वही हैं जो मेरी गवाही को देते हैं।" वचनों में ढूंढो, वचनों में, सारे वचनों में। मैं क्या करने की कोशिश कर रहा हूं? आपको यह दिखाने की कि यह बाईबल ही वो चीज है जो सही है।

118 उस दिन, एक अस्पताल के कमरे में खड़े होकर, बात कर रहा था, एक बहन ने मुझसे संप्रदायों के बारे में समझाने के लिए कहा, क्यों हम—हम संप्रदायों के विरोध में है, कुछ सांप्रदायिक लोगों के साथ।

119 आप देखिए, इसे वचन पर वापस आना है, क्योंकि वचन परमेश्वर है। समझे? और यीशु यहाँ इसी बात की घोषणा कर रहा है, कि वो स्वयं वचन है। आप वचन को अपने आप में विरोधाभासी नहीं बना सकते। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ!" देखा?

120 अब यहाँ वह कहता है, "वचनों में ढूंढो, वे मेरी गवाही देते हैं। उनमें तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है," और यह सच है, "और वे ही है जो मेरी गवाही को देते हैं। और मैं उनकी गवाही देता हूं। और यदि मैं उन कामों को नहीं करता हूं जिनकी प्रतिज्ञा की गई है कि मैं करूंगा, तो मेरी मत सुनो। लेकिन यदि मैं उन कामों को करता हूं, और तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते, तो उन कामों का विश्वास करो, क्योंकि वे गवाही देते हैं कि वो वचन है।" ओह, यह ऐसा दिखाई देता है कि यह इससे और अधिक स्पष्ट नहीं हो सकता है। देखा? तो ठीक है। अब, "वचनों में ढूंढो।" उसने कहा मूसा और सारी व्यवस्थाओं, और इत्यादि, और वे भविष्यद्वक्ता, और भजन संहिता, ने उसके विषय में बोला। और, फिर से, उसने कहा कि वचन उसकी गवाही देते है।

121 वह संपूर्ण बाईबल का मूल विषय है। यदि आप बाईबल पढ़ते हैं, और इसके हर पद में मसीह को नहीं देखते हैं, तो वापस जाकर और इसे फिर से पढ़े। समझे? यदि आप बाईबल के हर पद में मसीह को नहीं देख सकते हैं, तो आप इसे फिर से पढ़े, क्योंकि आप कुछ तो चूक गए हैं। बाईबल मसीह है। वो वचन है। जब आप पढ़ते हैं, "आदि में परमेश्वर ने सृष्टी की," वहां मसीह है। समझे? हर एक... वहाँ से लेकर, प्रकाशितवाक्य में "आमीन" तक, हर एक वचन यीशु मसीह की गवाही देता है।

122 यही कारण है कि ये जोड़ी गयी किताबें, जिन्हें वे *दानिय्येल की दूसरी किताब* कहते हैं, और वो—वो *मक्काबीस की किताब* कहते है, शुद्धिकरण और इस तरह की चीजों को जोड़ते है, देखो, यह वचन में इस विषय नहीं बताया गया है। देखा? यह इसके बाकी के साथ मेल नहीं खाता है। वहां पर शुद्धिकरण को रखने के लिए कोई स्थान नहीं है। संतो और इत्यादि बातों की बिचवाई करने के लिए कोई स्थान नहीं है। वहां इसके लिए कोई स्थान नहीं है। वहां एक संप्रदाय के लिए कोई स्थान नहीं है। बाईबल को—को छोड़ किसी भी मत–सिद्धांत के लिए—के लिए कोई स्थान नहीं है। समझे? इसलिए जब आप उन चीजों को देखते हैं, तो वे—वे बस उस तस्वीर के अंदर नहीं आते। और यही कारण है कि लोगों ने उन्हें जोड़ा है, और उनकी—उनकी—उनकी बिखरी हुई पहेली पूरी तरह उलझी हुई है। समझे? वे इसे सही नहीं कर सकते, "कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

123 लेकिन, यदि उस चीज को एक साथ सही ढंग से जोड़ा जाता है, तो वहां पर पूरी तरह से गिरावट और नए सिरे से जन्म की पूरी तस्वीर होती है। सृष्टि की पूरी तस्वीर, और परमेश्वर की सारी योजना ठीक यीशु मसीह में प्रगट होती है। आमीन! यही वो पूरी तस्वीर है जो एक साथ रखी हुई है, हर एक छोटा सा मोड़ और कोना। यह बस ऐसा है... अब, इस बात के द्वारा मेरा अर्थ अपमान करने का नहीं है, लेकिन यह बस एक बिखरी हुई पहेली को एक साथ जोड़ने जैसा है।

124 यही कारण है कि आज हमारे पास जो तस्वीर है वो भयानक दिखती हैं। कहते है, "हम विश्वासी लोग है," और गाय पेड़ के ऊपर से घास को खा रही है। यह काम नहीं करता है। यही है जब वे कहते हैं, "हाँ, वह हर तरह से है, लेकिन बस किसी एक बात को छोड़... वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, पर एक चीज को छोड़ कर।" देखा? तब आप अपनी तस्वीर को बिगाड़ देते हो।

125 बाईबल ने कहा वो एक सा है! संत यूहन्ना 5, या संत यूहन्ना 14:12 में, उसने कहा, "वह," वह, जो कोई भी, "जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।"

"खैर, यह तो किसी और युग के लिए था।"

126 वहां आपको फिर से आपकी गलत तस्वीर मिलती है। आपके पास एक मनुष्य है जो रेगिस्तान में, गर्म रेत के ढेर में मछलियाँ पकड़ने की कोशिश कर रहा है, जबकि वहाँ कोई मछली नहीं है। देखा? देखो, आपको उसे वापस लाना होगा जहां वो मछली पकड़ रहा है, गलील में, जहां पर बहुत सारी मछलियां हैं, आप देखे। समझे?

127 आपको—आपको तस्वीर को ऐसा बनाना है जो सही दिखाई दे। यह परमेश्वर की महान तस्वीर है। और केवल एक ही तरीका है कि आप इसे देखेंगे, जब आप यीशु मसीह को देखते है। वहां संपूर्ण बाईबल है। वो ही बाईबल का मूल विषय है।

128 अब आपको समझ आ गया होगा कि इनमें से किसी भी स्थान में आप विषय को ले सकते हैं, और एक प्रचारक के लिए चुप रहना यह मुश्किल है। ऐसा दिखाई देता है कि वह इसके साथ आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन आपको वही वापस जाना होगा जिसकी हम शिक्षा दे रहे हैं।

129 वह बाईबल का मूल विषय है। वह भविष्यद्वक्ताओं में था। वह भजन संहिता में था। वह बाईबल के इतिहास में था। बाईबल एक भविष्यवाणी की किताब है। यह एक ऐतिहासिक किताब है। यह प्रेम की किताब है। यह गीतों की—की एक किताब है। यह एक जीवन की किताब है। और वहां आप मसीह को पाते हैं। वह भविष्यद्वक्ताओं में था। वह भजन संहिता में था। वह इतिहास में था। और वो बाईबल में भी है, ये ऐसी बातें हैं जो आने वाली है। इसलिए, वह पहले था और आखिर तक रहेगा। तब यह उसे क्या बनाता है? "कल, आज और युगानुयुग एक सा है।"

130 और आप वहां उसमें कुछ तो मिलाते हैं, जो उसे "कल, आज और सर्वदा एक सा है," नहीं बनाता है, भाई ली, आप कहां जा रहे हो? आपको वहां एक भयानक तस्वीर मिलती है। क्योंकि, वह इतिहास था, देखो, और वह भविष्यव्यक्ता है। वह भजन संहिता है। वह सब कुछ है। और यदि आप उसे हर एक और एक सा नहीं बना सकते, जहाँ, तो आपकी तस्वीर कैसी दिखाई देती है? क्या आप इसे समझ रहे हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है।

131 वो वही चीज है! वह भविष्यव्यक्ता था। वो उनमें था। वह भजन संहिता में था। वह इतिहास में था, और वह वो बातें है जो आने वाली है, "कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" इब्रानियों 13:8, यदि आप इसे लिख रहे हैं। तब उसे होना चाहिए, उसे मूल होना चाहिए, यदि वो वही है। और हम इस पर विश्वास करते हैं, क्या हम नहीं करते? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तब, यदि वह वही है, तब वो ही हमारे बोलने का मूल विषय होना चाहिए, हमारे विचारों का, हमारे गीतों के गाने का, हमारे मार्ग का मूल विषय होना है। ["आमीन।"] उसे हमारे जीवन का मूल विषय होना चाहिए। यदि वह बाईबल का मूल विषय है, और बाईबल हम में है, तब उसे हर एक चीज का मूल विषय होना चाहिए जो हम करते हैं, कहते हैं, या सोचते हैं; वो मसीह होना चाहिए। क्या यह सही है? ["आमीन।"] तो ठीक है।

132 जब से, हम यह सोचते हैं, जब से उसे हमारे लिए "सारी चीजों," का सिर बनाया—बनाया गया है। कुलुस्सियों यहाँ ऐसा कहता है। वह हमारे लिए "सभी चीजों" का सिर है। क्योंकि उसे बनाया गया था... हमारे लिए, जिसे हम "सारी चीजें" मानते हैं। आप कहते हो, "पापी के विषय में क्या

है? " उसे पापी का न्यायी बनाया गया है यदि वह इसे स्वीकार नहीं करता है। उसे उस विश्वासी के लिए महिमा बनाया गया जो इसे स्वीकार करता है। इसलिए वहां, चीज, "सभी चीजें उसके द्वारा बनाई गई थी, और उसी के लिए।"

133 और यह दिन की महिमा को व्यक्त करने के लिए सारी रात लग जाएगी। यह अनादर के बर्तन को लेता है, जिससे कि उस—उस प्रेम और सम्मान के बर्तन को व्यक्त करे। यह एक दुष्ट स्त्री को लेता है, जो अनैतिक वस्त्र पहनती है और—और अपनी नैतिकता को बेच देती है, जिससे कि एक सभ्य सच्ची महिला के सद्गुण को व्यक्त करे। देखा? यह एक धूर्त और एक चोर को लेता है, एक व्यक्ति में, ताकि एक सच्चे विश्वासी की सच्ची ईमानदारी को व्यक्त करे, अर्थात एक सच्चा मसीही। यह ढोंगी को लेता है, कि विश्वासी को दिखाये, कि वो क्या है।

134 इसलिए, "सभी चीजें उसके द्वारा बनाई गई थी।" और जब से उसने सारी चीजें बनाई थी... बनाई थी, हम सब के लिए, सारी चीजें उसी के द्वारा बनाई गई थी। फिर, जब कि यह सत्य है, हमें अपनी पहचान (देना चाहिए) उसके साथ बनाना चाहिए। हमें स्वयं की उसके साथ पहचान देना चाहिए, क्योंकि उसने स्वयं की हमारे साथ पहचान दी है। हमें उसके साथ पहचान देना चाहिए। कैसे? उसके लिए जीने के द्वारा; ना ही केवल एक अंगीकार करने के द्वारा।

135 बहुत से लोग अंगीकार को करते है, कहते है... मैं कहता हूं कि अब इसे इस स्थान पर होना है। क्या आप एक मसीही है? "मैं मेथोडिस्ट हूं।" खैर, अपने आप को एक मसीही के रूप में प्रस्तुत करने से ये बहुत दूर की बात है। तो ठीक है, देखो मेथोडिस्ट क्या करते हैं। "मैं बैपटिस्ट हूं।" तो ठीक है, देखो कि, बैपटिस्ट क्या करते हैं। "मैं कैथोलिक हूं।" देखो वे क्या करते हैं। देखा?

136 लेकिन केवल एक ही जरिया है कि आप एक मसीही हो सकते हैं वो है मसीह खुद की आप में पहचान दे। किस तरह से यह एक चुभने वाली बात है! मैं आशा करता हूं कि टेप पर हर कोई यह बात समझ जाए। देखा? देखा? समझे?

आप कहते हो, "मैं पेंटीकोस्टल हूं।" इसका कोई मतलब नहीं है।

137 यह मसीह है जो आप में पहचान देता है। यही है जब उसने आपकी पहचान दी है।

कहते है, "मैंने अन्य भाषा में बोला।" शैतान भी बोलता है।

138 "मैं चिल्लाया।" मुसलमान, बुद्ध, और हर कोई चिल्लाता है। भारतीय लोग सर्प के नृत्य पर चिल्लाते हैं। देखा? निश्चय ही। वे सब चिल्लाते हैं। संप्रदाय, कबीले, और हर कोई, चिल्लाते और शोर मचाते है। वे एक बेसबॉल के खेल में चीखते और चिल्लाते हैं।

139 लेकिन जब मसीह आप में पहचाना जाता है, स्वयं की पहचान देता है, तब आप मसीह के समान हो जाते हैं। जो कि, *मसीही* शब्द का अर्थ होता है "मसीह के समान।" वहां आपकी पहचान है। तो ठीक है। अब, और जबकि वह हमारी पहचान है, इसलिए हमें उसके लिए जीने के द्वारा पहचाना देनी चाहिए।

140 ध्यान दें, परमेश्वर के पास इस महान गुप्त रहस्य में तीन प्रकार के उद्देश्य थे। परमेश्वर, उसके महान रहस्य में, जो उसके पास संसार के रचने से पहले था, उसके पास इसमें तीन प्रकार का उद्देश्य था। और अब इस सुबह हम जिस बात पर आगे बढ़ना चाहते हैं, वो ये है, कि वो तीन प्रकार का उद्देश्य क्या है? समझे? अब, मैं विश्वास करता हूं... परमेश्वर की सहायता से, जो यहां उपस्थित है, और वह—वह इसे हमें दिखाएगा। अब, यदि उसके पास यह तीन प्रकार का उद्देश्य था, तो हम यह जानना चाहते हैं कि यह तीन प्रकार का उद्देश्य क्या है।

141 पहली बात यह थी कि, परमेश्वर अपने आप को लोगों पर प्रकट करना चाहता था।

142 वो इसे एक महान यहोवा परमेश्वर के रूप में नहीं कर सकता था जो पूरे अंतरिक्ष, समय और अनंतकाल में फैला हुआ हैं। वह नहीं कर सकता था। वह इतना महान है कि वो कभी लोगों पर प्रकट नहीं हो सकता है, क्योंकि यह बहुत ही रहस्यमय होगा। कैसे वह महान अस्तित्व हो सकता है जिसका कभी कोई आरंभ नहीं हुआ... कि जब आप सैकड़ों अरबों और खरबों और खरबों वर्ष के प्रकाश के अंतरिक्ष चक्र से भी आगे चले जाते है, और आगे वहां अनंत काल के अंदर, अनंतता के अंदर, और एक महान हस्ती जो यह सब कुछ था, और अब भी है।

143 लेकिन वह जो करना चाहता था, उसने पितृत्व को पसंद किया, क्योंकि वो एक पिता था। और केवल एक ही तरीका है कि वह इसे व्यक्त कर सकता था कि इसे एक पुत्र बनना था, अर्थात एक मनुष्य बन जाए। यही कारण है कि यीशु ने बार–बार कहा, "मनुष्य का पुत्र।" देखिए, उनमें से कई लोग नहीं जानते थे कि वह किस बारे में बात कर रहे थे। लेकिन अब आप पकड़ पा रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा? वह अपने आप को व्यक्त करना चाहता था। यह उसका, उसके महान तीन प्रकार के उद्देश्यों में से एक था, अपने आप को व्यक्त करना था, अपने आप को मनुष्य जाति के साथ पहचान देना था, कि अपने आप को मसीह में प्रकट करे।

144 जो दूसरी है, कि उसके विश्वासियों की देह में प्रधानता हो, जो कि, उसकी दुल्हन है, जिससे कि वह लोगों में जीवित रह सके।

145 अब, वह यह आदम और हव्वा में ऐसा कर सकता था, लेकिन पाप ने उन्हें अलग कर दिया था, इसलिए अब इसे फिर से वापस लाने का कोई मार्ग होना ही था। ओह, प्रभु! ओह, जब मैं... यह, यह तो मेरे लिए भरपूर है, बस यहाँ तक इसके विषय में सोचने भर से। समझे? देखा कि परमेश्वर का उद्देश्य क्या था? अब उसने आदम और हव्वा को इस तरह से क्यों नहीं रखा? तब वह कभी भी अपनी सम्पूर्णता को व्यक्त नहीं कर सकता है, अर्थात उसके पूरे गुण। क्योंकि, वह वहां एक पिता हो सकता था, यह सच है, लेकिन वह एक उद्धारकर्ता भी है। आप कहते हैं, "आपको कैसे पता कि वो था?" वह उद्धारकर्ता है, क्योंकि मेरे पास अनुभव है। देखा? देखा? वह एक उद्धारकर्ता है, और उसे इसे व्यक्त करना था। और वह इसे कैसे कर सकता था? केवल मसीह के द्वारा। वह एक पुत्र कैसे हो सकता था? केवल मसीह के द्वारा। वह कैसे चंगा करने वाला हो सकता है? केवल मसीह के द्वारा। देखिए, सारी बातें उस एक ही व्यक्ति में पूरी होती है, अर्थात यीशु मसीह। ओह, प्रभु! जब मैं—जब मैं...

146 जब मैं इसके बारे में सोचता हूं, मैं—मैं बस संप्रदायों को दृश्य पर से हटते हुए देखता हूं, और बाकी की हर एक चीज बस ऐसे ही हटती जाती है, देखो, जब मैं परमेश्वर के महान उद्देश्य को देखता हूं। अपने आप को प्रकट करते हुए, और, पहले, उसे अपने आप को मसीह में प्रकट करना है, "परमेश्वरत्व की देह की सम्पूर्णता।" और, उसके बाद, उस "परमेश्वरत्व

की देह की सम्पूर्णता" को लोगों के अंदर लाने के लिए, जिससे कि उसके पास प्रधानता हो सके, अर्थात देख–रेख, अगुवाही हो सके।

147 एक और, उस रात, यदि आपको टेप नहीं मिला है, तो मैंने एक रात को यहां प्रचार किया था, "यीशु मसीह का एक कैदी।" पौलुस, एक कैदी! देखा? जब परमेश्वर आपको अपना कैदी बना लेता है, तब आप कुछ नहीं कर सकते सिवाये उसके जो आत्मा कहता है। पौलुस, अपनी सारी महान बुद्धिमत्ता के साथ, उसने सिखाया... उसे गमलीएल के द्वारा सिखाया गया था कि वो किसी दिन एक महान याजक या रब्बी बनेगा। और उसकी महत्वाकांशाएं ऊंची थी। वह बौद्धिक रूप से एक महान व्यक्ति था, बड़ा अधिकारी, राष्ट्र में एक महान व्यक्ति था। लेकिन उसे इसका हर एक अंश बलिदान करना था, देखो, ताकि वचन का भाग बने, ताकि यीशु मसीह को व्यक्त करे। वह जानता था कि उसे क्या कहना है...

148 उसके पास किसी स्थान पर जाने का विचार था, कुछ भाइयों ने उसे बुलाया था, लेकिन उसे आत्मा के द्वारा उसकी अपनी इच्छा पूरी करने के लिए मना किया गया था। ओह, काश—काश आधे आत्मिक लोग इसे समझ सकें! देखा? उसे अपनी इच्छा पूरी करने से मना किया गया था। केवल वह इतना कर सकता था... "आत्मा ने मुझे मना किया है।" देखा? वह मसीह का कैदी था।

149 फिर, एक दिन यह छोटी सी भविष्य बताने वाली, जिसे वह जानता था, पौलुस जानता था कि उसके पास उस शैतान को बाहर निकालने की सामर्थ थी, लेकिन वह इसे केवल परमेश्वर की इच्छा के अनुसार ही कर सकता था। वह दिन–प्रतिदिन उसका पीछा करती रही, उसके पीछे–पीछे चिल्ला रही थी, लेकिन एक दिन आत्मा ने उसे अनुमति दी। तब उसने उस स्त्री में की उस आत्मा को फटकारा। देखा? वह जानता था कि एक कैदी होना क्या होता है।

150 मूसा, उसकी बुद्धिमानियो को, उसे मसीह को पाने के लिए उन्हें खोना था, जिससे कि वो एक कैदी बन सके। फिर जब परमेश्वर ने सारे संसार को उसमें से बाहर निकाल दिया, और उसके सारे शक्तिशाली मनुष्य को जो वो था, और उस दिन उस अग्नि स्तंभ की उपस्थिति में खड़ा हुआ था, उसके पास बस बोलने के लिए शब्द नहीं थे। यहां तक कि वह बोल भी नहीं पाया, उसने कहा। तब परमेश्वर के पास एक कैदी था। देखा? आप

अपनी ख़ुद की खोज के पीछे जाने का प्रयास नहीं करेंगे। तब परमेश्वर को इस मनुष्य को उन गुणों को प्रदान करना था, या, उसे इतनी सामर्थ के साथ गुणों को प्रदान करना था कि वह वहां जा सके।

151 और उसने कहा, "प्रभु, मैंने फिरौन को वही बताया जो आपने कहा था, और उसने इसे नहीं किया।"

152 उसने कहा, "फिर इसे ले, अपनी लाठी को ले," परमेश्वर बोल रहा है, यही परमेश्वर का वचन है, "वहां जाकर और इसे पूर्व की ओर संकेत कर, और मक्खियों को बुला।" और मक्खियां सृष्टि में आ गई, क्योंकि परमेश्वर के पास एक कैदी था जिसे फिरौन कोई भी कीमत देकर नहीं छुड़ा सकता था। कोई और उसे किसी भी तरह से नहीं मोड़ सकता था। वह पूरी तरह से परमेश्वर के वचन की जंजीरों में कैद था, जो केवल **यहोवा यों कहता है** से बंधा हुआ था।

153 ओह, यदि परमेश्वर उसे इस तरह से बंदी बना सकता है! अब, यही है जब वह प्रधानताओ को प्रकट कर सकता है, आप देखे, उसके—उसके पास वो मनुष्य है, या वो व्यक्ति है, कि वह मसीह को छोड़ और कुछ नहीं जानता। आप समझे मेरा क्या अर्थ है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है। यह दूसरा है।

154 पहला, अपने आप को पूरी तरह से व्यक्त करना, अर्थात परमेश्वर मसीह में।

155 दुसरा, इसके द्वारा प्रधानता को पाना, उसकी कलीसिया में, जो कि उसकी देह है, अर्थात दुल्हन, इतना तक कि उसके पास उनके जरिये से व्यक्त करने के लिए प्रधानता हो सके। तो ठीक है।

156 और, तीसरा, उस राज्य को उसकी सही स्थिति में वापस लौटाये, जो पहले आदम के द्वारा पाप में गिर गया, उस स्थान में वापस जाना जहां वह सांझ की ठंडक में अपने लोगों के साथ चला, उनसे बातें की, उनके साथ संगति की।

157 और अब पाप और मृत्यु ने उन्हें उसकी उपस्थिति से और उसकी संपूर्ण अभिव्यक्ति से अलग कर दिया था। क्या आपने इसे समझा? संसार की नीवं डालने से पहले, उसके—उसके—उसके गुणों को व्यक्त करने के लिए, वो क्या था।

158 इसलिए, यदि यहां कोई भी त्रिएकतावादी स्वयं को बस कुछ मिनट के लिए ढीला करे, आप देख सकते हैं कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा तीन परमेश्वर नहीं है। यह उसी परमेश्वर के तीन गुण है। देखिए, यह व्यक्त करना है। पिता, जो वो था, वो एक पिता बनना चाहता था, वह एक पिता था। वह एक पुत्र था। और वह पवित्र आत्मा है। और पिता और पवित्र आत्मा एक ही आत्मा है। क्या आप नहीं देख रहे है? आप पकड़ पा रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ना ही तीन परमेश्वर। शैतान ने आपको ये बातें बताई है, ताकि वह आपमें से एक मूर्तिपूजक बनाये। देखा? यह एक परमेश्वर है जो तीन गुणों में व्यक्त हुआ। पिता होना, उद्धारकर्ता होना, पुत्र होना, चंगा करने वाला होना, देखो, ये उसका व्यक्त करना है।

159 मैं बस थोड़ा सा रुकना चाहता हूं जिससे कि यहां तक कि टेप को सुनने वाले लोगों को भी विचार मिल जाए, जो समझ सकते हैं। मुझे उन विषयों में से हर एक पर लगभग, लगभग घंटों का समय लग जाएगा। लेकिन मैं आशा करता हूं कि मैं इसे काफ़ी स्पष्ट कर रहा हूं जिससे आप देख सकें कि मैं किस बात पर आ रहा हूं। समझे?

160 परमेश्वर, यीशु मसीह में व्यक्त हुआ, जो पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा तीनों था, "परमेश्वरत्व की देह की सम्पूर्णता।"

161 अब "परमेश्वरत्व के देह की सारी सम्पूर्णता" उसकी कलीसिया में वास करती है, जो प्रधानता है। वह सब जो परमेश्वर था, उसने मसीह में उंडेल दिया; और जो कुछ भी मसीह था, वह सब कुछ कलीसिया में उंडेला दिया गया था, अर्थात विश्वासियों में।

162 ना ही संप्रदाय! हम इसे कुछ ही मिनटों में ले लेंगे, और यह इसे आपके दिमाग से हमेशा के लिए निकाल देगा, देखिए; आपको दिखाऊँगा कि इसका क्या कारण है, परमेश्वर की सहायता से, यदि वह हमें इसकी अनुमति देता है।

163 अब उसका उद्देश्य क्या है? अपने आप को एक पुत्र के रूप में व्यक्त करें, देखो, और, अब, कि उसमें वास कर सके "परमेश्वरत्व की देह की सम्पूर्णता।" मैं, मेरे पास यहाँ कुलुस्सियों की पुस्तक है, ठीक मेरे सामने। समझे? कि, सारे वचन में से होते हुए, यही है जो परमेश्वर का उद्देश्य था। तब, इस पुत्र के इस जीवन में से होते हुए, उसका क्रूस, "वो लहू," यह यहाँ कहता है, "उसके क्रूस का," जिससे कि वह अपने आप का एक

देह, अर्थात एक दुल्हन के साथ मेल–मिलाप कर सके; जो कि हव्वा है, दूसरी हव्वा। और परमेश्वर ने इसे एक प्रतिछाया में दे दिया, जैसे उसने मूसा और उन सभी में किया था। उसी चीज को उसने आदम और हव्वा में किया, एक नमूना देते हुए, कि वे मसीह और दुल्हन थे। वो दूसरा आदम है; कलीसिया दूसरी हव्वा है।

164 और जब तक दूसरी हव्वा वचन के विरुद्ध समझौतो को करती रहती है, क्या वह वही काम को नहीं कर रही है जो पहली हव्वा ने किया था? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] कहने की कोशिश करते है, "तो ठीक है, यह किसी और युग के लिए था।" और हम इसे कुछ ही मिनटों में ले लेंगे, कि क्या उसने ऐसा कहा था कि यह किसी दूसरे युग के लिए था। यह दूसरा युग कैसे हो सकता है, जब कि वह "कल, आज और युगानुयुग एक सा है"?

165 लेकिन परमेश्वर का एक उद्देश्य है और "इसे ज्ञानवान और बुद्धिमानों की आंखों से छिपा कर रखा, और इसे पहले से ठहराये हुए बालकों को प्रकट किया" जो इसे ग्रहण करने के लिए पहले से ठहराये गये थे।

166 यही कारण है, इसे युगों–युगों में से होते हुए देखें, जब भी वह उजियाला किसी बात पर पड़ता है, तो वे उससे मुंह मोड़ देते है, और इसे झटक देते है। और बड़े बुद्धिजीवी और वे बड़े याजक वहां खड़े हुए थे, वहां पर वे बड़े शिक्षकों और अधिकारी के रब्बी थे, ऐसे भिन्न–भिन्न लोग, जैसे नीकुदेमुस और वे लोग, मनुष्य जो छात्रवृत्ति में शानदार था, और वह इसे समझ भी नहीं पाया।

167 और वहां पर वे बड़े–बड़े याजक खड़े थे, और वे रब्बी जो उस वचन में शिक्षित थे। ओह, वे इसे बौद्धिक रूप से जानते थे! और उसने कहा, "तुम अपने पिता शैतान से हो, और तुम उसी के कामों को करोगे।" इस पर सोचे, वे पवित्र पुरुष, आप उनके जीवन पर अपनी उंगली को कहीं भी नहीं उठा सकते, या उनके पिताओं के जीवन पर, या उनके दादा के जीवन पर, या उनके पर–पर–पर–पर–पर परदादा के जीवन पर। यदि उन्होंने ऐसा किया, तो वे शर्म से मर गए, उन्हें पत्थरवाह करके मार डाला गया। लेकिन यहाँ यीशु खड़ा हुआ है, वो उस झुण्ड को, "शैतानों का एक झुण्ड," कहकर बुला रहा है, वे जो धार्मिक लोग थे।

168 अब, ओह, अब महान प्रकाशन! अब उसके निकट कुटुम्बी को वापस

लौटाने के लिए, उसे वापस लाने के लिए... अब, उसे उन्हें खोने देना था। आप इसे समझ रहे हैं? उसे उन्हें पाप करने देना था, उन्हें स्वतंत्र नैतिकता पर रखना था... वह—वह उनसे पाप करवावर, और परमेश्वर बना नहीं रह सकता है, और उसके बाद उन्हें किसी चीज के लिए दंडित करे जिसे उसने उन्हें करने को लगाया।

169 लेकिन जब उसने मनुष्य को उसके साथ साझेदारी में रखा, तब मनुष्य को एक स्वतंत्र नैतिक इच्छा के रूप में कार्य करने देता है, देखो, आज भी उसने आपको उसी चीज को दिया है। देखा? देखा? आप जिस तरह से भी करना चाहे आप करे; आप एक स्वतंत्र नैतिक इच्छा में है। तो, इसलिए, यदि वह पहले को इस तरह से रखता है, तो उसे दूसरे को भी इस तरह से रखना होगा, उसे हर किसी को इसी तरह से रखना होगा, या तो उसने पहले स्थान पर ही गलत काम को किया है। समझे? लेकिन हर एक जन उसी आधार पर होता है।

170 अब ध्यान देते है, उसी चीज को वापस लाते हुए; और उस मनुष्य को ऐसा करने देता है, और यह जानते हुए कि वह इसे करेगा, वो जानता था कि वह इसे करेगा। लेकिन इसने क्या किया? इसने उसके गुण को उद्धारकर्ता के रूप में प्रदर्शित किया। और तब सारा उद्देश्य यीशु मसीह में ही रखा जाता है, कि... परमेश्वर स्वयं अपने ही नियम, मृत्यु के दंड को लेने के लिए मरा, ताकि पत्नी को छुड़ाये जो उसे अस्वीकार करने के द्वारा खोई हुई थी।

171 जब हव्वा वचन से दूर चली गई, वह अपने जीवन साथी से भी दूर चली गई। और जब कलीसिया वचन से दूर एक संप्रदाय के अंदर चली जाती है, वो परमेश्वर के वचन के अधिकार को अस्वीकार करते हुए, वो मनुष्य की बुद्धि की दुनिया के साथ इंकार करती है और व्यभिचार करती है। यह स्पष्ट हो रहा है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] बाईबल ने कहा, "आत्मिक व्यभिचार को करते हुए।" बाईबल का कोई भी वचन, जिसे अस्वीकार कर दिया गया है, या यदि कोई भी स्वयं का अनुवाद इसमें रखा जाता है, ये पूरी तरह से अस्वीकार करना है और परमेश्वर के विरुद्ध व्यभिचार करना है जो आपका पति है। एक व्यभिचारिणी कभी स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं करती है, हम यह जानते हैं। देखा? अब, देखो, यही है जो हव्वा ने पहले स्थान पर किया।

172 अब फिर से ध्यान दें, अब, उसका तीन प्रकार का उद्देश्य क्या है? स्वयं को यीशु मसीह में प्रगट करता है; ताकि देह के अंदर आए, यीशु मसीह के द्वारा, कि प्रधानता को पाये; कि (क्या?) अदन की ओर वापस लौटाये, जो खो गया था उसे वापस लाये। यही केवल एक चीज थी जो क्रम से बाहर थी। उसकी बाकी की सभी चीजें क्रम में थी।

173 लेकिन उसे मनुष्य को स्वतंत्र नैतिक इच्छा पर रखना था, ताकि वो गिरे, जिससे कि वह एक उद्धारकर्ता बन सके, जो उसके अंदर है, उसे प्रदर्शित कर सके, देखो, उसके उद्धारकर्ता होने के गुण। कुछ तो खोना था। और वही चीज, कि मनुष्य गिर गया और खो गया, वो उसका उद्धारकर्ता बन गया, अपनी खुद की व्यवस्था को लेते हुए। और वह इसे उस महान यहोवा के रूप में नहीं कर सकता जो सारे स्थान, समय में फैला हुआ था; देखो, वह इसे नहीं कर सकता। और उसे एक मनुष्य बनना था। और वो उस मनुष्य का निकट कटुम्बी बना जो खो गया था, आमीन, और एक मनुष्य बन गया: परमेश्वर, देहधारी हुआ!

174 हाल्लेलुय्या! सोच रहे है मैं उत्तेजित हूं; लेकिन मैं नहीं हूं। अंदर कुछ तो है!

175 परमेश्वर, परमेश्वर से, मैं बन गया, ताकि मेरे पाप को अपने ऊपर ले ले, जिससे कि वह मुझे वो बना सके जो वो ख़ुद है, आमीन, परमेश्वर के बेटे और बैटियों के उसके महान उद्देश्य पर वापस ले जाये, क्योंकि वह अनन्त पिता है। वह गुण जो उसमें था, देखो, जिसे उसे प्रदर्शित करना ही था।

176 अब पूरे तीन प्रकार के उद्देश्य को देखा? देखो, स्वयं को व्यक्त करने के लिए, वह बनना चाहता है... अब, वो—वो संसार खो गया है, अब उसे अपने आप को एक मनुष्य में व्यक्त करना होगा, ताकि उसके क्रूस से बहे लहू के द्वारा मेल–मिलाप के माध्यम से एक उद्धारकर्ता बन जाए। अब, उसे ऐसा बनना था, उसे मरना था, जिससे कि बचा सके और स्वयं को वापस कलीसिया में वापस ला सके, ताकि उसकी कलीसिया में प्रधानता प्राप्त करें।

177 अब याद रखें, यह नहीं हो सकता है, और न ही होगा, और न ही कभी होगा, और ना ही कभी भी एक ऐसा संप्रदाय हुआ है! उसके पास प्रधानता होनी ही है, और वो वचन है। आमीन! कैसे कोई मत–सिद्धांत उसमें डाला

जा सकता है? यह एक... किसी भी मत–सिद्धांत या किसी भी संप्रदाय के किसी मनुष्य के शब्दों को लेने पर, यह कलीसिया को एक वेश्या में बदल देता है। इसे प्रकाशितवाक्य 17 में तुरंत ही चिह्नित करता है, एक वेश्या और व्यभिचारणी के रूप में; रोमन कैथोलिक कलीसिया वेश्या है और प्रोटेस्टेंट व्यभिचारिणी है। यह बिल्कुल उतना ही स्पष्ट है जैसे कोई भी व्यक्ति इसे समझ सकता है। हम कलीसिया युगों में से होते हुए आए हैं, और आप उन—उन टेपों में देख सकते हैं यदि आप इसे चाहते हैं। बिल्कुल। तब, कोई भी चीज जो स्वयं को बाईबल के बाहर एक संस्था के साथ जोड़ती है, वो परमेश्वर की दृष्टि में एक वेश्या है। और उसने उसी चीज को किया जो हव्वा ने किया; वचन से अलग हो गए, अर्थात मसीह से। ओह, प्रभु! तो ठीक है।

178 अब हम उस रहस्य को देखते हैं, जो उसने जगत के उत्पत्ति से पहले अपने मन में छिपा रखा था। अब क्या आप बस इसमें से कुछ भाग पढ़ना चाहेंगे? आइए इसे अभी पढ़ें। क्या आपके पास पर्याप्त समय है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हम—हम इसे पढ़ेंगे। अब आईये हम सब निकाले, एक वचन पढ़ने के लिए, जो भी हो, इफिसियों की पुस्तक में, और आइए उस—उस इफिसियों के 1ले अध्याय से पढ़ने के लिए आरंभ करते हैं। और अब जैसे कि संडे स्कूल का पाठ अब आगे बढ़ रहा है, मसीह के इस तीन प्रकार के प्रगटीकरण में, आइए हम पढ़ते हैं।

पौलुस, परमेश्वर की इच्छा से जो यीशु मसीह का एक प्रेरित है,...

179 अब देखो, इसे संसार के लिए संबोधित नहीं करता है, लेकिन:

... उन संतों और मसीह यीशु में विश्वासी लोगों के नाम जो इफिसुस में हैं:

180 आप मसीह यीशु में कैसे आते हैं? कलीसिया में जुड़ने के द्वारा? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] एक जन्म के द्वारा! "एक आत्मा के द्वारा," पहला कुरिन्थियों 12, "हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया है।" देखा?

181 तो ठीक है, यही वे लोग हैं जिनसे वह बात कर रहा है। यह बाहर के संसार को संबोधित नहीं करता है। हम इस विषय पर पापी से बात नहीं कर सकते, क्योंकि वह इसके विषय में कुछ भी नहीं जानता। पौलुस ने

इसे किसी पापी के लिए संबोधित नहीं किया। उसने कहा, "यह उस—उस—उस झुंड के लिए है जो मसीह यीशु में है।"

हमारे पिता परमेश्वर, और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिलती रहे।

हमारे परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो, कि उसने हमें सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी (कहां पर?) *मसीह में स्वर्गीय स्थानों में:*

182 "स्वर्गीय स्थानों में।" ओह, काश मेरे पास समय होता! यहाँ मैंने इसे ठीक यहाँ पर मेरी बाईबल में चिह्नित किया है, स्वर्गीय स्थानों के विषय में, स्वर्गीय स्थान क्या है। *स्वर्गीय स्थान*, बस कुछ क्षण के लिए, जो है, "मसीह में विश्वासी का स्थान," देखिए, "जहां पर विश्वासी मसीह में खड़ा होता है," स्वर्गीय स्थानों में।

जैसा उसने हमें चुन लिया... (ध्यान से सुने)... *जगत की बुनियाद डालने से पहले उसी में चुन लिया,...*

183 उसने हमें कब चुना? "जगत की बुनियाद डालने से पहले," जब उसका महान छिपा हुआ रहस्य, उसका महान भेद।

... उसने *हमें जगत की बुनियाद डालने से पहले मसीह में* चुन *लिया, जिससे कि हम उसके साम्हने पवित्र और निर्दोष ठहरे* (किस में?) *प्रेम में:*

हमें (क्या?) *पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसकी लेपालक संतान हो, उसकी इच्छा की भली सुमति के अनुसार,*

184 "पहले से ठहराये गए!" वहां वो रहस्य है। वो, मसीह से पहले या इससे पहले इस धरती पर कभी कुछ भी हो, आप उसके महान रहस्य को देखते हैं, कि उसने दुल्हन को चुना। जानते हुए कि हव्वा वचन पर अविश्वास करने से गिर जाएगी, यह जानते हुए कि वह गिर जाएगी; लेकिन वह एक ऐसी दुल्हन को चुनेगा जो गिरेगी नहीं, जो उस वचन को पकडे रहेंगी, इस बात की परवाह किए बिना कि बाकी की सारी दुनिया इसके बारे में क्या कहती है। वो उस वचन को थामे रहेंगी! उन्हें वहां खड़े होने के लिए पहले से ठहराया गया है, "यीशु मसीह के द्वारा बच्चो का लेपालकपन होना,"

कलीसिया को उस महान, महिमामय स्थिति में खड़े रहने के लिए पहले से ठहराया गया है!

185 अब आप उसका भेद देखते हैं? क्या करने के लिए? गिरी हुई हव्वा को वापस लाने के लिए, क्योंकि वह कलीसिया की एक प्रतिछाया थी। और अब ध्यान, जैसे परमेश्वर ने आदम की पसली को खोला और हव्वा को उसके अपने मांस और लहू के द्वारा बाहर निकाला; और उसकी आत्मा को पुरुष और स्त्री से विभाजित कर दिया, स्त्री होने के लिए, इसे हव्वा में डाल दिया। उसकी बगल से पसली को निकालकर, और उसमें से हव्वा को बनाया; वैसे ही परमेश्वर ने उसी चीज को किया, मसीह के बगल से पसली को लेते हुए, लहू और पानी को लिया। और मसीह वचन है, और वचन को लेते हुए और अपनी कलीसिया को बना रहा है, अर्थात हव्वा को; देखो, वापस अपने आप में फिर से, लहू के द्वारा छुड़ायी गई जो उसके शरीर से निकली थी। अब आप इसे देख रहे हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

186 परमेश्वर का महान रहस्य अब खुल रहा है, जो कि जगत की बुनियाद डालने से लेकर छिपा हुआ है, लेकिन पूरे समय–क्रम में उसे पहले से चित्रित किया गया था। अब देखो, हम इसे पाते हैं, कि उसी ने—कि उसी ने यह किया। और यहाँ इफिसियों में, और बहुत से अन्य स्थानों में, लेकिन इससे आपको काफी कुछ मिल जाएगा... अब, उन युगों से होते हुए, वह धीरे–धीरे इस रहस्य को खोल रहा है। क्या आप अब देख सकते हैं? अब, वहां से होते हुए...

187 उसने कैसे... ? अब जो पहले से चित्रित किया गया था उसमें क्या हुआ? उसने आदम की बगल को खोला और उसकी देह का भाग लिया, जो कि आदम था, कि हव्वा को बनाये। दुल्हन को वचन ही होना है, क्योंकि वह वचन है। वह मत–सिद्धांतो पर खड़ी नहीं हो सकती है। वह संप्रदाय पर नहीं खड़ी हो सकती है। वह अच्छे व्यवहार पर नहीं खड़ी हो सकती है। उसे वचन पर अकेला ही खड़ा होना है, क्योंकि वह इसका भाग है। उसे मसीह में से निकाला गया था। देखा?

188 और यह सुनिश्चित करने के लिए, कि अब सारा रेपचर: लूथर एक भाग था, वेस्ली एक भाग था, भविष्यव्यक्ता एक भाग थे। यदि वे—वे भाग नहीं है... बस उस प्रकाशन में जो वे उस शरीर को बना रहे थे, पैर, पैर की

उंगलियां, हाथ, और इत्यादि, जब तक कि सिर ना आ जाये (जो हम कुछ ही मिनटों में ले लेंगे), देखिए, यही सम्पूर्ण रेपचर को संपन्न करता है। यह वचन की देह है, जो कि मसीह है। आमीन!

189 उसके बाहर, आप नष्ट हो जाते है। मैं परवाह नहीं करता कि आप कितने अच्छे हैं, या आपका संबंध क्या है, या आपकी संगति क्या है, या आपका संगठन क्या है, वो वचन आप में नहीं है, तो आप नष्ट हो जाते हैं।

190 "यदि तुम मुझ में बने रहो, वो वचन, मेरा वचन तुम में बना रहे, तो तुम जो चाहो मांगो," क्योंकि आप और वचन एक ही हो। उसके पास प्रधानतायें होती है। उसके पास प्रभुता होती है। आप—आप उसके लिए एक कैदी हैं। दुनिया मर चुकी है। आपके पास अब और कुछ भी नहीं है... आप देखते हैं कि बाकी के लोग उसी तरह से जी रहे हैं जिस तरह से वे चाहते हैं, लेकिन फिर भी आप ऐसा नहीं करते है। आप एक कैदी हैं। आप उसके साथ जुए में जूत गए हैं। "मेरा जूआ हल्का है।" मसीह के साथ, उसके वचन के साथ जुए में जूते हुए। "मैं केवल वही करता हूं जो... पिता को प्रसन्न करता है। और यदि तुम विश्वास नहीं कर सकते कि मैं वही हूं, तो वचन पर विश्वास करो।" इतना सिद्ध! ध्यान दें।

191 अब ध्यान दें, युगों–युगों में से होते हुए, वह धीरे–धीरे करते हुए इसे खोलता जा रहा है, भविष्यवक्ताओं के जरिये से और प्रतिछाया में से होते हुए धीरे–धीरे रहस्य को खोलता जा रहा है। अभी हम बस उस बात पर जा सकते हैं, और, वो स्वयं को व्यक्त कर रहा है।

192 उसने स्वयं को मूसा में व्यक्त किया। मूसा की ओर देखो। जो बच्चो के सताव के समय में जन्मा था। वह एक छुड़ाने वाला बनने के लिए जन्मा था। वह सरकण्डों में छिपाया गया था, ठीक वैसे ही जैसे यीशु को मिस्र में ले जाया गया था। वह बाहर आया। वह पहाड़ पर चढ़ा, आज्ञाओं के साथ वापस आया।

193 यीशु पहाड़ पर गया, उसका पहला उपदेश, पहाड़ पर का उपदेश, उन आज्ञाओं के साथ नीचे वापस आया। "तुमने पुराने समय के लोगों को, यह कहते हुए सुना होगा, 'तू व्यभिचार न करना।' मैं तुम से कहता हूं, कि जो कोई भी किसी स्त्री की ओर कुदृष्टि डाले, वह व्यभिचार कर चुका।" व्यवस्था को देने वाला, याजक, राजा, अगुवा, बिल्कुल ठीक!

194 उसने अपने आप को युसूफ में व्यक्त किया, संप्रदाय के बीच जन्मा,

उसके भाईयों में। उन्होंने बिना किसी कारण के उससे घृणा की, क्योंकि वह आत्मिक था। उसने दर्शन देखे थे। परमेश्वर उसके साथ था। वह सपनों का अनुवाद कर सकता था। और उसके भाईयों ने उससे घृणा की। वह उसके भाइयों के द्वारा... बेचा गया, लगभग तीस चांदी के सिक्कों में। ठीक वैसे ही जैसे उसे यहूदा इस्करियोती के द्वारा बेचा गया था, उसके भाइयों में से एक, चांदी के तीस सिक्कों के द्वारा। उसे एक गड्ढे में फेंक दिया गया था और उन्होंने समझा वह मर चुका था। यह सही है। पिता और उन लोगों को बताया गया था कि वह मर गया। कि उसे इस गड्ढे में फेंक दिया गया; बाहर निकाला गया, और फिरौन के दाहिने हाथ पर चला गया।

195 उस कालकोठरी में, किस तरह से उसने वहां बहुत से कष्ट सहे! और—और वहां दो बचाए गए थे... पिलानेहारा और पकानेहारा, बल्कि, उनमें से एक नष्ट हो गया था और एक बचा लिया गया था। और वो—वो पिलानेहारा... उनमें से एक नाश हो गया था और दूसरा एक बचा लिया गया था। बिल्कुल जैसे कि क्रूस पर था, जब वह अपने कैदखाने में था, हमारे पापों के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया, एक कैदी बन गया, एक चोर नाश हो गया था और एक बच गया था। देखो, ठीक बिल्कुल वैसे ही।

196 तब वह फिरौन का दाहिना हाथ बन गया, वो राजा जो उसने स्वप्न देखा था, उसके पास दर्शन था कि वह राजा के क़दमों में बैठेगा, और मिस्र में सारा अधिकार उसे दिया गया था। उसका दर्शन पूरा होना था। हो सकता है उसने कई बार इसका अध्ययन किया हो, जब वह वहां उस जेल में—में था। उसकी मूंछे बढ़ रही थी, और इत्यादि, लेकिन उसने इसका अध्ययन किया। किसी दिन उसका दर्शन पूरा होना ही था।

197 भले ही इसमें देर लगे, इसे घटित होना ही है! जैसा कि मैंने पिछली रात को, या एक रात पहले, यहाँ सभा में बुधवार की रात बोला था। देखो, यह होना ही है। जब परमेश्वर ऐसा कहता है, इसे घटित होना ही है। यह एक प्रमाणित भविष्यव्यक्ता है, और इसे पूरा होना ही है, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

198 और वचन केवल भविष्यव्यक्ता के पास ही आता है। *भविष्यवक्ता* शब्द का अर्थ होता है, "दिव्य लिखित वचन का प्रकट करने वाला," उसी तरह जैसे यह "एक भविष्य का बताने वाला," होता है, या "द्रष्टा" होता है। ध्यान दें। और वो भविष्यद्रष्टा, कैसे, वो एक जो आप जानते हैं आगे की

बात को बताता है, वो पूर्वज्ञान द्वारा दैविक रूप से प्रमाणित होता है, और यह पूरा होता है। "यदि वहां कोई एक है जो भविष्यव्यक्ता है, तो वह आपसे बात करेगा और आपको बताएगा कि कुछ घटित होने जा रहा हैं। और यदि ऐसा नहीं होता है, तो उसकी बात ना सुने। लेकिन यदि ऐसा होता है, तो मैं उसके साथ हूं। अच्छा होगा कि तुम उसका भय खाओ, क्योंकि मैं उसके साथ हूं, तुम देखना।" बिल्कुल ऐसा ही है। वहां पर वो प्रमाणित होना है, वहां जहां आप जानते हैं कि यह सत्य है या नहीं।

199 परमेश्वर अपने वचन के जरिये से बोलता है, अपने लोगों से, लोगों के द्वारा। देखो, परमेश्वर केवल मनुष्य के माध्यम से बोलता है। "मैं दाखलता हूं, तुम डालियां हो।" दाखलता फल नहीं लाती है। डालियां बोलती है, दाखलता के फल को उत्पन्न करती है। ध्यान दे, यह हमेशा ही ऐसा ही रहा है।

200 अब हम यूसुफ को पाते हैं, उस समय, कि जब कोई भी मनुष्य यूसुफ को मिले बिना फिरौन को छू नहीं सकता या उसके पास नहीं आ सकता था। "कोई भी मनुष्य पिता के पास नहीं आ सकता, केवल पुत्र के द्वारा ही।" और जब यूसुफ ने सिंहासन को छोड़ा, तो उन्होंने तुरही को बजाया, "हर एक घुटना झुक जाये! यूसुफ आ रहा है!"

201 महिमा! और किसी दिन हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी, जब वह अपने पिता के सिंहासन को छोड़ता है, देखो, आगे आने के लिए। हर कोई गवाही को देगा कि वह परमेश्वर का पुत्र है। आप या तो... तब बहुत देर हो चुकी होगी। इसे अभी करें।

202 अब हम ध्यान देते हैं कि प्रतिछाया में से होते हुए, हम दाऊद को भी ले सकते हैं, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले इस पर बोला था, अपने सिंहासन से उतर गया, अपने ही लोगों के द्वारा ठुकराया गया; उसी पहाड़ पर जा रहा था, जैतून के पहाड़ पर, जैसे कि वो उसके कैदखाने में जा रहा था। वह अपने कैदखाने में जा रहा था क्योंकि वह अपने भाइयों और अपने ही लोगों से ठुकराया गया था। वह रोते हुए, ऊपर चढ़ा। यह उसमें मसीह का आत्मा था, जिसे अस्वीकार किया जाना था, जब वो यरूशलेम की ओर दृष्टि करके और रोया, और कहा, "यरूशलेम, मैं कितनी बार... " एक अस्वीकृत राजा। आठ सौ वर्ष के बाद, दाऊद का पुत्र यरूशलेम पर खड़ा हुआ था, वहां यरूशलेम के ऊपर, और अस्वीकार कर दिया गया,

और यरूशलेम के लिए रोया, और कहा, "अब तेरी घड़ी आ पहुंची है।" यह सही है। देखा?

203 उन सभी चीजों ने उसकी प्रतिछाया की, बस छाया में, लेकिन फिर भी रहस्य छिपा हुआ था। वे मनुष्य नहीं जानते थे कि वे क्या कर रहे थे। वे केवल यह जानते थे कि वे कुछ करने के लिए आत्मा के द्वारा अगुवाई किए जा रहे थे। अब, अंतिम दिनों में इसे रोके हुए है, महान प्रकाशन के लिए। लेकिन, इसे व्यक्त करते हुए, वह मूसा, और दाऊद, और यूसुफ, और एलिय्याह में, और आगे तक स्वयं को व्यक्त कर रहा था। आप... हम उन भविष्यवक्ताओं में से हर एक को ले सकते हैं, और उनके जीवन को लेकर और बता सकते हैं कि यह यीशु मसीह को पूरी तरह से, बिल्कुल सही तरीके से व्यक्त करता है। फिर भी, कभी भी अपने पूरा रहस्य को नहीं देता है; हम अंत के दिनों में इसके प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रहे है, जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की है, इसके पूरी तरह से समझने की प्रतीक्षा कर रहे है, देखो, इससे पहले कि वह इसे व्यक्त कर सके। यदि वह पूरी बात बता देता...

204 क्योंकि, बाईबल रहस्यों में लिखी हुई है। यीशु ने इसके लिए पिता को धन्यवाद दिया, देखो, कि इसे रहस्यों में लिखा गया था।

205 अब, प्रभु का आगमन रहस्य में है। हम नहीं जानते कि वो कब आ रहा है, वह कैसे आ रहा है, लेकिन हम जानते हैं कि वह आ रहा है। देखा? और वैसे ही परमेश्वर के सारे रहस्य थे इस अंतिम दिन की प्रतीक्षा कर रहे है। जब ये पहले ही पूरा हो जाता है उसके बाद, तब वो प्रकट करता है और दिखाता है कि उसने क्या किया है। ओह, प्रभु! उसने अपना रहस्य कभी भी पूरा नहीं दिया।

206 यह बस इसी तरह से है, सात मोहरों की तुलना करते हुए। अब, जब परमेश्वर ने मार्टिन लूथर को उस पहली कलीसिया या उस कलीसिया युग के बाहर आने के लिए उपयोग किया, और जब उसने जॉन वेसली का उपयोग किया, और वह धीरे–धीरे उन्हें बाहर लेकर आया, और उन में उस कलीसिया युग को प्रकट कर रहा था। जब हम... जब हम बाईबल में वापस जाकर और इस बात का पता लगाते हैं। लेकिन अंत के दिनों में, यही वजह थी कि यह इतनी बड़ी और अद्भूत चीज़ थी, जिसके विषय में उसने यहां पर बोला और उन सात गर्जनाओ को दिखाया। और *लुक* और

लाइफ पत्रि–...

207 तब *लाइफ* पत्रिका ने उस एक बादल और उजियाले के घेरे को वहां पर छापा जिसे वे नहीं समझ सके, और इसे अभी तक नहीं जानते। लेकिन यहाँ बता रहा था, "वहाँ पर जाओ और इन रहस्यों के प्रकट होने की प्रतीक्षा करो," और यहाँ महीनों पहले यह घटित हुआ, और तब यह ठीक वैसे ही घटित हुआ जैसा उसने कहा था कि यह होगा। क्या आपने उस तस्वीर में ध्यान दिया? यहाँ तक कि वो दूत भी जो दाई ओर था, जब वह नीचे आते हुए, प्रकट हो रहा था, अपने पंखों को पीछे किए हुए और उसका सिर एक ओर किए हुए था, यह ठीक *वहां* तस्वीर में है, ठीक वैसे ही। इसके घटित होने से महीनों पहले, यहां बताया गया, कि, "वह विश्वासियों की देह को एक साथ लाने जा रहा है; प्रकट करने के लिए, उन छोड़ी हुई बातों को लेता है।"

208 यहां लूथर में से होते हुए आया, उसने केवल धर्मीकरण का प्रचार किया, उस युग में बस उसी पर जोर डाला। वह नहीं जानता था कि यह कौन सा युग था। यहां पर वेस्ली आया, और उसने अपने युग में जोर डाला। समझे? इसमें से बहुत सारी शखाये बाहर आ गयी, दूसरी कलीसियाये खड़ी हो गयी। उसके यहां पेंटीकोस्ट आया, इस पर जोर डालते हुए, और वे संगठित हो गए और फिर से सीधे मृत्यु की ओर वापस चले गए; जैसा कि हम इसे कुछ ही मिनटों में ले लेंगे, ठीक वापस "मृत्यु" पर आ गए।

209 और फिर रहस्य का प्रकाशन आता है, यह प्रकट करने के लिए कि यह सब किस विषय में है। जहां, ये छोटी–छोटी शिक्षाएं थी, जैसे लूथर ने धर्म शिक्षा की किताब और हर एक चीज को लाया; और वेस्ली *इसे, उसे,* और *इत्यादि, इन* दूसरी चीजों को लेकर आया; और उसके बाद पेंटीकोस्ट ने उसी तरह से संगठन में लाया, और "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" का बपतिस्मा, और इत्यादि चीजों को; उन्हें कोई भी फर्क पता नहीं था, क्योंकि... तब अंत के दिनों में वापस आकर और इन सारे रहस्यों को उठाकर और स्पष्ट रूप से इसकी व्याख्या करता है, इसे प्रकट करता है। क्यों? यह सब अंतिम दिनों में होना है जब यह महान रहस्य जो परमेश्वर के ह्रदय में था ये प्रकट हो रहा है।

210 क्या आप पकड़ पा रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] यदि आप चूक जाते हैं, तो इस टेप पर फिर से वापस सुने। मैं नहीं जानता

कि मैं आपके साथ कितना अधिक समय रहूंगा। याद रखें, यह **यहोवा यों कहता है** की सच्चाई है। यह सच्चाई है। यह वचन है।

211 जैसे सात अन्तिम मोहरो के सात रहस्य, उनके रहस्य। मोहरों को तोड़ा गया था, और हर एक युग बीत चुका था, और वे अपने पीछे ढेर सारी बिखरी हुई बातें छोड़ गए थे। और परमेश्वर, उसकी इच्छा नहीं थी कि यह बिखरा होना चाहिए, वह वापस आता है और उन बातों को उठाता है, उस शिक्षा को जो उन्होंने आरंभ की थी, और इसे सामने लाता है और सारी चीज को प्रकट करता है। उसी चीज को वो अब मसीह के रहस्य को प्रकट करने में कर रहा है, किस तरह से वह कलीसिया के लिए परमेश्वर का तीन प्रकार का उद्देश्य था! ओह, प्रभु! उसे बाहर ला रहा है। प्रकट करता है!

212 *प्रकट करना,* वेबस्टर इसे कहता है, "ज्ञात करवाना। ज्ञात करवाना, और विशेष रूप से," वेबस्टर कहता है, "दिव्य सच्चाई में," जो *प्रकाशन* का अर्थ होता है। वो प्रकाशन, ये मसीह का स्वयं को उसकी कलीसिया पर ज्ञात करवाने का तरीका है।

213 अब हम कहेंगे, "अब, भाई ब्रन्हम, आप बस ऐसे ही कह रहे हैं।" अब, हम बस ऐसे ही कहने के लिए इसे नहीं *कहेंगे*।

214 अब ध्यान दे, उसने स्वयं को पतरस पर प्रगट किया। अब यदि आप इसे चिह्नित करना चाहते हैं, और हम... यदि आप इसे पढ़ना चाहते हैं, तो हम—हम इसे पढ़ेंगे, यदि आप चाहते हैं, तो संत मत्ती 16:15 और 17 में। मैं इसका हवाला दूंगा। जब वे रूपान्तरण के पहाड़ से आये, तो उसने उनसे कहा, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

215 "कुछ कहते हैं, ओह, वे सोचते हैं कि तुम 'एलिय्याह' हो, और कुछ कहते हैं कि तुम 'भविष्यद्वक्ताओं में से एक हो,' 'यिर्मयाह,' या उनमें से कोई।" लेकिन यह वह नहीं था जो उसने पूछा था।

216 उसने कहा, "तुम मुझे क्या कहते हो कि मैं अब कौन हूं? " अब वहां वो कलीसिया है जिससे वो बात कर रहा है। समझे?

"मनुष्य क्या सोचता है कि मैं क्या हूं? "

217 आज, "वो एक दर्शनशास्त्री है; यह सामाजिक धर्म है। वह एक भला मनुष्य है। हम विश्वास करते हैं कि उसकी शिक्षा सही है। यह एक विषय है जिसके द्वारा हमें जीना चाहिए। मैं सोचता हूं कि यदि हमने ऐसा किया, तो

ये हम सभी को बेहतर बना देगा। हमारे पास अपनी कलीसियाये, हमारी—हमारी इत्यादि चीजें होनी चाहिए।" यह एक सांता क्लॉस है, जैसे एक सांता क्लॉस की कहानी।

218 यह किसी कलीसिया का प्रगटीकरण नहीं है कि हमें कुछ तो व्यक्त करना होगा। यह एक ऐसा जीवन है जिसे आप स्वयं नहीं जीते, लेकिन वह आप में आता है और स्वयं ही जीता है, और आप एक कैदी बन जाते हैं; बिल्कुल किसी भी मानवीय बौद्धिक अस्तिव के लिए। आपको आत्मा के द्वारा अगुवाई किया जाता हैं। और आप कैसे जानते हैं?

219 अब, आप कहते हैं, "शायद मुझे लग सकता है कि मेरा दिमाग़ ठिकाने पर नहीं है। शायद वही मनुष्य ऐसा करता है जो अपने दिमाग़ को खो देता है।"

220 लेकिन यदि आपके पास मसीह का मन है, तो मसीह आपके द्वारा स्वयं को व्यक्त करता है, यह दिखाता है कि यह वही है और ना ही... आपने अपने मन को नहीं खोया है।

221 कुछ लोग, चीजों के भ्रम में, बाहर निकल जाते है और पागल हो जाते हैं। खैर, हम जानते हैं कि यह गलत है। यही वो शैतान है जो वास्तविक चीज के यहाँ पहुँचने से पहले उसकी नकल करने की कोशिश कर रहा है, देखो, हमेशा ही एक झूठा। देखा?

222 लेकिन एक वास्तविक मनुष्य को अपने स्वयं के विचारों और अपनी स्वयं की सोच को खोना पड़ता है! इस तरह से आँख बंद करके नहीं आता। नहीं, श्रीमान। आप अपनी सही चेतनाओं के साथ आगे आते हैं, और मसीह आप पर अधिकार करता है और अपने आप को व्यक्त करता है। और अब, संसार की दृष्टि में, आप एक पागल व्यक्ति हो।

223 अब, यदि आप पागल हैं, तो आप वास्तव में पागल हैं, वहां कुछ भी नहीं... शैतान आपको पूरी तरह नियंत्रण में नहीं ले सकता है। वह आपको हर वह काम करने को लगाएगा जो इस वचन के विपरीत है।

224 लेकिन जब मसीह आपको अपने अधीनता में लेता है, तो वह उस वचन को आपके जरिये से व्यक्त करेगा, क्योंकि यह वो स्वयं है। वो वचन है! समझे? और तब आप मसीह की अभिव्यक्ति को देख सकते हैं। यह किसी प्रकार का कोई भ्रम नहीं हैं, लेकिन एक वास्तविक सच्चा मसीह अपने आप को ठीक आपके जरिये से व्यक्त कर रहा है। कितना सुंदर!

225 अब ध्यान दे। उसने कहा, "तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं?" वह कलीसिया से, उसके बारह लोगों से पूछ रहा है। उस दिन के लाखों लोगों में से, उसने बारह लोगों से पूछा, अर्थात अपनी कलीसिया से।

नूह के दिनों में, लाखों में, उसने आठ लोगों से पूछा। उह–हुंह। देखा?

226 और उसने कहा, "जैसा नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, देखो, जहां आठ प्राण बचाए गए थे।"

227 मैं यह नहीं कहता कि अभी आठ लोग बचाये जायेंगे। अब इस बात को गलत ना समझे। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। मैं नहीं जानता कि कितने लोग होंगे, जो इसमें बचाए जायेंगे, जो कि... उस अंतिम क्षण में उस— उस छोटे झुण्ड के रैपचर में जाने के लिए। यह एक छोटा सा झुण्ड होगा, मैं आपको यह बताऊंगा। "सकेत है वह फाटक, और सकरा है वह मार्ग, लेकिन थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे।"

228 लेकिन जब वो महान छुटकारे की देह सारे युगों में से होते हुए ऊपर आती है, तब यह वहां एक महान सिंहासन होने जा रहा है! प्रकाशितवाक्य 7 इसे व्यक्त करता है, "बड़ी संख्या, जिसे कोई मनुष्य नहीं गिन सकता है," सारे युगों में से होते हुए वे ऊपर आते है, वे लोग जो बाईबल के उजियाले में चले जहां तक यह उन पर प्रगट हुआ था। और अब हम जानते हैं कि वेस्ली के पास लूथर से भी अधिक उजियाला था। हम जानते हैं कि पेंटीकोस्ट ने वेस्ली को पीछे छोड़ दिया। देखा? निश्चय ही, ये ऐसा करता है।

229 क्योंकि, ये अब धीरे–धीरे प्रकट होता चला गया, जैसे भविष्यद्वक्ताओं और इसी प्रकार अन्य लोगों में से आगे होता गया, जब तक यह सिद्ध रूप से प्रकट नहीं हो गया था, "मसीह में परमेश्वरत्व की देह।"

230 और अब कलीसिया में मसीह को बस प्रकट किया जा रहा है। सारी चीज परमेश्वर का प्रकाशन है, कि हव्वा को फिर से उसके पति के साथ उसकी सही स्थिति में वापस ले जाए। ध्यान दें, और परमेश्वर कलीसिया का पति है, और कलीसिया उसकी दुल्हन है।

231 अब, पतरस, जब उसने उसे बुलाया, कहा, "तू मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र।"

232 अब ध्यान दे। "धन्य है तू, शमौन *बर–जोना*," कहता है, जिसका अर्थ है, "योना के पुत्र।" समझे? "धन्य है तू, क्योंकि मांस और लहू ने

इसे कभी भी तुझ पर प्रकट नहीं किया। तुमने इसे किसी विद्यालय से नहीं सीखा। लेकिन मेरा पिता जो स्वर्ग में है, उसने इसे तुम पर प्रकट किया है।" ध्यान दे उसने उससे क्या कहा, "इस चट्टान पर... " यह पतरस है, परमेश्वर का पहले से ठहराया हुआ बीज, जिसने इस प्रकाश को ग्रहण किया था, और उसे राज्य की चाबियां दी गई थी। "इस प्रकाशन की चट्टान पर जो यीशु मसीह है," वह संपूर्ण, प्रकट हुआ परमेश्वर है। "इस चट्टान पर... " ना ही एक पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा; और ना ही वो उसमें का दूसरा व्यक्ति है। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसे कभी नहीं हिला सकेंगे, इसके विरुद्ध कभी भी प्रबल न होंगे।" समझे? "मैं इस चट्टान पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा," यीशु मसीह का एक प्रकाशन।

233 देखो, मसीह जो आप में है उसे प्रकाशन के जीवन का केंद्र बनाता है। समझे? मसीह का जीवन आप में है ये उसे प्रकाशन का केंद्र बनाता है। मसीह, बाईबल में, बाईबल को मसीह का पूर्ण प्रकाशन बनाता है। मसीह आप में आपको पूरी चीज का प्रकाशन बनाता है, देखो, परमेश्वर क्या करने की कोशिश कर रहा है।

234 तब नया जन्म क्या है? आप कहेंगे, "ठीक है, भाई ब्रन्हम, नया जन्म क्या है? " यह आपके लिए व्यक्तिगत रूप से यीशु मसीह का प्रकाशन है। आमीन! समझे? ना ही आप एक कलीसिया से जुड़े हुए हैं, आपने हाथ को मिलाया, आपने कुछ अलग किया है, आपने एक मत–सिद्धांत को कहा है, आपने कुछ—कुछ नियमों के द्वारा जीने की प्रतिज्ञा की थी। लेकिन मसीह, बाईबल, वो वही वचन है जो आप पर प्रकट किया गया था। और कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई और क्या कहता है, क्या बात जगह लेती है, यह तो मसीह है; पास्टर, याजक, यह हो सकता है कोई भी हो। यह मसीह आप में है, यही वो प्रकाशन है जिस पर कलीसिया को बनाया गया था।

235 आप कहते हैं, "तो ठीक है, मैं एक लूथरन हूं। मैं एक बैपटिस्ट हूं। मैं प्रेस्बिटेरियन हूं।" इसका कोई मायने नहीं है, कोई मायने नहीं रखता [भाई ब्रन्हम अपनी उंगली से चुटकी बजाते हैं—सम्पा।] *इसका* परमेश्वर के लिए मायने नहीं रखता, कुछ भी नहीं, ना ही आपकी उंगली से चुटकी बजाना।

236 यह क्या है? यह मसीह का प्रकट होना है, और वो वचन है। और जब वचन प्रकट होता है, तो यह स्वयं को व्यक्त करता है। समझे? यही यीशु मसीह के लिए परमेश्वर का उद्देश्य है, उसे स्वयं को व्यक्त करना था, ताकि उसके स्वयं के नियम को ले और उसके नियमो के द्वारा जीए,... और मृत्यु के द्वारा उसके नियम को पूरा करे। और मसीह, परमेश्वर, शरीर में मरा, जिससे कि शरीर में पाप को दोषी ठहराए, जिससे कि वह अपने ख़ुद के लिए एक महिमामय दुल्हन को ला सके, वापस छुड़ाई हुई, जो केवल परमेश्वर के वचन में ही विश्वास करेगी; और इसे अदला–बदली नहीं करती है, जैसे हवा ने किया, मनुष्य की बौद्धिक धारणाओं के लिए। आप इसे देख रहे हैं? यही मसीह का विचार है। यही परमेश्वर का विचार है। नया जन्म इसे प्रकट करता है।

237 और यदि एक मनुष्य कहता है कि उसका फिर से जन्म हुआ है, और इन अंतिम दिनों में, मसीह की इन प्रतिज्ञाओं को किसी और युग में रखने का कोशिश करते है, उसे बीते हुए कल का मसीह बनाते है लेकिन आज का नहीं, तब वह मनुष्य या तो वह व्यक्ति उस शैतान के द्वारा एक—एक धोखे या भ्रम में जी रहा है। और यदि वह व्यक्ति कहता है कि वह इसका विश्वास करता है, और यह उसमें से होते हुए स्वयं को प्रगट नहीं करता है?

238 यीशु ने मरकुस 16 में कहा, "विश्वास करने वालों के ये चिन्ह होंगे; वे संसार भर में, और हर एक युग में।" शैतानों को निकालते है, और अन्य जुबान में बोलते है, और—और सारे दानो के ये सारे महान प्रगटीकरण जो पीछे–पीछे जायेंगे, कि, "वे करेंगे!" ना ही, "वे *हो सकता* हैं करेगे; उन्हें करना *चाहिए*।" "वे करेंगे!" और आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन उसका वचन नहीं टलेगा।

239 इसलिए यह मसीह अपने आप को व्यक्तिगत रूप में व्यक्त कर रहा है, चाहे वह बुद्धिमान हो या चाहे वह—वह अपने क ख ग को भी न जानता हो। आधे प्रेरित इसे नहीं जानते थे, यह सही है, लेकिन वे मसीह को जानते थे। उन्होंने कभी भी पतरस और यूहन्ना पर ध्यान नहीं दिया, जानते हुए कि वे किसी धर्म विद्यालय से शिक्षित होकर आये थे। उन्होंने कहा, "उन्होंने इस बात पर ध्यान दिया और महसूस दिया कि वे मसीह की संगति में रहे थे," जब उन्होंने लंगड़े मनुष्य को फाटक पर चंगा किया, देखो। वे जानते

थे कि वे—वे मसीह के साथ थे।

240 नया जन्म मसीह है, यह एक प्रकाशन है। परमेश्वर ने आप पर इस महान रहस्य को प्रगट किया है, और यही एक नया जन्म है। अब आप क्या करने जा रहे हैं, जब आप सारा झुण्ड एक साथ एकत्र होते हैं? जहां पर प्रकाशन सिद्ध रूप से तालमेल में होता है, और परमेश्वर इसे अपने वचन के ज़रिए से व्यक्त करता है उन्हीं कामों के द्वारा, उन्हीं चीजें को करते हुए जो उसने की, वचन को प्रकट बनाता है। ओह, यदि कलीसिया केवल अपने स्थान को जान लेती है! एक दिन, ऐसा होगा। तब, रेपचर हो जाएगा जब यह जान जाती है कि यह क्या है। अब ध्यान दें।

241 आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, लेकिन यह—यह ऐसा नहीं है... " ओह, हाँ, ऐसा भी है। यह सच्चाई है।

242 क्या आपने ध्यान दिया? पौलुस यीशु को शारीरिक रूप से कभी नहीं जानता था। पौलुस ने इस तरह से कभी भी उसे नहीं जाना। केवल एक ही तरीक़े से पौलुस उसे जानता था, जो एक प्रकाशन के द्वारा, अर्थात एक दर्शन के द्वारा था। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] पौलुस केवल यीशु को प्रकाशन के द्वारा ही जानता था, ठीक जैसे पतरस ने जाना।

243 पतरस ने उसे शरीर में देखा था, लेकिन उसने उसे शरीर से नहीं जाना, क्योंकि यीशु ने ऐसा ही कहा। "मांस और लहू ने इसे तुम पर प्रकट नहीं किया। यहां तक कि मेरे अपने जीवन ने भी इसे तुम पर प्रकट नहीं किया। लेकिन मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, उसने तुम पर इस बात को प्रकट किया," कि वो परमेश्वर का वचन है, "और इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बनाऊंगा।" पतरस उसे शरीर से नहीं जानता था। वो मनुष्य उसके साथ चला, और उसे छुआ, और बाकी की हर चीज़ की।

244 पौलुस के पास किसी भी प्रेरितों से भी बढ़कर कुछ तो था। देखा?

245 उन्होंने कहा, "तो ठीक है, मेरे—मेरे पास तुम से अधिक प्रकाशन है, पौलुस, क्योंकि, तुम जानते हो, मैं उसके साथ–साथ चला था। एक दिन मैं उसके साथ मछली पकड़ने गया। मैंने उसे बात करते सुना। वह मेरे साथ एक नाव में बैठा था, और उसने वास्तव में मुझसे कहा, 'आओ हम यहां पर जाये और इस स्थान पर मछली को पकड़े, और हमें और मछलियां

मिलेंगी।' और हमने ऐसा किया।" देखा? देखा? "हमने उसे उन चीजों को करते हुए देखा है।"

246 लेकिन पौलुस ने उसे तब देखा जब वह मर गया था, दफनाया गया, फिर से जी उठा, और अपने आप को अग्नि के स्तंभ में व्यक्त किया जिसने इस्राएल के बच्चों की अगुवाई की। जानते हुए... पौलुस, एक यहूदी होने के नाते, उसे कभी भी "प्रभु" नहीं कहा, जब तक कि उसने प्रगटीकरण को नहीं देख लिया था, वह वापस आ गया था, जो कल और सर्वदा एक सा है। उसने कहा, "पौलुस," दूसरे शब्दों में, "मैं आज वही परमेश्वर हूं जो मैं कल था। मैं यहां हूं, उसी प्रकाश में, वो अग्नि का स्तंभ जिससे मूसा ने जलती हुई झाड़ी में बात की।" कोई आश्चर्य नहीं कि वह व्यवस्था को अनुग्रह से अलग कर सका था, इब्रानियों की पुस्तक में; उसने उसी अग्नि के स्तंभ से भेंट की थी। उसने कहा, "मैं यीशु हूं, जिसे तुम सताते हो।"

247 और आज वो यहां पर है, उसी प्रकार से, उसी अग्नि के स्तंभ के द्वारा, अपने आप को व्यक्त करते हुए और अपने आप को उसी तरह से प्रमाणित करते हुए, परमेश्वर के रहस्य को प्रकट कर रहा है, जो जगत की बुनियाद डालने से लेकर छिपा हुआ था। इसे देखा?

248 पौलुस केवल उसे प्रकाशन के द्वारा—द्वारा ही जानता था। पतरस उसे प्रकाशन के द्वारा जानता था।

249 वह उसके साथ चला, उससे बात की। इसलिए, आप इस वचन में दृढ़ता से स्थिर हो सकते हैं। अब, मैंने अभी–अभी कहा कि वो वचन था। अब, एक विद्वान बैठकर और उस वचन को तब तक पढ़ सकता है जब तक कि वह बस किसी भी तरह से आपके मन को बांध नहीं लेता, देखो, यदि वो ऐसा करना चाहता है, क्योंकि वह होशियार है, प्रतिभाशाली है। एक कैथोलिक याजक को ले, या, इतना भी नहीं, जैसे एक वास्तविक अच्छे, बाईबल में प्रशिक्षित धर्मज्ञानी को ले। भाई, एक बैपटिस्ट, या एक प्रेस्बिटेरियन, या कोई तो और, वह आपको सोचने कको लगाएगा कि आप कुछ भी नहीं जानते है, देखो, जब बात करने की बात आती है। क्या? देखो, क्योंकि वह उसे शरीर में वचन को जानता है, अर्थात इस वचन को। [भाई ब्रन्हम अपनी बाईबल पर थपथपाते हैं—सम्पा।]

250 लेकिन केवल एक ही तरीके से कि आप बचाए जाते हैं वो है उसे प्रकाशन के द्वारा जानना!

251 यदि मैं ले सकता हूं, तो मैं प्रेस्बिटेरियन सिद्धांत को लेकर और आपको पेंटीकोस्टल के साथ जोड़ सकता हूं यहाँ तक आप नहीं जान पायेंगे। मैं बैपटिस्ट सिद्धांत को ले सकता हूं और आपको पेंटीकोस्टल की लाखों चीजें को दिखा सकता हूं, जिसके बारे में आप कुछ भी नहीं जानते हैं। यह ठीक है, लेकिन ये ऐसा नहीं है। यह उसकी कलीसिया नहीं है। यह उसकी कलीसिया नहीं है।

252 उसकी कलीसिया अपने आप में प्रकट हुई है, (आमीन! क्या आप इसे देखते हैं?) और स्वयं वचन के द्वारा व्यक्त की गयी है, कि वो परमेश्वर है। समझे?

253 आप कैसे, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," कह सकते हैं, फिर, इसमें बपतिस्मा लेते है? मूर्तिपूजक! सही है! आप कैसे कह सकते हैं कि आप यीशु मसीह को जानते हैं, कि वह वचन है, जबकि बाईबल में ऐसा कोई वचन नहीं है, ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां किसी को भी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम से बपतिस्मा दिया गया हो?

254 और आप—और आप केवल यीशु के लोग, बस "यीशु" के नाम का उपयोग बपतिस्मे के लिए करते है! मैं व्यक्तिगत रूप से चार या पांच उन यीशु से परिचित हूं। तो आप देख रहे हैं कि आपके संप्रदाय आपको किस ओर ले जा रहे हैं? यही वो अंधकार है, कैन का अभिव्यक्ति, जो लहू के स्थान पर फल को लेकर आया। समझे?

255 लेकिन प्रकाशन लहू के जरिये से ही आता है, देखो, यीशु मसीह के ज़रिए से, जो परमेश्वर का लहू है, मरियम के गर्भ में सृष्टि किया हुआ लहू। और पौलुस ने उसे प्रकाशन के द्वारा जाना। इसी तरह से हम आज उसे जानते हैं, केवल यही एक ही तरीका है कि आप उसे जान सकते हैं। मत कहो, "मैं मेथोडिस्ट हूं।" इसका कोई मतलब नहीं है। "मैं बैपटिस्ट हूं।" इसका कोई मतलब नहीं है। "मैं कैथोलिक हूं।" इसका कोई मतलब नहीं है। लेकिन प्रकाशन के द्वारा, कि परमेश्वर ने आप पर वचन को प्रकट किया है! वो वचन है। और वचन, आप कैसे जानते हैं कि यह प्रकट हुआ है, यह अपने आप में जीता है और खुद को आपके जरिये से व्यक्त करता है। ओह!

256 कलीसिया लंबे समय से उस महान प्रकाशन को भूल चूकी है। यह सही है। सत्य का प्रकाशन, वे इसे भूल गए हैं। वे चले गए...

257 अब, जब लूथर उठ खड़ा हुआ, वह एक महान व्यक्ति था। उसके पास

उस दिन का प्रकाशन था। लेकिन क्या हुआ? वे रिक्की या अनेक आधुनिक विचार–शैली के लोग अंदर आ गए, ऊपर से सपाट बाल कटे हुए, जैसा कि हम आज इसे फ्लैट टॉप कहते हैं, और ऐसी ही युवतियां या रिकेटास, और वे सारे के सारे, वे वहां पर आ गए। और—और—और, पहली बात जो आप जानते हैं, यह वहां पर है।

258 वह प्रगटीकरण। यदि आप केवल—केवल बाईबल के अंक गणित को जानते है, और इस बात को समझते है कि वचन के हिसाब से *एल्विस* या—या *रिकी* का क्या अर्थ होता है! उह–हुंह। बिल्कुल वैसे ही, यीशु ने ऐसा क्यों... आप कहते हैं, "इससे आपके नाम से कुछ लेना–देना नहीं है।" क्या ऐसा नहीं है? ऐसे नाम केवल इन अंतिम दिनों में, इस अंतिम दिनों के लोगों के लिए रखे जा सकते है।

259 यीशु ने अब्राम का नाम बदलकर अब्राहम, फिर, सारा का नाम बदलकर साराह क्यों रखा? उसने शाऊल को पौलुस में क्यों बदला? उसने शमौन को पतरस और इत्यादि लोगों का नाम क्यों बदला? आप देखिए, निश्चित रूप से इसका कुछ तो अर्थ है।

260 उस नाम का आज तक उच्चरण नहीं किया जा सकता है। यही कारण है कि हमारे पास यह नरकीय चीज है जो आज हमारे पास धरती पर है, ऐसी चीजों के कारण। सम्पूर्ण मानव जाति भ्रष्ट हो चुकी है। यह—यह खत्म हो चुकी है, देखो, और इसीलिए ये ऐसा है।

261 अब ध्यान दें, वह ठीक था, वह अपने दिनों में था, लूथर, और उसके पास प्रकाशन था; लेकिन जैसे ही वह चला गया, देखो उन्होंने क्या किया। वैसली के पास एक संदेश था; देखो इसने क्या किया। पुराने आरंभिक पेंटीकोस्टल लोगों के पास एक संदेश था; देखो उन्होंने क्या किया। उनके पास एक साथ लोगों का एक समूह था, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि...

262 परमेश्वर ने अनुग्रह के द्वारा, इस्राएल के लिए एक अग्नि का स्तंभ, एक भविष्यव्यक्ता, एक बलिदान को भेजा, और उनके बीच में अपने आप को दिखाया, और उन्हें मिस्र से बाहर निकाला, लाल समुद्र के पार ले गया। और वे एक नियम को चाहते थे, ताकि वे उनके पास बड़े–बड़े सम्मानित व्यक्तियों को बुला सके, उनके पास इसमें कुछ तो करने के लिए हो सके। और उन्होंने क्या किया? उन्हें चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के लिए छोड़ दिया गया था, और उस संगठन में से एक भी कभी भी वहां नहीं गया।

263 कालेब और यहोशू, जो केवल दो ही ऐसे थे जिन्होंने आगे बढ़कर और कहा, "हम इसे लेने में सक्षम हैं, कि परमेश्वर के वचन की ओर देखें।"

264 उनमें से हर एक जन जंगल में मर गया। और यीशु ने कहा कि वे अनंतता के लिए जा चुके थे, ठीक, जब उसने उनके युगों में अपनी आशीषों और सामर्थ को दिखाया था उसके बाद; जैसे लूथर, वेस्ली, और इत्यादि। क्या उसने किया?

कहा, "हमारे पूर्व–पिताओं ने जंगल में मन्ना खाया।"

265 उसने कहा, "और वे, हर एक जन, मर गए।" यही है, परमेश्वर से अनंत अलगाव। उनकी लोथें जंगल में नष्ट हो गईं। देखा? "वे मरे चुके हैं। लेकिन मैं जीवन की रोटी हूं जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आई है।" वे इसे नहीं देख सके। वे बस इसे नहीं देख सके।

266 तो ठीक है, कलीसिया इसे लंबे समय से भूल चुकी है। उन्होंने बौद्धिक संदेश, बुद्धिजीवियों, सदस्यता, ज्ञान को स्वीकार किया, बजाए वचन की सच्चाई के प्रकाशन के।

267 अब यहाँ देखो, वे आज कहते हैं। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने हमें सारे संसार में जाने का कार्यादेश दिया है, और बीमारों को चंगा करने, और सुसमाचार प्रचार करने, और शैतानों को बाहर निकालने का कार्यादेश दिया है? "ओह, ओह, हाँ, मुझे लगता है कि यह सही है, लेकिन... " आपने देखा?

268 एक महिला, उस दिन मुझसे बात कर रही थी, उसने कहा, "तो ठीक है, सारी कलीसियाये एक तालमेल में हैं।"

269 मैंने कहा, "उनमें से एक भी दूसरे के साथ तालमेल में नहीं है।" वहां कैथोलिक लोग खड़े हुए थे। मैंने कहा, "आपके बारे में क्या है? आप एक मेथोडिस्ट हैं और वह एक कैथोलिक है, क्या आप एक दूसरे के साथ तालमेल में हैं? " मैंने कहा, "यह पोप उन्हें एक साथ लाने के लिए आया है, यह इस तरह के सभी लोगों के लिए अच्छी बात है।"

270 लेकिन चर्च ऑफ गॉड का इससे कोई लेना–देना नहीं है, जरा भी नहीं। यह पूरे समूह से बाहर है। उह–हुंह। यह सही है। जी हां, महाशय।

271 आप इसे एक साथ जोड़ना चाहते हैं, और एक *किसी चीज* में विश्वास करता है और दूसरा किस और में; मैथोडिस्ट जल के छिड़काव को लेते

है, बैपटिस्ट डुबाते है, और वे दोनों ही पवित्र आत्मा को उसकी सामर्थ की संपूर्णता में इन्कार करते हैं। उन्होंने कहा, "हमने पवित्र आत्मा पाया *जब* हमने विश्वास किया।"

272 बाईबल ने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया *जबसे* तुमने विश्वास किया? " वहां फर्क है। देखा? यह सही बात है। समझे?

273 और वे कहते है, "हम कैथोलिक कलीसिया है। हमने बहुत पहले आरंभ किया। हमने *ऐसा* किया।" मेथोडिस्ट कहते हैं, "हम बाईबल पर आधारित हैं।"

274 यीशु ने कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जाएंगे जो विश्वास करते हैं।" अब यह कहाँ पर है? उह–हुंह। देखा? जी हां। "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे, " हर एक सृष्टि, हर एक व्यक्ति जो उस पर विश्वास करता है। अब यह कहाँ पर है? यही उसके वचन है। "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी भी नहीं टलेगा।" अब यह कहाँ पर है? समझे? ओह, यह बस दिखाता है!

275 यह क्या है? यह एक संकरित अवस्था है। यहाँ देखो, आप एक मकई के दाने को लेते है, जो संकरित है, और आप उस संकरित मकई के दाने को लेते हैं, ये एक सुंदर मकई का दाना है। लेकिन आप इसे बोते हैं, आपको क्या मिलता है? एक छोटा सा डंठल *इस* तरह से ऊपर आता है, और पीला पड़ जाता है और सुख कर गिर जाता है। इसी प्रकार से हर एक संप्रदाय होता है, जब यह संकरित होता है, मनुष्य के शब्दों के साथ परमेश्वर के वचन को मिश्रित किया जाता है। यह चिन्हों और आश्चर्य कर्मों तक आ जायेंगे, और यीशु ने वचन पर विश्वास करने के विषय में जो कहा, और यह उस बात पर पीले पड़ जाते है, और कहते है, "हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते, " और वापस चले जाते है।

276 बिल्कुल वैसे ही जैसे उन सारे दूसरे भेदियो ने किया जो वहां गये थे और कनान की ओर देखा। वे वहां पर आए और कहा, "ओह, हम उनके सामने टिड्डियों की तरह दिखाई देते हैं! हम उन पर चढ़ाई नहीं कर सकते! वे अमालेकी और ये सारे लोग हमारे साथ क्या करेंगे!" और वे वापस लौट गए।

277 और कालेब और यहोशू, जो सच्चे वंशज थे, आमीन, परमेश्वर के वचन के अनुसार, वे जानते थे कि परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें उस देश को देता

हूं।" उन्होंने कहा, "हम इसे लेने में पूरी तरह सक्षम हैं!"

278 यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां से जन्मे हैं। यदि आप परमेश्वर के वचन से जन्मे हैं, तो परमेश्वर के वचन की उसकी कलीसिया में प्रधानता होती है। इसी के लिए तो वो मरा। यही उसका उद्देश्य है, जिससे कि वह इसे प्राप्त करने में सक्षम हो सके, ताकि उसकी कलीसिया में कार्य करने के लिए उसकी प्रधानता हो। पहले परमेश्वर के वचन को चमकने दो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई भी और चीज कैसी दिखाई देती है। मैं परवाह नहीं करता यदि बुद्धिजीवी *यह, वह, इत्यादि* बातों को कहते है इसका इसके साथ कोई लेना–देना नहीं है। परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है, और हम इसे लेने के लिए बिल्कुल सक्षम है!

279 "यदि मैं इसे अपनी कलीसिया में प्रचार करूंगा," एक सेवक ने मुझे बताया, कहा, "तो मैं कलीसिया में चार खंभों को ही प्रचार करूंगा।"

280 मैंने कहा, "मैं तो इसका प्रचार करता हूं।" जी हां, महाशय। परमेश्वर का वचन ऐसा ही कहता है। हम इसे कर सकते हैं। परमेश्वर ने कहा इसे करो। आमीन!

281 ओह, हाँ, वे इसी बात को बोलकर स्वयं का बचाव करते हैं। देखा? यही कारण है कि वे अंत समय के संदेश के प्रति अंधे हैं, इस अंतिम दिनों में, जब परमेश्वर स्वयं को प्रमाणित कर रहा है। वे इसे किसी प्रकार से आत्मावादी के समान वर्गीकृत करने की कोशिश करते हैं, या कुछ तो, ओह, (मैं इसे क्या कहूं?) कुछ मानसिक, एक भ्रम, या कुछ इसी प्रकार से। देखो, वे—वे इसे कुछ तो ऐसा बनाने की कोशिश करते हैं जो कि ये नहीं है।

282 ठीक वैसे ही उन्होंने किया जब वह यहां पर था, जब यीशु यहां पर था, उन्होंने उसे "बालजबुल; एक ज्योतिषविद्या बताने वाला," कहा अब वे कहते हैं कि यह एक तरह से एक मानसिक रूप से मनो को पढ़ने के जैसा है। देखा? जब, वे जानते हैं कि वह वहां पर खड़े होकर और लोगों की ओर देख सकता है और उसके उन्हीं विचारों को परख सकता है जो उनके हृदय में है। बाईबल ने ऐसा कहा।

283 तो ठीक है, क्या इब्रानियों का 4था अध्याय यह नहीं कहता, "परमेश्वर का वचन हर एक दोधारी तलवार से भी तेज और चोखा है, और मन के उन्ही विचारों को परख सकता है"? और वो वही वचन था। और जब वह

वचन मनुष्य में प्रधानता बन जाता है, वही चीज फिर से जगह लेती है, क्योंकि यह वचन है! आमीन!... देखो अब से आगे आप इस पर कैसे ठोकर खा सकते हैं। वहां यह सिद्ध रूप से स्पष्ट है। समझे? तो ठीक है।

284 यही कारण है कि वे अंधे हैं, वैसे ही जैसे ये उन दिनों में था जब मसीह धरती पर था। ओह, प्रभु! वे उसी तरह से डगमगाते हैं। उन्होंने कहा, "वह बालजबूल है। बाल–... " उन्होंने देखा कि वह इसे कर सकता है, इसलिए उन्होंने कहा, "वह बस एक... वह एक अवैध बालक जन्मा है, और एक प्रकार का अनोखा व्यक्ति है। वह बस किसी शैतान के वश में हो गया था। वहां पर वह एक—वह एक सामरी है, और उसके अंदर एक शैतान है। इसी तरह से वह इसे करता है।"

285 यीशु ने कहा, "मैं तुम्हें इसके लिए क्षमा कर दूँगा," देखो, परमेश्वर के वचन को, परमेश्वर के कामो को, एक दुष्ट आत्मा कहने पर। उसने कहा, "मैं तुम्हें इसके लिए क्षमा कर दूँगा। लेकिन किसी दिन पवित्र आत्मा आएगा, और इसके विरोध में एक शब्द भी कभी भी क्षमा नहीं किया जाएगा, ना ही इस संसार में या आने वाले संसार में, या उस बड़े दिन में। इसे क्षमा नहीं किया जाएगा।" तो, आप देखिए, यह वचन में स्पष्ट रूप से लिखा है।

286 इसलिए जब लोग उस दिन पर आते हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितने बुद्धिमान हो, और वे कितने भी बड़े संप्रदाय से संबंध रखते हो, ये दोषी है। उन्हें दोषी होना ही है! उन्होंने पवित्र आत्मा की निन्दा की है, इसे "पवित्र शोर करने वाले" और ऐसे ही कुछ तो उल्टे–सीधे नाम कहकर बुलाते थे, या ऐसा ही कुछ तो। और परमेश्वर की कलीसिया को इसे हर समय सहन करना था।

287 यहां तक कि पौलुस ने भी अग्रिप्पा के सामने कहा, "जिस तरह से इसे '*विधर्म*' कहा जाता है," जिसका अर्थ होता है "पागल," "इसी तरह से मैं अपने पूर्व–पिताओ के परमेश्वर की आराधना करता हूं।" उस महान बौद्धिक विद्वान को उस स्थान पर आना था, "जिस तरह से इसे 'विधर्म' कहा जाता है।"

288 क्यों? यह उसके लिए प्रगट किया गया है। वह अग्नि का स्तंभ उसके सामने मंडरा रहा था, कहा, "मैं यीशु हूं, वो महान परमेश्वर जो वहां जंगल में मूसा के साथ था। मैं वही हूं, और तेरे लिए अधिकार पाये लोगों के विरुद्ध लात उठाना कठिन है।"

289 तब पौलुस वहाँ खड़ा हुआ, जानता था कि उसका जीवन दाँव पर लगा हुआ था। उसने कहा, "जिस तरह से इसे 'विधर्म' कहा जाता है, इसी तरह से मैं अपने पूर्व–पिताओ के परमेश्वर की आराधना करता हूं।" इसे ऐसा कहा गया था। क्योंकि यह उसके लिए प्रकट किया गया था कि मसीह की महान सच्चाई क्या थी।

और आज, लोग कहते हैं, "यह एक संप्रदाय है।"

290 यह यीशु मसीह है, नया जन्म, जो आप में प्रकट हुआ है, कि उसके पास प्रधानता है, जिससे कि वह अपने वचनों को व्यक्त कर सके। और कोई भी चीज जिसकी उसने इस अंतिम दिनों में प्रतिज्ञा की है, वह इसे पूरा कर सकता है, अपनी देह में से होते हुए जब वह कार्य कर रहा है। आमीन! यह बिल्कुल ठीक परमेश्वर का वचन है जो प्रगट बना। ध्यान दें। तो ठीक है।

291 वैसे ही जैसे मसीह के दिनों में, परमेश्वर स्वयं इस मसीह के प्रकाशन की चाबी को पकडे हुए है। आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] धर्मज्ञान के विद्यालय इसे कभी नहीं पा सकते। यीशु ने ऐसा कहा। यदि आप इसे अभी पढ़ना चाहते हैं, तो संत मत्ती 11:25 और 27 में है। "मैं तेरा धन्यवाद करता हूं, हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर, कि तूने इन बातों को ज्ञानियों और बुद्धिमानों से छिपा कर रखा, और बालकों पर प्रगट किया ऐसे जो सीखना चाहते है।" देखा? देखा? मैं परवाह नहीं करता...

292 उस दिन के उन विद्वानों की ओर देखें, उन यहूदियों को, बहुत ही भले मनुष्य, उनके फरीसियों, सदूकियों, और हेरोदियनों के संगठनों की ओर, और वे जो भी हो। समझे? उनके सारे बड़े–बड़े संगठन और यीशु ने कहा, "तुम अंधे हो; तुम अंधों की अगुवाई करते हो। यशायाह ने तुम्हारे विषय में अच्छा कहा, 'तुम्हारे पास कान है, और तुम सुन नहीं सकते; और आंखें है, जिन से तुम नहीं देख सकते।' क्योंकि, यशायाह ने आत्मा में यह कहा, इसलिए स्वर्ग के परमेश्वर ने तुम्हारी आंखों को अंधा कर दिया है। तुम वैसे ही कर रहे हो जैसे हव्वा ने किया, बौद्धिक पक्ष को स्वीकार कर रहे हो, और परमेश्वर की आत्मा के विषय में कुछ भी नहीं जानते। इसलिए, क्या वे सब गड्ढे में ना गिरेंगे, वे दोनों ही अगुवे और अंधे? " अगुवा अंधे के साथ गिर जाएगा, क्योंकि वह भी अंधा है। अगुवा गिरता है, वह अंधा है, अंधे

की अगुवाई करता है, वे दोनों ही गड्ढे में गिर जाते हैं।

293 और केवल परमेश्वर ही इस चाबी को पकडे हुए है! उसने उसी बात को वहां कुछ समय पहले एक वचन में व्यक्त किया जब मैंने इसे पढ़ा, जब उसने कहा, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

294 और पतरस ने कहा, "तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

295 उसने कहा, "धन्य है तू शमौन, योना के पुत्र। मांस और लहू ने इसे तुम पर प्रकट नहीं किया। मेरा पिता जो स्वर्ग में है! केवल यहाँ इस प्रकाशन पर, मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा। अधोलोक के फाटक इस पर कभी भी प्रबल न होंगे।" देखा? अब आप समझे?

296 तो इसलिए वहां कोई विद्यालय नहीं है, ना ही कोई धर्मज्ञानी, किसी भी विद्यालय के बीच में बाईबल की कोई शिक्षा नहीं है, जो इसके बारे में कुछ भी जानते हो। वे इसके बारे में कुछ भी नहीं जानते। उनके लिए इसके बारे में कुछ भी जानना असंभव है। परमेश्वर ने इसे जानने के लिए चेतनाओ से छिपा कर रखा, उन्हीं चुने हुए शिक्षकों और बाकी की हर एक चीज से।

297 यह एक निजी, उस व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत मामला होता है, कि मसीह उनके लिए प्रगट किया जाए।

298 और यदि आप कहते हैं, "वह मुझ पर प्रगट हुआ है, " और फिर वह जीवन जो मसीह ने यहां बाईबल में उत्पन्न किया, वही जीवन जो उसमें है, वह स्वयं को आप में उत्पन्न नहीं करता है, तब आपके पास गलत प्रकाशन है।

299 यदि मैं एक कद्दू के पेड़ के जीवन को एक नाशपाती के पेड़ के जीवन में डाल दूं, तो यह कद्दू को उत्पन्न करेगा। "उनके फलों के द्वारा तुम उन्हें जानोगे।" बिल्कुल ऐसा ही है। और यदि पहले... आप एक पेड़ को लगाते है, एक अंगूर की दाखलता को, और यह अंगूरों के एक गुच्छे को उत्पन्न करेगा; पहली डाली को बाहर निकालेगा, तो ये अंगूर को लाता है, अगली डाली नीबू लेकर आती है, और अगली नाशपाती को लेकर आती है, अगली डाली सेब लेकर आती है, तो वहां पर किसी प्रकार का साटा हुआ मामला है, जो कि अपने ही जीवन को उत्पन्न कर रहा है। हर एक संप्रदाय अपने ही जीवन को उत्पन्न करेगा। लेकिन यदि वह मूल दाखलता कभी एक और डाली को लाती है, तो यह अंगूरों को ही उत्पन्न करेगी जैसे इसने पहली बार किया था।

300 और यदि यीशु मसीह का वो जीवन—वो जीवन कभी भी विश्वासियों की दूसरी देह को बाहर लेकर आता है, यह उसी फल को उत्पन्न करेगा जो पहले वाले ने उत्पन्न किया था। वे इसके बाद प्रेरितों के काम की किताब को लिखेंगे, क्योंकि यह वही जीवन होगा। देखा मेरा क्या मतलब है? आप बस इससे दूर नहीं जा सकते। यह आप में मसीह का जीवन है, जिसे आपके अंदर डाला गया है, पवित्र आत्मा के द्वारा जो आप में से होते हुए अपना जीवन जी रहा है।

301 "अंधों के अंधे अगुवे!" ध्यान दे, केवल परमेश्वर ही इस चाबी को थामे हुए है। कोई भी धर्म ज्ञानी आपको नहीं बता सकता; यह उन्हें प्रकट नहीं होता है। यह उनसे छिपा हुआ है। उन्हें इसके बारे में कुछ भी नहीं पता।

302 इसलिए विद्यालयो में, जब आप कहते हैं, "मेरे पास पीएच., एलएल. डी. की डिग्री है," तो आप केवल बनाते हैं... मेरे लिए, और, मैं विश्वास करता हूं, और परमेश्वर के लिए और किसी भी वास्तविक सच्चे विश्वासी के लिए, इसका अर्थ ये है कि आप बस उतना ही और अधिक दूर चले जाते हैं, आप बस पीछे हट गए है। परमेश्वर शिक्षा के द्वारा नहीं जाना जाता है। न ही उसे इस बात से जाना जाता है कि इसे कितनी अच्छी तरह समझा सकता है।

303 परमेश्वर को सादगी और यीशु मसीह के प्रकाशन के द्वारा जाना जाता है उन लोगों को जो सबसे अनपढ़ है। समझे? ना ही आपका धर्मज्ञान। यह यीशु मसीह का प्रकाशन है। "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।" कोई और चट्टान को स्वीकार नहीं किया जाएगा, कोई दूसरी चीज स्वीकार नहीं किया जाएगा, ना ही कोई और रोमन चट्टान, ना कोई और प्रोटेस्टेंट चट्टान, न कोई दूसरा विद्यालय, न ही कुछ और, लेकिन बिल्कुल नए जन्म में से होते हुए यीशु मसीह के प्रकाशन पर। वो वहां जन्म लेता है, और वो अपने ख़ुद के जीवन को डालता है, और आपका जीवन चला जाता है। और मसीह का जीवन ये ख़ुद को प्रधानता के साथ आप में से होते हुए लोगों के लिए प्रगट कर रहा है; जिससे कि वे उसी जीवन को देख सके, और उन कार्यों को, और उन चिन्हो, और अद्भुत कार्यो को, जो उसने किए, वही चीज आपके जरिये से कर रहा हैं। इसके बाहर, बाकी सभी यहाँ तक बिल्कुल बुलाए भी नहीं गए। देखो परमेश्वर का महान प्रकाशन खुल रहा है!

304 इस प्रकाशन की कमी की वजह से ही हमारे बीच में बहुत से भिन्न–भिन्न विभाजन है, और बहुत ही उपहास उड़ाया जाता है। हमारे बीच बहुत अधिक विभाजन है, क्योंकि लोगों में उस प्रकाशन की कमी है। देखो, उनके पास उस प्रकाशन की कमी है, शिक्षको की।

305 पौलुस ने मसीह के उसके महान प्रकाशन के बाद, कहा, पहला कुरिन्थियों, 2रे अध्याय में। इसे अवश्य ही पढ़े जैसा कि आप इसे लिख रहे हैं। देखो! ओह! उसने कहा, "मैं तुम्हारे पास ज्ञान की बातों के साथ नहीं आया।" उस मनुष्य की ओर देखो जिसके पास ज्ञान था, या, उस मनुष्य की ओर देखो जो विद्या में निपुण था, "मैं तुम्हारे पास कभी भी इस तरह के शब्दों के साथ नहीं आया।" पहला कुरिन्थियों, पहला कुरिन्थियों का 2रा अध्याय। ओह, मेरी इच्छा है...

306 तो ठीक है, आइये अब इसे पढ़ते है। कैसे... क्या आप एक मिनट के लिए खड़े हो सकते हैं और आइए हम अब एक या दो पद को पढ़ें? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] मैं अब इसे पढ़ना चाहता हूं जिससे कि आप—आप नहीं–... टेप सुनने वाले लोग इसे पीछे करके वापस चला लेते है, वैसे भी, उन्हें एक अवसर मिलता है।

307 पहला कुरिन्थियों, 2रा अध्याय। यहाँ इस महान प्रेरित पौलुस को सुने, जो परमेश्वर का बुद्धिमान दास है। आइए हम यहां पर देखें।

> ... मैं, पौलुस, *जब मैं तुम्हारे पास आया, तो वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया... परमेश्वर की गवाही को तुम्हें सुनाता हूं।* मैंने कभी नहीं कहा कि मैं—मैं डॉक्टर *फ़लां–और–फ़लां* हूं। देखा?
>
> *क्योंकि* मैंने *यह ठान लिया था कि तुम्हारे बीच यीशु मसीह वरन क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूं।*
>
> *और मैं निर्बलता और भय के साथ, और बहुत थरथराता हुआ तुम्हारे साथ रहा।*
>
> *... मेरे प्रचार, और—और मेरे* विनंती *में मनुष्य की ज्ञान की लुभाने वाली बातें नहीं थी, परन्तु आत्मा और* सामर्थ *का प्रमाण था...* उस *सामर्थ का।*

308 वहां, देखो, वहां सुसमाचार है। समझे? यीशु ने कहा, "तुम सारे संसार में जाकर और सुसमाचार का प्रचार करो।" ऐसा नहीं कहा, "जाकर सिखाओ।" उसने कहा, "जाकर प्रचार करो।" दूसरे शब्दों में, "सामर्थ का प्रमाण दो, और ये चिन्ह उनके पीछे–पीछे जाएंगे।" केवल सिखाने से यह नहीं होता है। यह वास्तविक आत्मा को ही लेता है जो स्वयं इन चिन्हों का प्रमाण देता है। देखा? इसे सुनना।

> *इसलिए कि तुम्हारा विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं, परंतु परमेश्वर की सामर्थ पर निर्भर हो।*

309 ओह, प्रभु! देखो, ताकि मनुष्य को बदल दे! ना कि उसमें मैं क्या समझा सकता हूं, और कह सकता हूं, "वह एक सा नहीं है," जब कि वह एक सा है। यदि मैं ऐसा करता हूं, तो यह मुझे दिखाता है, यह—यह... निश्चय ही, कोई मनुष्य यदि मुझे यह बताए, मुझे दिखाए तो उसके पास प्रकाशन नहीं है, परमेश्वर का तीन प्रकार का प्रकाशन। देखा? अब, और...

> *फिर भी* निर्बलता में... तुम्हारे बीच *में से वे जो सिद्ध हैं:* परन्तु *इस संसार का और इस संसार के नाश होनेवाले हाकिमों* का *ज्ञान नहीं:*
>
> *परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान... भेद की रीति पर बताते हैं,* (देखिए, परमेश्वर का तीन प्रकार का रहस्य) *यहाँ तक की वो गुप्त ज्ञान, जिसे परमेश्वर ने जगत से पहले हमारी महिमा के लिए ठहराया:*
>
> *जिसे इस संसार के हाकिमों में से किसी ने नहीं जाना:* कोई भी याजक, रब्बी—रब्बियों में... (मुझे क्षमा करें)... या कोई भी, इसके बारे में कुछ भी नहीं जानते; *क्योंकि यदि वे इसे जानते, तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर* कभी न *चढ़ाते।*

310 आप कहते है, "आप वहां रब्बियों और प्रचारकों के विषय में गलत है।" किसने उसे क्रूस पर चढ़ाया? उह–हुंह।

311 ओह, आगे और आगे और आगे, हम जा सकते है। इसे आगे पढ़ें, देखो, समय को बचाने के लिए, क्योंकि हमारे पास बस... अभी भी देर नहीं हुई है, लेकिन हमारे पास यहां कहने के लिए बहुत कुछ है यदि प्रभु हमारी सहायता करे। अब, इसकी कमी की वजह से, अब...

312 और पौलुस, इस महान बुद्धिमान व्यक्ति ने लोगों पर अपने बड़े–बड़े धर्मशास्त्रीय शब्दों की भाषा को व्यक्त करने की कभी कोशिश नहीं की। उसने नम्रतापूर्वक प्रभु का वचन स्वीकार किया, और उसने वचन को जीया जिससे कि यह उसके ज़रिए से व्यक्त हो जाये। वह इतना—इतना अधिक भक्तिपूर्ण जीवन जीया यहाँ तक उन्होंने यीशु मसीह को उसमें देखा, इतना तक, यहाँ तक कि वे उसके रूमाल को चाहते थे, ताकि इसे लेकर और इसे बीमारों पर रखें। वहां मसीह का जीवन है।

313 अब देखिए कुछ लोग कहते हैं, "ओह, तो ठीक है, आप देखते हैं, एलिय्याह ने बहुत समय पहले ऐसा किया था, अपनी छड़ी को नीचे रखा; लेकिन, ओह, ऐसा एलिय्याह के दिनों में था।" अब, संसार ने यह सोचा। बुद्धिमान याजक और इत्यादि लोगों ने, और उस दिन की कलीसियाओं ने, ऐसा सोचा।

314 लेकिन उन विश्वासीयों को, वे अलग ही जानते थे। उन्होंने मसीह के प्रकाशन को देखा जो एलिय्याह में था, वही चीज पौलुस में भी थी, उसी प्रकार के जीवन को व्यक्त कर रहा था, क्योंकि वह एक भविष्यव्यक्ता था। देखा? उसने ऐसी बातों को पहले से बताया जो ठीक उसी तरह से घटित हुई थी, और वे जान गए कि यह परमेश्वर द्वारा एक भविष्यव्यक्ता की पहचान थी। और वे जानते थे कि वह परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता था। आप उन्हें इससे बिल्कुल भी नहीं हिला सकते थे। यहां तक कि जब उन्होंने पतरस को उन बातों की भविष्यवाणी करते हुए देखा जो घटित हुई, तब उन्होंने कहा, "बस उसकी छाया मुझ पर पड़ने दो।" आमीन! यही कलीसिया है। यही वे लोग है जो इसका विश्वास करते हैं। जी हां, महाशय। इसे प्रकट किया गया था...

315 क्योंक पौलुस ने कहा, "क्योंकि मैंने—मेरे पास पीएच., एलएल.डी., इत्यादि की डिग्री है, वे मुझ पर विश्वास करते हैं? नहीं," उसने कहा, "मैं उन सारी बातों को भूल गया, अर्थात मनुष्य के ज्ञान को," कहा, "मरना था, और मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूं, यही है जो मैं तुम्हारे पास परमेश्वर की सामर्थ के प्रमाण के साथ आया हूं"?

316 यह क्या था? ये यीशु मसीह को कल, आज और युगानुयुग एक सा बना रहा है। यीशु ने जो काम किए, पौलुस ने उन्हीं कामों को किया। और उन्होंने परमेश्वर को देखा, वो महान पिता जिसने जलती हुई झाड़ी

में प्रमाण दिया था, इसका पौलुस के सामने प्रमाण दिया था, और यहाँ इसका प्रमाण दिया जा रहा था।

317 और वो हर एक युग में एक सा है। परमेश्वर के तीन प्रकार का स्वरूप, "कल, आज और युगानुयुग।" क्या? छुड़ाने वाला; उसकी कलीसिया में; आने वाले राज्य में प्रधानता। आमीन! आप इसे देख रहे है? बस उतना ही सिद्ध जितना यह हो सकता है!

318 ओह, ध्यान दे! पवित्र आत्मा ही मसीह के दिव्य प्रकाशन का एकमात्र प्रकटकर्ता है। ऐसा कोई विद्यालय नहीं कर सकता है। कोई भी विद्वान इसे नहीं कर सकता। कोई भी मनुष्य, कितना भी अच्छा शिक्षित हो, कितना भी धर्मी हो, या कुछ भी और हो, कोई भी मनुष्य इसे नहीं कर सकता है।

319 मैं यहाँ जोर से प्रहार कर सकता हूँ। कितने मसीही लोग है, जिन्होंने फिर से जन्म लिया है; अपने हाथों को ऊपर उठाए, पवित्र आत्मा से भरे हुए है? तो ठीक है। तब हम यहां पर जाते हैं। तो ठीक है। ध्यान दें।

320 और वह इसे केवल पहले से ठहराये हुओं के लिए ही करेगा। बिल्कुल ऐसा ही है। "सब जो पिता ने मुझे दिये है वे सब आयेंगे, और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक पिता ने उसे पहले मुझे नहीं दिया हो।" समझे?

321 उन याजको की ओर देखो, जो कह रहे है, "यह मनुष्य बालजबूल है। वह ज्योतिष विद्या बताने वाला है। वह एक शैतान है।"

322 और वह छोटी सी महिला वहां पर चलकर आ रही थी, जो छह पतियों के साथ रह रही थी; वह पांच के साथ रह रही थी, और उसके बाद उसके पास छठवा था। और यीशु ने कहा, "जाकर अपने पति को यहां बुला ला।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

323 कहा, "हाँ, तुम्हारे पास छह है। तुम्हारे पांच हो चुके हैं, और जिसके साथ तुम अब रह रही हो, वह भी तुम्हारा पति नहीं है।"

उसने कहा, "महाशय!" क्या? वो उजियाला उस बीज पर पड़ा।

324 जब ये उजियाला उन याजको पर पड़ा, तो उन्होंने कहा, "यह मनुष्य ज्योतिष विद्या बताने वाला है।" देखो, वहां कोई जीवन नहीं है। एक संकरित, संगठन के रूप में दूर तक आया, लेकिन उसके बाद यह मर गया।

325 लेकिन यह महिला संकरित नहीं थी। कहा, "महाशय, मैं समझती हूं!" मैं उसकी बड़ी–बड़ी सुंदर आंखों को इस तरह से चमकते हुए देख सकता हूं, आसूं उसके गालों पर बह रहे हैं। कहा, "महाशय, मुझे प्रतीत होता है कि आप एक भविष्यव्यक्ता हैं। मैं एक मसीहा के लिए देख रही हूं। और जब वह मसीहा आता है, तो वह उन्हीं कामों को करेगा। वह हमें इन बातों को बताएगा।"

उसने कहा, "मैं वही हूं।"

326 हे प्रभु! उसने अपने घड़े को वहीं छोड़ दिया। "यहाँ है वो! आओ, एक मनुष्य को देखो जिसने मुझे इन बातों को बताया है।" यह क्या था? उस उजियाले ने उस बीज पर प्रभाव डाला। वह जीवन वहां पर था। वह प्रकट हो गया।

आज भी वही बात है!

327 लेकिन धर्मज्ञानी कहेगा, "अब जरा एक मिनट रुकना। मैं पता लगाऊंगा यदि *फलां–और–फलां,* पास्टर मूडी ने कहा, या... "

328 आज के दिन पास्टर मूडी का इससे क्या लेना–देना है? पास्टर मूडी अपने दिन में रहता था, लेकिन अब नहीं। निश्चित रूप से। लूथर अपने दिनों में जीया, लेकिन वैसली के दिन में नहीं। वैसली अपने दिन में जीया, ना कि पेंटीकोस्ट के दिन में। पेंटीकोस्ट अपने दिन में जीये थे, लेकिन वे इस घड़ी में इस बात से बहुत ही दूर हैं। हम अंतिम घड़ी में है। निश्चय ही।

329 उनके संगठन, और संदेहवादी, यह साबित करते हैं कि यह वहां नहीं है। वचन कभी भी सही तरह से प्रमाणित नहीं किया गया; केवल इसकी सामर्थ में ही ऐसा किया गया। उन बीजों, संप्रदायों ने... और वे संप्रदाय को बनाते है, फिर उन पुराने धतूरे के बीजों को उस सच्चे गेहूं के साथ डाल देते है; पूरी तरह मर जाते है। फसल धतूरे में बदल जाती है, सीधे, कंटीली झाड़ी और जंगली पौधे में, उह–हुंह, देखो, वापस उसी अवस्था में चली जाती है। यह पूरी तरह मर जाते है। फिर उन्होंने खेत को दोबारा जोता और फिर से शुरुआत की, कुछ सच्चे बीज बोए। और उनमें से कुछ ऊपर आ गए, इसने इसे दबा दिया।

330 लेकिन फिर, परमेश्वर ने कहा, इन अंतिम दिनों में, वह अपने लहू में धोए हुए लोगों को ऊपर लाएगा, और वे वहां होने के लिए पहले से ठहराए गए थे। उन्हें वहां होना ही है। परमेश्वर ने ऐसा कहा। और यह प्रकट

करेगा... और वही चिन्ह, "मैं करूंगा... " मलाकी 4, और वह क्या करेगा, "फिर से वापस लौटाना," अंत के दिनों में, इन महान चीजों को वापस लायेगा, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी, यह प्रकाशन को लाएगा। क्या है... उसे क्या करना है, मलाकी 4 को? पुत्रों के मन को उनके पूर्व–पिताओं के विश्वास की ओर वापस फेरेगा। देखा? यह सही है, उसी चीज को लाने के लिए, वही अग्नि का स्तंभ, दृश्य पर होता है; वही चिन्ह, वही अद्भुत कार्य, वही यीशु; उसे एक सा बनाते हुए, उसे वैसा ही प्रचार करते हुए, उसे कल, आज और युगानुयुग एक सा प्रमाणित करता है।

331 "मैं लौटाऊंगा," प्रभु यों कहता है, "उन सारे वर्षों में जब मेथोडिस्ट कीड़ा, और इल्ली कीड़ा, और बैपटिस्ट, और कैथोलिक; और वे सारे कीड़े उस—उस विश्वास को खा जाते हैं," इतना तक कि यह एक संप्रदाय का ठूंठ बन गया, जहां पर कोई बीज नहीं बचते है। "लेकिन मैं फिर से लौटाऊंगा," प्रभु यों कहता है, "इन सारे वर्षो में।" क्या? "वे सभी चिन्हों और अद्भुत कार्यों को जिन्हें वे भूल गए है। मैं इसे फिर से सीधे उस मूल पेड़ पर वापस ले जाऊंगा, और मैं इसे वापस लौटाऊंगा," प्रभु यों कहता है। वह भविष्यव्यक्ता एक प्रमाणित भविष्यव्यक्ता था। उसके शब्दों को पूरा होना ही है। आमीन।

332 केवल पवित्र आत्मा ही, ये मसीह के दिव्य प्रकाशन का प्रकटकर्ता है, और सारे युगों में से होते हुए रहा है। याद रखें, सारे युगों में! प्रभु का वचन किसके पास आया? केवल भविष्यव्यक्ता के पास। यह सही है। क्या यह सही है? और भविष्यव्यक्ता को पहले प्रमाणित होना था। इसलिए नहीं कि उसने कहा कि वह एक भविष्यव्यक्ता है; क्योंकि वह एक भविष्यव्यक्ता ही जन्मा था, और एक भविष्यव्यक्ता साबित हुआ था, और हर एक चीज जो उसने कही वह ठीक वचन के अनुसार थी और घटित हुई, बाकी की हर एक होती चली गयी। समझे? ऐसा था, प्रभु का वचन केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही आया। बाईबल ने कहा, "पुराने समय के लोग, पवित्र आत्मा के द्वारा चलाए चले, देखो, वचन को लिखा।"

333 देखो। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कभी भी यीशु को नहीं जान पाता था यदि इसे पवित्र आत्मा ने उसकी ओर संकेत नहीं किया होता था। यह सही बात है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

334 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, वह महान भविष्यव्यक्ता जो सामने आया,

और कहा, "ठीक अभी तुम्हारे बीच में एक खड़ा हुआ है। और एक साधारण सा मनुष्य यहीं कहीं पर खड़ा है, वह परमेश्वर का मेम्ना है।" यूहन्ना ने कहा, "तब मैंने गवाही दी। मेरे पास गवाही है। मैंने परमेश्वर की आत्मा, पवित्र आत्मा को, एक पिंडुक की नाई स्वर्ग से उतरते देखा, और यह उस पर उतर आया। और एक आवाज ने कहा, 'यह मेरा प्रिय पुत्र है जिससे मैं प्रसन्न हूं।'"

यह क्या था? पवित्र आत्मा ने कहा, "मैं उसकी ओर संकेत करूंगा।"

335 आज यही एकमात्र तरीका है कि आप उसे जानेंगे, केवल एक ही तरह से आप परमेश्वर के तीन प्रकार के प्रकाशन को जान पाते है, ये पवित्र आत्मा के द्वारा ही होता है। और इसका हमेशा केवल एक ही तरीका हो सकता है, वो है आप इसे देखने के लिए पहले से ठहराये गए हो। यदि ऐसा नहीं है, तो आप इसे कभी नहीं देख पाएंगे। यदि आप इसे देखने के लिए पहले से ठहराए हुए नहीं हैं, तो आप इसे कभी नहीं देख पाएंगे; क्योंकि वह उजियाला चमक सकता है और आप दूर चले जाओगे और इसका मज़ाक उड़ायेंगे, और इसे किसी बौद्धिक समझ के द्वारा समझाएंगे। जब कि वही परमेश्वर, स्वयं, स्वयं को प्रकट कर रहा है और इसे प्रमाणित कर रहा है, देखो, लेकिन, यदि इसे देखने के लिए आप पर नहीं है, तो आप इसे नहीं देख पायेंगे।

336 परमेश्वर ने कभी नहीं कहा, "मैं *इस* एक को चुनूंगा, *उस* एक को चुनूंगा," लेकिन वह जानता था उसके द्वारा... क्योंकि वह पहले से ठहरा सकता था, क्योंकि वह अनंत है, और वह—वह हर एक को जानता है... वह अनंत है, इसलिए वह सब कुछ जानता है। वह अंत को जानता था, और आरंभ से अंत को बता सकता था। वह परमेश्वर है। यदि वह ऐसा नहीं कर सकता है, तो वह परमेश्वर नहीं है। जी हां, महाशय। वह अनंत है। तो ठीक है।

337 यूहन्ना उसे कभी नहीं जान पाता, नहीं, महाशय, यदि पवित्र आत्मा ने संकेत नहीं किया होता। देखा कैसे परमेश्वर अपने रहस्य को उच्च, शिक्षित और हर एक के लिए छिपाता है? देखिए, उनमें से हर एक जन से कहता है... साधारणता में इसे प्रगट करता है उन लोगों के लिए जिसे उसने देखने के लिए पहले से ठहराया है। यहाँ देखो! दूसरे लोग वहां खड़े हुए थे और यहां तक कि पिंडूकी को कभी नहीं देखा, उन्होंने कभी कोई आवाज नहीं

सुनी, क्योंकि इसे केवल उस पहले से ठहराये हुए बीज के लिए भेजा गया था। पहले से ठहराया हुआ! निश्चय ही, पहले से ठहराया गया था!

338 क्यों, यशायाह, उसके जन्म से सात सौ बारह वर्ष पहले, आत्मा में, इन मानवीय चेतनाओं में से ऊपर उठकर, और कहा, "वहां जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज़ होती है, 'प्रभु के लिए मार्ग तैयार करो, और उसका... ' "

339 तब, यदि यशायाह इसे देख सकता था, तो क्या मलाकी उसी चीज को नहीं देख सकता था, पहले से ठहराये हुए अंतिम भविष्यद्वक्ता के लिए भी वही बात है, पुराने नियम के सारे भविष्यद्वक्ताओं को मोहर बंद करते हुए, वो मुख्य... वह महान भविष्यव्यक्ता वहां युग के अंत में खड़ा है? देखा? वह कह रहा है कि वह पहले से ठहराया हुआ है। निश्चय ही, वह था। मलाकी ने भी उसे देखा।

340 यीशु ने कहा, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, तो यह वही है जिसके विषय में बोला गया था, 'मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे–आगे भेजता हूं,' मलाकी 3, 'ताकि मेरे आगे मार्ग को तैयार करे।' " देखा? निश्चय ही, उसे उस संदेश को देखने के लिए पहले से ठहराया गया था। कोई आश्चर्य नहीं कि वह उस ओर देख सकता था और उस पिंडुक को नीचे आते हुए देख सकता था, वो उजियाला जो जंगल में इस्राएल के साथ था, आते हुए, मंडरा रहा था।

341 परमेश्वर स्वयं ही कह रहा है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने से मैं प्रसन्न हूं।" परमेश्वर और मनुष्य एक बन रहे है।

342 "मैंने गवाही दी," यूहन्ना ने कहा, "मैंने उसे देखा, पिता के इकलौते पुत्र को। मैं इसका एक गवाह हूं।" आमीन!

343 वहां आप है। ये साधरणता में है! एक पुराने प्रचारक के साथ, जिसका पिता; जिसका पिता एक महान धर्मज्ञानी था, आप जानते हैं, वह एक विद्यालय से बाहर आया था। ऐसा दिखाई देता है कि वह अपने पिता के संप्रदाय में वापस चला गया होगा। यह परमेश्वर की इच्छा नहीं रही होगी।

344 जब परमेश्वर ने उसे पहले वहां उसके जन्म पर छुआ, और उसके जन्म लेने से तीन महीने पहले उसने पवित्र आत्मा को पाया था। जी हां, महाशय। जब मरियम वहां पर गई, और छोटा यूहन्ना अपनी मां के गर्भ में छह महीने का था, और कभी नहीं... वो छोटी मांसपेशियां अभी तक कभी

हिली भी नहीं थीं। और मरियम डर गई थी... छोटी मांसपेशियां बढ़ रही थी, लेकिन वह जीवन को महसूस नहीं कर पा रही थी, मेरा मतलब, उसकी मां एलीशिबा से है। और जब मरियम ने आकर और उसे पकड़ कर, और उसे गले लगाया, अपनी बाहों को, अपने हाथों को उस पर रखा। समझे? और कहा, "परमेश्वर ने मुझसे बात की है, और मुझे भी एक बालक होने जा रहा है।"

"क्या तुम और यूसुफ विवाहित हो? "

"नहीं।"

"मरियम, यह कैसे हो सकता है? "

345 "पवित्र आत्मा मुझ पर छाया करेगा, और मुझ में सृष्टी की जाएगी। और मैं उसका नाम 'यीशु' रखूंगी। वह परमेश्वर का पुत्र होगा।"

346 और जैसे ही उसने उस शब्द 'यीशु' को बोला, छोटे यूहन्ना ने छलांग लगाई, और चिल्ला उठा, और अपनी मां के गर्भ में उछल पड़ा।

347 उसने कहा, "प्रभु परमेश्वर धन्य हो! क्योंकि मुझ पर कैसी कृपा हुई कि मेरे प्रभु की माता मेरे पास आई? " मेरे प्रभु की मां! ओह, प्रभु! "कैसे मेरे प्रभु की मां मेरे पास आई है? क्योंकि, जैसे ही तेरा अभिवादन मेरे कानों में पहुंचा, मेरा बालक गर्भ में आनन्द से उछल पड़ा।"

348 कोई आश्चर्य नहीं कि वह किसी धर्म विद्यालय में नहीं जाना चाहता था, जहाँ उसे किसी न किसी दूसरी बात की शिक्षा देकर उसी में ढाल दिया जाता। उसके पास करने के लिए एक महत्वपूर्ण काम था। वह जंगल का मनुष्य था, जंगल में गया और प्रतीक्षा करने लगा। परमेश्वर ने उसे वहां पर बताया, कहा, अब, और उस पर प्रकट किया। ओह, वहां फिर से आपका प्रकाशन है! "और मैं तुम्हें बताऊंगा कि वह कौन है। तू एक भविष्यवक्ता है। वचन तुम्हारे लिए है। तुम जानते हो कि तुम कौन हो। तुम्हें आना ही होगा।" यह पिछले रविवार के एक सवाल का जवाब देता है। समझे? "तुम जानते हो कि तुम कौन हो, यूहन्ना। स्वयं को शांत रखो; कुछ भी मत कहना। वहां बाहर जाओ। और जब तुम इस एक को देखोगे, वहां स्वर्ग से एक चिन्ह आएगा, जैसे एक उजियाला, एक पिंडुक नीचे उतरेगा। जब तुम उसे देखोगे तो वो वही होगा।"

349 यही कारण है, जब यीशु पानी में चलकर गया, यूहन्ना ने उसकी ओर देखा और उसने देखा कि पिंडुक नीचे उतर रहा है, उसने कहा, "देखो

परमेश्वर का मेम्ना! वहां है वो! वही वो एक है जो संसार के पापों को दूर करेगा।"

350 यीशु सीधे पानी में चलकर उसके पास चला गया। यूहन्ना की उन दो आँखों में यीशु की उन दो आँखों ने देखा। वे शरीर से दोनों चचेरे भाई थे। मरियम और एलीशिबा पहली चचेरी बहने थी। उनकी आंखें एक दूसरे से मिली। वहां परमेश्वर और उसका भविष्यव्यक्ता था, आमीन, वहां पर खड़े थे।

351 यूहन्ना ने कहा, "मुझे तुझसे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। तू मेरे पास क्यों आया? "

352 यीशु ने कहा, "अब तो इसे ऐसा ही होने दे, लेकिन, याद रखना, इसी प्रकार से हमें सारी धार्मिकता को पूरा करना उचित है।"

353 यूहन्ना ने ऐसा क्यों किया? क्योंकि वो बलिदान था। यूहन्ना एक भविष्यव्यक्ता था, वह जानता था; और बलिदान को चढ़ाने से पहले धोया जाना अवश्य है। ओह! ओह! और उसने उसे इसी तरह से किया, और यूहन्ना ने उसे बपतिस्मा दिया।

354 और जब उसने ऐसा किया, देखो, तो स्वर्ग खुल गया, ओह, प्रभु, और वह पिंडुक उस पर उतर आया, और एक आवाज ने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने से मैं प्रसन्न हूं।" किंग जेम्स ने इसे लिखा हैं, "जिसमें रहने से मैं प्रसन्न हूं।" इसलिए बस किसी भी तरह से आप इसे घुमाना चाहते हैं, वही चीज, "इसमें रहना," या... "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें रहने के लिए मैं प्रसन्न हूं," या, "इसमें रहने के लिए," या तो आप इसे जैसे रखना चाहते हैं, एक ही बात है। तो ठीक है।

355 तब हम देखते हैं यह उस पर प्रगट हुआ था। वहां खड़े दूसरे लोगों ने इसके बारे में कुछ भी नहीं सुना। पवित्र आत्मा ही केवल इसे प्रकट करता है।

356 वैसे ही जब वह अपने आप को पौलुस पर प्रकट करता है, जो एक और पहले से ठहराया हुआ बीज था।

357 पौलुस वहां जा रहा था, हो सकता है उसने कहा होगा, "यदि मैं उस झुंड को पकड लूं, तो मैं उनके टुकड़े–टुकड़े कर दूंगा, क्योंकि मैं डॉक्टर शाऊल हूं। मैं गमलीएल की अधीनता से आया हूं। मैं मूडी बाईबल से आया

हूं... " या किसी और से, देखो। "मैं, मैं एक विद्वान हूं। मैं जानता हूं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। मैं पवित्र शोर मचाने वालों के झुण्ड को टुकड़े–टुकड़े कर दूंगा। और मैं आपको बताता हूं, महान पवित्र पिता, आप बस मुझे वहां जाने की अनुमति दे, और मैं वहां उन सभी में से हर एक शोर मचाने वालों को गिरफ्तार कर लूंगा। यह सारी दिव्य चंगाई की बातें, हम इसे रोक देंगे।"

इस अनुमति को उसकी जेब में रखा, कहा, "मैं अपने मार्ग पर निकलता हूं।"

358 और उस दिन, ओह, दिन के लगभग ग्यारह बजे, उसके चेहरे पर एक—एक उजियाला चमका, और वह जमीन पर गिर पड़ा।

359 क्यों? वह पहले से ठहराया हुआ बीज था। परमेश्वर ने कहा, "मैंने उसे चुना है। हां। और मैं उसे यह दिखाने जा रहा हूं कि वह मेरे नाम के कारण कौन सी बड़ी–बड़ी चीजों को सहन करेगा। मैं उसे अन्यजातियों के पास भेजूंगा, और हर तरफ़ से अपमानित होगा जिससे कि वे अपमानित हो सके—हो सके, लेकिन फिर भी वह मेरे नाम को धारण करेगा।"

360 पौलुस तब वहां चला गया, यहाँ तक कि उसने अपनी सारी कलीसिया संबंधी चीजों को उससे काट कर अलग कर दिया, वहां पीछे रेगिस्तान में रहा, साढ़े तीन वर्ष तक। वहां पर नीचे अरब में, जब तक उसने वचन को नहीं सिख लिया, और वो वचन नहीं बन गया। और वह एक कैदी बन गया; यहाँ वह प्रेम की जंजीरों में वापस आता है! "मेरा सारा धर्म विद्यालय का अनुभव जा चूका है! मैं यीशु मसीह का एक कैदी हूं। आमीन! फिलेमोन, मेरे भाई, मैं यीशु मसीह का एक कैदी हूं। मैं केवल वही बोल सकता हूं और कह सकता हूं जो वो मुझे बताता है।"

361 परमेश्वर को आज कैदियों की आवश्यकता है जो स्वयं को उसकी इच्छा का कैदी बना ले, अर्थात उसके वचन का।

362 यही है जो पौलुस था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसने कितनी बुद्धिमानी से सीखा था, उसने प्रकाशन के द्वारा परमेश्वर को जाना था। जी हां, महाशय। जब प्रकाशन आया, तब सारा बौद्धिक ज्ञान उस मामले से पूरी तरह बाहर हो गया; जो कि, उस चट्टान पर कलीसिया बनायी गयी है। जी हां, महाशय। ध्यान दें, वह पहले से ठहराया हुआ बीज था।

363 केवल पवित्र आत्मा ही आपको दिखाता है कि वह कौन है। वहां कोई मनुष्य नहीं है; वे आपको "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," वाला बनाएंगे और इसमें से बाकी की हर एक चीज। समझे? लेकिन पवित्र आत्मा उसे प्रगट करेगा जैसे की स्वर्ग का प्रभु परमेश्वर प्रगट करेगा, यह ऐसा है, ओह, वही!

364 अब ध्यान दें। ना ही वे भविष्यव्यक्ता, ना ही वे राजा, ना ही और कोई भी; लेकिन यहां, पहली बार, परमेश्वर मसीह में प्रकट हुआ था, परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता में, मनुष्य की देह में। यही वो प्रकाशन है। ओह, प्रभु! अब आपके लिए गीत के एक पद को गाने जा रहा हूं:

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है, (क्या वे जाग रहे है?)
वे चिन्ह जो भविष्यवक्ताओं ने पहले से बताए;
अन्यजाति (एक संप्रदाय कलीसिया में) उनके दिन गिने हुए हैं, कष्टों से बोझिल;
"हे बिखरे हुए लोगों, अपनो के पास लौट जाओ।"
(आपको उनमें से बाहर निकाल दिया गया है।)

छुटकारे का दिन निकट है,
मनुष्यों के ह्रदय डर के मारे विफल हो रहे हैं;

365 उनके सारे हॉलीवुड के चुटकुले इसे छिपा नहीं पाएंगे। जैसे एक छोटा लड़का रात में कब्रिस्तान के पास से गुजरते हुए सीटी बजाता है। देखा?

आत्मा से भर जाओ, तुम्हारे दीये छंटे हुए और साफ हो,
ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।

झूठे भविष्यद्वक्ता झूठ बोल रहे हैं, परमेश्वर के वचन का वे इन्कार कर रहे हैं,
कि यीशु मसीह ही हमारा परमेश्वर है; (यह सही है।)
यह पीढ़ी परमेश्वर के प्रकाशन को ठुकराती है,
लेकिन हम वहां चल रहे हैं जहां प्रेरितों ने क़दमों को रखा है।

छुटकारे का दिन निकट है,
डर के मारे मनुष्यों के ह्रदय विफल हो रहे है;

आत्मा से भर जाओ, तुम्हारे दीये छंटे हुए और साफ
हो,
ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।

366 प्रकाशन को ले, भाई। यह पीढ़ी, परमेश्वर के प्रकाशन को ठुकरा रही है! देखा? झूठे भविष्यव्यक्ता ऐसा कर रहे हैं। "उनके फलों से तुम उन्हें जानोगे।" वे—वे संकरित है। उन्हें परमेश्वर के वचन के बजाये एक संगठन के अंदर जन्म दिया जाता हैं; परमेश्वर का प्रकाशन अपने आप को मसीह के जरिये से प्रकट कर रहा है, जो स्वयं वचन है। ओह, प्रभु!

367 हम यहां रुक सकते हैं, लेकिन यदि... जब मैं वापस आऊंगा तो इसे ले लूँगा, यदि आप चाहें तो। अब वहाँ... आप आगे बढ़ना चाहते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है। बस थोड़ा सा... मैं जल्दी करूंगा, सो, लेकिन इतना समय लगेगा कि आप... इसके बाद आपके पास आराम करने के लिए कुछ समय होगा। तो ठीक है।

वही, ध्यान दे, वो पहले से ठहराया हुआ बीज!

368 केवल पवित्र आत्मा ही आपको दिखाता है कि वो कौन है; न कोई भविष्यव्यक्ता या न कोई उसके राजा। और यहाँ परमेश्वर देह में प्रगट हुआ है। यहाँ सम्पूर्णता है। वह पूरी तरह से प्रकट हुआ है और संसार के लिए ज्ञात हो चूका है। ओह, प्रभु!

369 रूपान्तर के पर्वत की ओर देखें, जब स्वयं परमेश्वर की गवाही थी, "यह मेरा प्रिय पुत्र है। इसकी सुनो!" वहां मूसा व्यवस्था का प्रतिनिधित्व कर रहा था। वहां एलिय्याह खड़ा था जो भविष्यवक्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहा था। लेकिन वह... वे जा चुके है, और उसने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है। इसकी सुनो!" वहां पर तीन प्रतिनिधित्व कर रहे थे; व्यवस्था, भविष्यव्यक्ता, और मू–... और मसीह। और उसने कहा, "*यही* है वो।" परमेश्वर, पूरी तरह से; न तो भविष्यद्वक्ताओं में प्रगट हुआ, व्यवस्था के द्वारा प्रगट नहीं हुआ; लेकिन मसीह में प्रगट हुआ, वही है।

370 मसीह के पास दया है। व्यवस्था आपको जेल में डाल देती है, लेकिन आपको बाहर नहीं निकाल सकती। भविष्यव्यक्ता परमेश्वर का न्याय है, कि आपको दोषी ठहराए और इसके लिए आपको मार डालते है। यह सही बात है। लेकिन यीशु परमेश्वर का प्रेम और प्रकाशन था, कि पहले से ठहराया

हुआ बीज यह जान जाए, कि उसने आपको बुलाया था। "यह वही है। इसकी सुनो!"

371 जानते है! परमेश्वरत्व की परिपूर्णता ज्ञात करवाई गयी है। यह सहस्य का भेद अब प्रकट हुआ है, कि परमेश्वर प्रकट हो चूका है। परमेश्वर और मनुष्य एक बन गए है, अभिषिक्त मनुष्य, मसीह! *मसीह* का अर्थ क्या होता है? "वह एक जो अभिषिक्त है," वो अभिषिक्त जो देह में परमेश्वरत्व की परिपूर्णता से अभिषिक्त किया गया था। ओह, प्रभु! लोग भला इस पर कैसे संदेह कर सकते हैं?

372 जहां एक बार, कुछ भाग में, मूसा के पास वो था; कुछ भाग में, दाऊद के पास था; ओह, प्रभु, लेकिन यहाँ पर वह संपूर्णता में प्रकट हुआ, दैविकता स्वयं धरती पर खड़ी हुई थी। परमेश्वर, अपनी संपूर्णता में था, कि लोगों के पापों के लिए मरे, जिससे कि वह अपनी कलीसिया के लिए एक पवित्र जीवन को ला सके; जिससे कि उसके पास प्रधानता हो सके, उसकी कलीसिया में, संपूर्णता में, ताकि इन अंतिम दिनों में हर एक प्रतिज्ञा को प्रकट करे, जिसकी उसने अंतिम दिनों के लिए प्रतिज्ञा की थी। देखा? क्या था...

373 अब सुनना। क्या आप सुन रहे है? अब बस अपने आप को जरा सी चिमटी ले। ध्यान दे।

374 यीशु किस बात के लिए प्रगट हुआ था? परमेश्वर को दिखाने के लिए। वह परमेश्वर था। उसे होना ही था; कोई मनुष्य नहीं मर सकता था, कोई भविष्यव्यक्ता नहीं मर सकता था। वह परमेश्वर था। वह भविष्यद्वक्ताओं का परमेश्वर था। वह भविष्यव्यक्ता था। वो राजा था। वह इतिहास था। वह वही था जो आने वाला था। वो जो था, वो जो है, और वो जो इस दिन में आने वाला है; कल, आज और युगानुयुग एक सा है। वह इसी उद्देश्य के लिए प्रकट हुआ था।

375 और इसी उद्देश्य के द्वारा उसने एक कलीसिया को प्राप्त किया, जिससे कि वह, परमेश्वर की संपूर्णता, इन अंतिम दिनों में परमेश्वर के हर एक प्रतिज्ञा किए हुए वचन को पूरा कर सके; जब वह प्रधनाताओं को पा लेता है, कलीसिया में प्रधानता को, उस पद को, कलीसिया में उसके स्थान को। यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा; वह इससे भी बढ़कर करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के

पास जाता हूं।" देखो, यही उसका उद्देश्य था। वहां प्रगटीकरण था। और अब, आज, वह किसी ऐसे व्यक्ति को लेना चाहता है जो इसे इसी तरह देख सके, कि वे वचन को...

376 देखो, यीशु ने इसे वैसे ही देखा, वह उस दिन के लिए इतना सिद्ध रूप से जन्मा था, इतना तक कि परमेश्वर ने उसके द्वारा उठाये गए हर एक कदम को व्यक्त किया। वह परमेश्वर का प्रकाशन था; परमेश्वर, प्रकट हुआ।

377 अब उसने अपनी आत्मा और लहू से एक कलीसिया को पवित्र किया, जिससे कि वह इस अंतिम दिन में हर एक प्रतिज्ञा को प्रकट बना सके। अब, देखो, वह वापस जाकर और उसे उठा सकता है जो इन अन्य लोगों ने यहां अंत के दिनों में छोड़ दिया है, और उसके पवित्र आत्मा के द्वारा सात मोहरों के सारे रहस्य को प्रकट कर सकता है। देखो, वह अपने आप को व्यक्त कर रहा है। यही उसका उद्देश्य है। इसी वजह से वो मरा। यह उसके तीन प्रकार के प्रगटीकरण का दूसरा अंश है। पहला, स्वयं को मसीह में व्यक्त करें, फिर स्वयं को कलीसिया के ज़रिए से व्यक्त करता है। और वही चीज, मसीह वचन था, और जब ये वचन को उनके जरिए से जाने देता है, तब कलीसिया वचन बन जाती है।

378 लेकिन जब वे एक संकरित संप्रदाय को स्वीकार करते हैं, तो कैसे वचन उसमें से होकर काम कर सकता है? यह जमीनी स्तर पर जुड़ जाता है, तब इसके कारण शॉर्ट सर्किट हो जाता है और फ्यूज उड़ जाता है। समझे?

379 लेकिन जब करंट बिना रुकावट के बहने लगता है, अर्थात परमेश्वर का वचन, तो यह अपने आप को व्यक्त करता है। "जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।" और अंत के दिनों में यह घटित होगा: "देखो, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा, और वह बच्चों के—के हृदय को पूर्व–पिताओ के विश्वास की ओर फेरेगा।"

380 और वहां पर, एक समय आएगा जब वह स्वयं को उसके परमेश्वरत्व की संपूर्णता में प्रगट कर सकता है, अर्थात दैविकता को, उसकी कलीसिया के ज़रिए से, इस कलीसिया में प्रधानता होती है। ओह, प्रभु! क्या? अभिषिक्त मनुष्य; अब अभिषिक्त लोग; ओह, प्रभु, ताकि अभिषिक्त दुल्हन और दूल्हे को वापस लाए। उसके द्वारा अभिषिक्त होकर (क्यों?) जिसे हव्वा और

आदम ने ठुकराया उसे स्वीकार करते हुए; वचन के अभिषेक के साथ वापस लौटते है, क्योंकि उसने कहा, "मेरा वचन आत्मा है।" देखो, वचन से अभिषिक्त। जिसे हव्वा ने ठुकरा दिया, वो वापस आता है और हम स्वीकार करते हैं।

381 देखिए कैसे फिर से संकरित स्थिति, बिल्कुल ठीक वही जो उसने हव्वा के साथ किया।

382 उसने हव्वा को बताया, "तुम *ऐसा* मत करो, और तुम *वैसा* मत करो; और तुम *ऐसा* और *वैसा* कर सकती हो।"

383 और शैतान ने कहा, "ओह! तुम जानती हो... " लेकिन उसने मुड़कर और शैतान की बात सुनी।

384 लेकिन अंत के दिनों में हव्वा ऐसा नहीं करेगी, क्योंकि वो ऐसा न करने के लिए पहले से ठहरायी गई है। जी हां, महाशय। परमेश्वर इसे करने जा रहा है। वह जानता है। उसके पास ये होगा। उसने कहा उसका, स्थान... "कलीसिया वहां बिना दाग या झुर्री के होगी।" वह वहां उसके वैभव में खड़ी होने जा रही है, उसका वचन प्रगट बना।

385 वह दुनिया के लिए एक टोकन होगी। वह होगी एक पूर्व–... वह संसार के लिए कुछ तो होगी जिसकी ओर संसार देख सकता है और कह सकता है, तो ठीक है, बाकी का संसार कहेगा, "आह, वो एक पवित्र शोर मचाने वाली है। वह दूसरी चचेरी बहन है। वह हमारे झुंड से नहीं है।" मैं जानता हूं। यह एक अच्छी चीज है, देखो। वह—वह *यहाँ* ऊपर इस झुण्ड से संबंध रखती है।

386 एक दिन एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, हम खड़े हुए थे और बात कर रहे थे, उसने कहा, "तो ठीक है, तुम किस संप्रदाय से संबंध रखते हो? "

मैंने कहा, "किसी से भी नहीं।"

"क्या? "

"किसी से भी नहीं।" मैंने कहा, "मैं एक राज्य से संबंध रखता हूं।"

"तो ठीक है, आप उसमें कैसे जुड़ते हैं? "

"आप इसमें जुड़ते नहीं है। आप इसमें जन्म लेते हैं।" उह–हुंह।

"यह कौन सा राज्य है? "

मैंने कहा, "यीशु मसीह की रहस्यमयी देह।"

387 "एक ही आत्मा के द्वारा हमने इस देह में बपतिस्मा लिया है," उसकी आत्मा से जन्म लेते है, तब हम उस एक राज्य से संबंध रखते हैं। और हमारे जीवन अमेरिकी नहीं हैं, हम जर्मन नहीं हैं, हम कोई कुछ भी नहीं हैं; हम मसीही है। हम स्थापित हो जाते हैं, और आत्मा में चलते हैं, एक प्रेम–क़ैदी। संसार की चीजों से, और संसार के प्रति हमारे अधिकारों को, हमने बेच दिया है और इस बहुत बड़े मूल्य के मोती को खरीदा है, और चलकर और स्वयं पवित्र आत्मा को प्रकट करने देते हैं। यही है जो उसकी सच्ची कलीसिया है। यही है जो आप हैं, जो मैं हूं, यदि हम अपने आप को देकर और परमेश्वर की सेवा करते है, और उसके वचन के द्वारा, और ना ही उसके द्वारा कि कोई मत–सिद्धांत क्या कहता है।

388 ध्यान दें, अभिषिक्त व्यक्ति, स्वयं मसीह यहाँ पर, हे परमेश्वर, प्रकट बना। लेकिन अब, देखो, लेकिन—लेकिन अब (वाह!) उसके पास प्रधानता है। परमेश्वर पूरी तरह से यीशु मसीह में प्रकट हुआ, परमेश्वर का उसके प्रकाशन का महान भेद।

389 प्रकाशन के यह महान उजियाला हमेशा ही इस संसार के ज्ञान को अंधा कर देता है।

390 यीशु मसीह के दिनों में, जब वह यहां धरती पर था, तो उन्होंने—उन्होंने उन्हें अंधा कर दिया था। उन्होंने कहा, "क्यों, तू यहाँ तक अपने आप को परमेश्वर भी बनाता है! तू अपने आप को परमेश्वर के बराबर बनाता है!" वह केवल परमेश्वर के बराबर ही नहीं था; वह स्वयं परमेश्वर था। देखो, वे इसे नहीं समझते है। और वैसे, आप में से कुछ हो सकता है...

391 मैंने सुना है कि एक बार अविश्वासीयों ने मुझे बताया कि यीशु ने कभी नहीं कहा कि वह परमेश्वर का पुत्र था। उसने यक़ीनन नहीं कहा। उसने निश्चय ही नहीं कहा। आप बस अपनी बाईबल को नहीं जानते। उसने उस स्त्री से जो कुएं पर थी, क्या कहा? समझे? उसने उस स्त्री को क्या बताया?

392 "मैं जानती हूं कि मसीहा आने वाला है। और जब वह आता है, तो वह इन चीजों को करेगा।"

उसने कहा, "मैं वही हूं, और तुमसे बात कर रहा हूँ।"

और पौलुस के लिए भी, और अलग–अलग लोगों के लिए भी।

ध्यान दें। लेकिन अब कलीसिया के पास प्रधानता है।

393 परमेश्वर के महान रहस्य ने हमेशा ही संसार के ज्ञान को अंधा कर दिया है। वे इसे नहीं पकड़ सकते। वे बस इसे नहीं समझते हैं। शैतान इसे नहीं समझता। उनमें से कोई भी इसे नहीं समझता, लेकिन केवल वे ही जो इसे समझने के लिए पहले से ठहराये गए हैं, किस तरह से परमेश्वर और मसीह एक है। वे उसे हर समय तीन बनायेंगे। समझे? वे निश्चित रूप से ऐसा करेंगे।

394 ध्यान दें, अगला, दूसरा, मसीह आप में प्रगट हुआ, जो महिमा की आशा है। वो महान, परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ; अब मसीह आप में प्रगट हुआ है।

हम जल्दी करेंगे।

395 देखो! जो एक समय परमेश्वर का महान रहस्य था, उसके मन में महान रहस्यमयी भेद थे, अब इसे विश्वासी के ह्रदय में डाल दिया गया है, अर्थात्, जो मसीह की देह है। जो एक समय परमेश्वर के मन में महान भेद था, दुनिया की बुनियाद डालने से पहले, अब ये प्रकट बना है। इस पर सोचे, मित्रों। ओह, ओह, मैं...

396 मुझे यकीन है कि हम नहीं पकड़ते हैं, हम इसे नहीं समझते हैं। खैर, मैं—मैं इसे उस तरह से नहीं देख सकता जिस तरह से मुझे देखना चाहिए, और—और मुझे यकीन है कि आप नहीं समझते है। देखा?

397 लेकिन परमेश्वर का महान रहस्य, अनंत परमेश्वर के पास जो एक रहस्य के समान था, जो अब यीशु मसीह में खोला गया है, उसके बाद ठीक आगे उसकी कलीसिया को दे दिया गया है। जो एक समय परमेश्वर के मन में था ये अब मसीह की देह में है। यीशु कलीसिया से प्रेम की संगति कर रहा है, अर्थात उसकी दुल्हन से, उससे रहस्यों को फुसफुसा रहा है।

398 आप जानते हैं कि आप अपनी पत्नी को किस तरह से बातें बताते हैं, आपको पता हैं, जिस छोटी सी लड़की से आप विवाह करने जा रहे हैं। आप उससे इतना प्रेम करते हैं, कि आप बस उसे रहस्यों को बताते हैं, और उसे अपने पास में लेकर आते है, और वो आपसे प्रेम करती है और हर एक चीज। आप जानते हैं कि यह किस तरह से होता है।

399 यही है जो परमेश्वर, वो मसीह, कलीसिया के लिए कर रहा है। समझे? वो उसे भेदों को प्रकट करता है, बस भेदों को। ना ही ये छल के प्रेम करने

वाले; मेरा मतलब उसकी पत्नी से है (देखा? तो ठीक है, अब देखो।) जो जानती है, उसके पास जो उसके रहस्य का प्रकाशन है, जिसे उसके अनुग्रह के द्वारा उन पर प्रकट किया गया है! परमेश्वर का अनुग्रह कितना महान है! लोग, मैं इसे जानता हूं... मैं आशा करता हूं कि आप नहीं सोचते है कि यह व्यक्तिगत सा लगता है, एक—एक लोगों के झुंड के लिए, या *इसके, उसके* लिए; लेकिन वो भेद जिसे परमेश्वर सारी कलीसिया के साथ साझा कर रहा है, यदि वे बस इसे ग्रहण करते है। देखा? इसका अर्थ केवल मुझसे या केवल आप से नहीं है। इसका अर्थ कलीसिया से है, कि वह—वह इसके अंदर डालने की कोशिश कर रहा है।

400 और आप कहते हैं, "तो ठीक है, वे इसे क्यों ग्रहण नहीं करते?" वे इसे ग्रहण नहीं कर सकते। उसने फिर से कहा, उसने इन बातों को कहा। "और वे कैसे ग्रहण कर सकते थे?" क्योंकि यशायाह ने कहा कि वे इसे नहीं देख सकते। समझे? और उसने हमेशा कहा है...

401 भविष्यव्यक्ता पौलुस ने कहा, "अंत के दिनों में लोग हठी, अभिमानी, परमेश्वर के नहीं वरन सुख–विलास ही के चाहनेवाले होंगे, क्षमारहित, झूठा दोष लगाने वाले, असंयमी, और भले लोगों से घृणा करने वाले; हठी, अभिमानी होंगे, देखो; भक्ति का भेष तो धरते है, परन्तु उसकी शक्ति का इन्कार करते है; ऐसो से दूर रहना। क्योंकि ऐसे लोग घर–घर में जाकर, और दुर्बल स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं," जो छोटे बालों के साथ, और कटे हुए बालों के साथ, और बाकी की हर एक चीज के साथ होती है। "विभिन्न प्रकार की अभिलाषाओं के साथ बहक गए है, और कहते है, 'इसमें कोई बात नहीं। ओह, वहाँ वे लोग पागल है। ध्यान मत दो... '" समझे? "कभी भी सत्य के ज्ञान तक नहीं पहुँच सकते। और ये लोग इसका विरोध करते है, जैसे यम्ब्रेस और यर्नेस ने मूसा का विरोध किया था," वे एक कलीसिया को उत्पन्न करने, और लोगों के एक झुण्ड को उत्पन्न करने में सक्षम होते है। जी हां, महाशय।

402 "लेकिन उनकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी," जब यीशु अपनी दुल्हन को लेता है और उसे यहां ऊपर बैठाता है, और कहता है, "*यह* वही है," और वो उसके साथ चला जाता है। यह सही है। और उनकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी।

403 इसकी ओर देखो, उसके अनुग्रह के द्वारा इस रहस्य के प्रकाशन को

उनके लिए प्रकट किया गया! देखो! जब यह महान प्रकाशन, प्रकट किया गया रहस्य, आप पर प्रकट किया जाता है, तब आप संसार की सारी चीजों को दोषी ठहराते हैं।

404 अब मैं एक बार फिर से वापस आऊंगा। मैं बस इतना ही कह सकता हूं, मैं टेप के कारण इसकी ओर संकेत कर रहा हूं, और वे टेप जो वहाँ बाहर हर कहीं पर जा रहे हैं; यह टेप सारे संसार भर में जाते है। देखा?

405 आप स्त्रियां जो दावा करती हैं कि आपके पास पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है, और आपके पास हिम्मत नहीं है कि अपने बालों को बढ़ने दे; जब की बाईबल इसे दोषी ठहराती है और कहती है कि एक स्त्री... एक पुरुष को अपनी पत्नी को तलाक देने का अधिकार है यदि वह अपने बालों को काटती है। ऐसा करना परमेश्वर के सामने सम्मान की बात है। बाईबल ने कहा, यदि वह अपने बाल काटती है, तो वह अपने सिर का अपमान करती है। और यह एक साधारण बात है; बस, आप जानते हैं, कोई भी पुरानी साधारण बात क्या है, यहां तक एक महिला के लिए कि वो छोटे बालों के साथ प्रार्थना भी करे। समझे?

406 छोटे कपड़े पहनती है, और ये तंग पतलून, और आदि चीजें! बाईबल ने कहा, "कोई भी स्त्री जो चाहती है," (ओह, आप कहते हैं...) "जो पुरुष से संबंधित वस्त्र को पहनना चाहती है, यह परमेश्वर के लिए घृणित बात है," गंदी, घिनौनी, जैसे कि कहीं तो पुराना दुर्गंध वाला शौचालय हो। समझे? ओह, प्रभु! परमेश्वर के नथनो में गंदगी! और फिर आप प्रार्थना करने का प्रयास करते है या इस प्रकार की चीज में प्रार्थना करते है? परमेश्वर इसे अस्वीकार कर देता है, इसे ठुकरा देता है। यह सही बात है।

407 "तो ठीक है," आप कहते हैं, "अब एक मिनट रुकना, भाई ब्रन्हम, आप पुराने नियम के बारे में बात कर रहे हैं।"

408 वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। यह परमेश्वर का सम्पूर्ण प्रकाशन है। परमेश्वर कभी भी जो कुछ भी कहता है, वो इसे कभी भी नहीं बदल सकता। वह हमेशा ही इसे बढ़ाता है, ना ही इसे बदलता है। व्यवस्था को बढ़ाया गया था, ना ही बदला गया। बढ़ाया गया!

409 "'जो कोई भी व्यभिचार करता है वो मृत्यु का दोषी ठहरेगा,' लेकिन जो कोई भी," अब बढ़ाया गया, "एक स्त्री की ओर व्यभिचार की दृष्टि से देखता है!" उसने आज्ञा को कभी नहीं बदला। उसने इसे बढ़ाया।

410 "'सब्त के दिन को याद रखना; इसे पवित्र रखना,'" सप्ताह में एक दिन; अब उसने इसे बढ़ाया, "विश्राम" जो परमेश्वर की आत्मा को बनाये रखने से आता है। "आज्ञा पर आज्ञा, और नियम पर नियम; थोड़ा यहां, और थोड़ा वहां। जो अच्छा है उसे पकडे रहो। क्योंकि हकलाते होठों और अन्य जुबानो से होकर मैं इन लोगों से बात करूंगा। और यही वो विश्राम है। यही प्रभु की उपस्थिति से मिलने वाली ताजगी है।"

411 और फिर भी वे इसे नहीं सुनते है, और अपने सिर को हिलाकर और अपने सम्प्रदायों में चले गए। उह–हुंह। "यह ताज़गी देने वाला है," देखो, सब्त के दिन को बढ़ाना; आप जो सब्त को मानने वाले और इत्यादि लोग है। ओह, प्रभु! वह नहीं बदलता। वह इसे बढ़ाता है। अधोलोक ने उन्हें ग्रहण करने के लिए अपने फाटकों को चौड़ा किया है।

412 अब, आप देख सकते हैं, अंत समय का संदेश, इसे क्यों अस्वीकार किया गया है। क्या आप देख सकते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, ना ही कोई संप्रदाय, लेकिन उसके रहस्य का प्रकाशन। देखो, ना ही संप्रदाय। वो प्रकाशन! परमेश्वर संप्रदाय के द्वारा नहीं जाना जाता। वह प्रकाशन के द्वारा जाना जाता है।

413 देखो! परमेश्वर अपनी देह में, मसीह में है; और मसीह अपनी देह में, दुल्हन में है। ओह–ओह–ओह, प्रभु! परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ; मसीह दुल्हन में प्रगट हुआ! और जैसे परमेश्वर ने आदम के शरीर में से स्त्री को लिया, और वह गिर गई; तब परमेश्वर ने मसीह के शरीर में से लिया, अर्थात उसकी देह, उसका शरीर, जो कि उसका वचन है, और एक दुल्हन को बाहर ला रहा है जो संप्रदाय या मत–सिद्धांत के द्वारा नहीं गिरेगी। नहीं, महाशय। लेकिन वो परमेश्वर के शुद्ध, बिना मिलावट के वचन के साथ वापस आ रही है, जो प्रकट हो रहा है।

414 मैं आशा करता हूं कि हर एक पुरुष, और हर एक महिला जो इस टेप को सुनते है, इसे समझ जायेंगे। देखा?

415 वो दूसरी हव्वा है, लेकिन वह अपने पति के प्रति अपनी शुद्धता और पवित्रता के वस्त्र को भ्रष्ट करके और—और दूषित नहीं कर रही है। चाहे कोई भी कुछ भी कहे, वो उसके वचन के साथ बनी रहेगी। आप जितने चाहें उतने विश्वव्यापी एकता के अभियान कर सकते हैं और उतने गठबंधन कर सकते हैं।

416 और वे बहुत ही जल्द आगे सतावट को लाने जा रहे हैं, और सारी कलीसियाओ को बंद कर देंगे। आप इसे देखना। और इस तरह की कलीसियाये, जो संप्रदाय नहीं है, वे उन्हें एक गोदाम के लिए उपयोग करेंगे, किसी भी चीज के लिए। और यदि कोई भी व्यक्ति जाकर और किसी और के लिए प्रार्थना करता है जो कि आर्थिक गतिविधि से संबंध नहीं रखता है, उसे तुरंत गोली मार दी जाएगी। यह सब तैयार है। उस लूथरन सेवक, इसके प्रमुख ने ऐसा कहा। और यह ठीक यहाँ पर है, आप इसे ठीक यहाँ अपनी पत्रिका में पढ़ सकते हैं। सही है।

417 इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे क्या कहते हैं, कि कलीसिया लड़ाई में सच्ची खडी रहेगी। उसने वहां बहुत पहले ही साबित कर दिया है, और वह हर एक चीज़ का सामना करते हुए फिर से ऐसा करेगी। यह परमेश्वर का वचन है। और सारी विश्वव्यापी गतिविधियां और बाकी की हर एक चीज ख़त्म होने दो। वह वहां पर बिना दाग या झुर्री की होने जा रही है। यह सही है। वह वहां पर खड़ी होगी।

418 ध्यान दें, परमेश्वर ने स्वयं को उसके शरीर में प्रकट किया, अर्थात मसीह में। अब आप तीन प्रकार की, सुंदर चीज को देखते हैं?

419 मसीह उसके शरीर में है, जो कलीसिया है, अपने प्रतिज्ञा किए हुए वचन को प्रमाणित कर रहा है, जैसे परमेश्वर ने मसीह में से होते हुए किया।

420 "कौन मुझे पाप के लिए दोषी ठहरा सकता है? यदि मैं पिता के कामो को नहीं करता, तो फिर मैं कहां—कहां पर चूक गया हूं? अब आप लोग कहते हैं कि आप इसे कर रहे हैं, अब आप संप्रदाय, अब मुझे दिखाओ। जी हां। मुझे दिखाओ कि मैं मसीहा होने से कहाँ चूक गया। दिखाओ कि मैं कहाँ पर चूक गया, एक चिन्ह पर जो परमेश्वर ने कहा कि मसीहा करेगा, जिसे मैंने पूरा नहीं किया है," उसने कहा। समझे? परमेश्वर उसके शरीर में है।

421 अब मसीह, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" देखो, देखो, वही परमेश्वर। देखा? "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे; इससे भी बढ़कर, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं," कलीसिया थोड़ी देर और उजियाले में रहेगी, देखो। उसके प्रतिज्ञा किए हुए वचन को प्रमाणित करते हुए। जैसे परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञाओं को मसीह की देह में किया,

वैसे ही मसीह भी मसीह के शरीर में उसके उन्हीं कामों को कर रहा है, अर्थात कलीसिया में, देखो, अब अपने रहस्य को अंतिम दिन में अपने दुल्हन रूपी पेड़ के लिए प्रकट कर रहा है, उन फलों को उत्पन्न करते हुए जो आरंभ में उस पेड़ में थे।

422 देखो, पेड़ एक डाली को आगे लाता है, एक लूथरन। इसने क्या किया? जब पेड़ ने ऊपर की ओर बढ़ना आरंभ किया, तो यहाँ इसके साथ फल आने लगे। क्या हुआ? वे इसे संप्रदाय बना देते हैं। इसलिए छांटने वाला वहाँ आया, वो पिता, वो किसान, और उसे काट दिया, कहता है, "यह मर चुका है।"

423 वहाँ ऊपर वेस्लीयन आता है; इसने ऊपर आते हुए अच्छा किया। इसने क्या किया? फिर से फल पेड़ में सीधे वापस चला गया, इसलिए उसने डाल को काट दिया, यह मर गया।

424 मुझे एक दिखाओ, एक कलीसिया... मैं जानना चाहता हूं। मेरे पास कलीसिया का तैंतीस वर्ष का इतिहास है। मुझे एक समय दिखाओ, एक स्थान, जहां कोई भी कलीसिया कभी संगठित हुई हो, जो तुरंत ही नहीं मरी हो। मुझे एक स्थान दिखाओ कि वे कभी फिर से ऊपर उठे हो, बस संख्या में और चीजों को छोड़कर, कोई बेदारी नहीं। देखा? यह वहां नहीं है। नहीं, महाशय। वह पूरी तरह खत्म हो जाती है।

425 तो किसान ने क्या किया? वहां आकर और इसे काँट–छाँट किया। देखा? इसने सांप्रदायिक फल को उत्पन्न किया; एक नारंगी के पेड़ पर नींबू को, सो उसने इसे काँट–छाँट किया, देखो। इसे उत्पन्न किया, बनाये रखा।

426 लेकिन पेड़ का ह्रदय कहाँ होता है? ठीक बीच में। और उसने उन सब को काँट–छाँट दिया, यहाँ तक कि ठीक सबसे ऊपर...

427 उसके पास यहाँ नीचे जड़ में एक बीज होता है। जैसे एक पेड़ जिसे पानी की नदियों के किनारे लगाया जाता है, वो जो परमेश्वर के नियमों और प्रेम को अपने ह्रदय में लेता है। "और वह उस पेड़ के समान है," भजन संहिता 1, "जो बहती नदियों के किनारे लगाया गया है; जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं; अपनी ऋतु में फलता है।" और यहाँ यह ठीक...

428 और फल कहाँ पर जल्दी से पकता है? पेड़ की चोटी पर। क्यों? उस पर प्रकाश पड़ता है। आमीन! यह सही है। और ठीक पेड़ की चोटी पर,

इन अंतिम दिनों में, वह एक दुल्हन के पेड़ को आगे ला रहा है।

429 अब याद रखें, वही वो जीवन का पेड़ है, जो "सर्प के बीज" के विपरीत है, आप देखे। वह वो बीज है, "स्त्री का बीज," उस बगीचे में जीवन का पेड़। "और ऐसा न हो कि वे अपने हाथ को आगे बढ़ाकर और इस पेड़ को हिलाए, वे उस पेड़ से खायें और हमेशा के लिए जीवित रहें।" और केवल वही पेड़ है जिसमें से लिया जा सकता है, जिससे आप हमेशा के लिए जीवित रह सकते हैं। उसका वचन जीवन है। और तब यह वचन होगा, परमेश्वर का वचन जिसे हव्वा ने अदन की वाटिका में अस्वीकार कर दिया; तब यहाँ मसीह है, वो वचन, जो प्रकट हुआ।

430 और जब वह धरती पर आया, तो वह जीवन का पेड़ था। क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] और रोम, उन्होंने क्या किया? उसे काटा जाना था। और उसे एक अपमान के पेड़ पर चढ़ा दिया गया था, "शापित है वह जो एक पेड़ पर लटकता है," मनुष्य जाति के लिए एक शाप बन गया।

431 और अब उसमें से होते हुए, वह एक दुल्हन के पेड़ को लेकर आता है, जो कि जीवन का पेड़ होगा, जो उसकी ओर वापस लौटाया जाएगा, अदन की वाटिका में पति और पत्नी के रूप में, (ओह, परमेश्वर की महिमा हो) उसी वचन के द्वारा और उसी परमेश्वर ने पति और पत्नी में प्रकट हुआ, फिर से वापस वही दुल्हन रूपी पेड़।

432 ध्यान दे, इसे ज्ञात करवाते हुए! कैसे... प्रभु, यहाँ बस बहुत कुछ बातें है, हम बस इस पर आगे बढ़ते रह सकते हैं। ध्यान दें, मसीह की देह का ये पेड़ जो बगीचे में है। बता रहा है, अब उसके रहस्य को इस दुल्हन रूपी पेड़ के लिए प्रकट कर रहा है।

433 ध्यान दे, मसीह के द्वारा छुड़ायी गयी, जो दूसरा आदम है। आप विश्वास करते हैं कि वही था? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अदन की ओर वापस घर जा रहा है, अपनी गिरी हुई पत्नी के साथ जो छुडाई हुई है फिर से घर वापस जा रही है। यही मसीह है जो आज कलीसिया में है, उसकी पत्नी को वापस लेकर जा रहा है। अब तीन प्रकार के रहस्य को देखते है? ["आमीन।"] परमेश्वर मसीह में प्रगट हुआ; मसीह कलीसिया में प्रगट हुआ; सब एक साथ, ताकि मूल आदम और हव्वा को फिर से वापस लाए, पुरुष और स्त्री, जो एक हैं, एक ही लहू और एक ही आत्मा

से बने हुए है और बाकी की हर एक चीज।

434 कलीसिया आत्मा के द्वारा मसीह का लहू है, क्योंकि लहू में वो—वो जीवन है। यही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है जो हमें उसके शरीर में बपतिस्मा देता है, जो केवल उसके शरीर को उसकी देह को, उसके वचन को पहचानता है। [भाई ब्रन्हम अपनी बाईबल को थपथपाते हैं—सम्पा।]

435 संप्रदाय इसे कभी नहीं छू पाएगा। यह एक प्रकाशन है। वह इसे जानती है। वैसे ही हव्वा ने इसे जान लिया, लेकिन वह गिर गई; लेकिन ये हव्वा इसे जानती है, और यह नहीं गिरेगी। वह ठहराई हुई है! हाल्लेलुय्या! व्यूह! वह ना गिरने के लिए ठहराई गयी है। वह विफल नहीं होगी। वो इसके लिए पहले से ठहराई गई है। "क्या ही धन्य है वह मनुष्य जिसके पाप का परमेश्वर लेखा न ले।" आप सेवक लोग समझते हैं कि मैं क्या बोल रहा हूं, जबकि कुछ दर्जन यहां बैठे हुए हैं। समझे? "क्या ही धन्य है वह मनुष्य जिसके पाप का परमेश्वर लेखा न ले," दाऊद।

436 ध्यान दें, वापस छुड़ाते हुए, उसके साथ घर जा रही है; मनुष्य शरीर में अनंत जीवन में वापस जाने के लिए, खाते, पीते, हमेशा के लिए जीने के लिए। यशायाह ने कहा, "वे घर बनाकर और उन में बसेंगे, दाख की बारियो को लगाएंगे और फल खाएंगे। ऐसा नहीं कि वे बनाएंगे और दूसरा इसे ले लेगा।" संतान इसे नहीं लेगी, लेकिन वे अपने वंश के साथ वहां पर होंगे। वो इसे बनाएगा और वहीं बना रहेगा। आमीन। "ऐसा नहीं होता है वह बनाता है, और दूसरा खाता है; वह बनाता है और ख़ुद ही खाता है।" आमीन! यह क्या है? उसकी दुल्हन उसके साथ वापस जा रही है, फिर से मूल आदम और हव्वा की ओर वापस छुडाई गई है, क्योंकि मृत्यु पीछे छूट गयी है। वे पीछे क्रूस की ओर देखते हैं और देखते हैं कि मृत्यु का दाम चूका दिया गया है।

437 और अब, विश्वास के द्वारा, हम उसके साथ पुनरुत्थित हो उठे हैं, ठीक अभी स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, पीछे की ओर देख रहे है जिसने हमें छुड़ाया है; पति के आने की प्रतीक्षा कर रही है, ताकि उसके साथ घर की ओर बढ़ सके।

438 परमेश्वर के तीन प्रकार के उद्देश्य, आदम और हव्वा में प्रकट हुआ, और हर एक भविष्यव्यक्ता, और सारे युगों में से होते हुए, और वो जो आने वाला है; वो जो था, वो जो है, और वो—वो जो आने वाला है। सारा

प्रगटीकरण, परमेश्वर के वचन का प्रकाशन, आदम और हव्वा फिर से घर वापस जा रहे हैं, छुड़ाए गए, परमेश्वर स्वयं को ज्ञात करवा रहा है!

439 वहां वह दाऊद के सिंहासन पर बैठा होगा (क्या यह सही है?) और उसका स्वामी होगा, सारे राष्ट्रों पर लोहे के राजदण्ड के साथ राज्य करेगा। वहां हर तरफ एक—एक पेड़ होगा, और हर एक राष्ट्र जो प्रवेश करेगा, यह चंगाई के लिए होगा... ये पत्ते राष्ट्रों की चंगाई के लिए होंगे। राजा अपने सम्मान को इसके अंदर लायेंगे। वहां कुछ भी ऐसा नहीं होगा जो दूषित हो सकता है, या कोई भी चीज कभी प्रवेश नहीं कर सकती है। और सिय्योन पर्वत उस पर उजियाला होगा, सारे दिन और रात, और छुड़ाए हुए उस उजियाले में चलेंगे। ओह, हाल्लेलुय्या!

440 सोचने के लिए, यह एक काल्पनिक कहानी नहीं है, यह कोई धर्मज्ञान की विचारधारा नहीं है। यह यीशु मसीह का प्रकाशन है, उसके वचन के द्वारा, जो चमकता रहता है, जो सभी युगों में सत्य रहा है। और यह इस युग में सत्य है। यह अब यहाँ पर सत्य है। यह मेरे साथ सत्य है, यह आपके साथ सत्य है, और हर एक पुरुष और महिला जो इस प्रकाशन को थामे रहते हैं। आमीन।

441 और देखें कि परमेश्वर स्वयं ही स्वयं को प्रकट कर रहा है, और अपने आप को जीवन में से होते हुए कंपन कर रहा है, कि अब आप उसके एक कैदी हैं। आप उसके प्रेम–कैदी है। संसार हंस सकता है, उनका मजाक उड़ा सकता है, कहता है, "बाहर आ जाओ।" आप जा तो सकते हैं, लेकिन आप एक कैदी हैं। समझे? दूसरी महिलाएं हॉलीवुड में अभिनय कर सकती हैं, लेकिन आप नहीं। आप एक कैदी हैं। आमीन। देखिये, आप मसीह के एक कैदी है। दूसरे पुरुष धूम्रपान कर सकते हैं और शराब पी सकते हैं और ऐसा करना जारी रखते हैं, यदि वे चाहे तो, और अपने आप को मसीही कहते हैं, डिकन, और यहां तक कि प्रचारक भी, लेकिन आप नहीं। आप एक कैदी हैं, वचन के कैदी हैं। जी हां, महाशय। जी हां, महाशय।

442 अपने रहस्य को अपनी दुल्हन रूपी पेड़ पर प्रकट कर रहा है; मसीह के द्वारा छुड़ायी गयी, अर्थात उस दूसरे आदम के द्वारा; घर वापस जाते हुए, मूल अदन में वापस लौटाए जाने के लिए, मृत्यु, बीमारी, दु:ख, लज्जा से आजाद होकर, अनंत जीवन के साथ वापस जा रहे है।

443 तब, सुनना, बहुत से लोगों के पास गलत धारणा है। वो—वो...

लोगों को मसीहत में परिवर्तित करना, और इसकी शासन–व्यवस्था में लाना, यह बिल्कुल भी परमेश्वर का विचार नहीं है। आप कहते हैं, "हम उसके शासन–व्यवस्था के द्वारा मसीहत में परिवर्तित होते हैं।" यह ऐसा नहीं है। "तो ठीक है, उन्हें शराब नहीं पीना चाहिए। उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए।" क्या आप जानते हैं कि मुसलमान आपसे अधिक बेहतर हो सकते हैं? आप जानते हैं कि अफ्रीका में मूर्तिपूजक, वे अश्वेत लोग होते है, और उनके जनजाति के बीच में उनके पास उनके नियम है जो किसी भी चीज से अधिक श्रेष्ठ है जो आप मसीहत में उत्पन्न कर सकते हैं।

444 क्यों, मैं वहां पर उस शंगान के जनजाति में गया हूं। यदि एक युवा लड़की का एक निश्चित उम्र तक विवाह नहीं होता है, उसे जनजाति को छोड़ना—छोड़ना पड़ता है, जनजातीय वेशभूषा व रंग–रोगन को उतारना पड़ता है। वह शहर में जाती है; वह बस इधर–उधर भटकती है। और यदि वह... उसे विवाह करने से पहले, उसके कुंवारेपन के लिए परखा जाता है। यदि वो किसी पुरुष के साथ व्यभिचार करने की दोषी पाई जाएगी, वह... तो उसे बताना होगा कि यह पुरुष कौन है, और उन दोनों को एक साथ मार डाला जाता है। उह–हुंह। ओह, वे—वे इसे भी पीछे छोड़ सकते हैं जो इन नाम के कहलाने वाले...

445 क्या होगा यदि आप ऐसा नाम के कहलाने वाले मसीही लोगों में करते हैं? उनमें से निन्यानबे प्रतिशत दिन के उजियाले से पहले ही मर जाएंगे। यह सही बात है। यह सही बात है, स्त्री और पुरुष दोनों। आप जानते हैं कि यह सही है।

"क्या? " आप कहते हैं, "भाई, मैं शुद्ध हूं!"

446 "जो कोई भी स्त्री की ओर कुदृष्टि डालता है, वह अपने हृदय में उसके साथ व्यभिचार कर चूका है।" अब इस के बारे में क्या है? आपके बारे में क्या, बहन, जिसने अपने आप को उस पुरुष के सामने इस तरह से प्रस्तुत किया? आप बस उतने ही दोषी हैं जैसे कि आपने इसे किया हो। समझे?

447 "ओह, लेकिन यह सब ठीक है।" पास्टर इसे कहने से डरता है, क्या कारण है? उसके सांप्रदायिक मुख्यालय उसे निकाल देंगे यदि वह सीधे इस पर बोलता है। वे संकरित हैं। वे वचन को ग्रहण नहीं करते हैं। वचन ने कहा कि यह सत्य है। यीशु ने कहा कि यह सत्य है, और वो सिर है।

448 अब ध्यान दें, परमेश्वर स्वयं को प्रकट कर रहा है। ना ही, हमें

एक शासन–व्यवस्था के द्वारा मसीहत में परिवर्तन नहीं करना है; लेकिन प्रकाशन के द्वारा, मसीह आप में, जैसे परमेश्वर मसीह में था। जैसे परमेश्वर मसीह में था, मसीह आपमें है! जब, जो परमेश्वर ने मसीह में किया, मसीह वहीं तुम में करता है! परमेश्वर ने मसीह में क्या चिन्ह दिखाए, मसीह आप में करता है! ओह, क्या यह सुंदर नहीं है? ओह! ओह, प्रभु! मुझे यह पसंद है।

449 यीशु ने कहा, "उस दिन," यही आज का दिन है। "उस दिन," जब यह प्रकाशन ज्ञात होगा, "तुम जान जाओगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में; मैं तुम में, और तुम मुझ में।" जब प्रकाशन प्रकट बन जाता है, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं और पिता एक हैं; मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में है।" फिर जब प्रकाशन आता है, तब यह होता है, "मैं तुम में, और तुम मुझ में।" आप वहां हो। बहुरूपी को देखें, तीन प्रकार का–... किसलिए? इसे वापस लाने के लिए। हमें होना ही है...

जैसे यीशु परमेश्वर का वचन था, उसने उसी बात को प्रमाणित किया।

450 यदि वह—यदि वह वचन नहीं होता, तो वह वचन को प्रकटीकरण में नहीं लाता, वह कोई बड़ा धर्मज्ञानी होता। यही वो वास्तविक मसीहा होता जिसके लिए संसार देख रहा था। देखा? जी हां, महाशय, यह वही होता।

451 यही है जिसके लिए वे आज देख रहे हैं, कोई—कोई—कोई तो जो बिली ग्राहम से आगे निकल सकता है, या कोई तो उनके संगठन के दम पर दबा सके, आकर और उन बैपटिस्ट लोगों को दिखाये, कि वे नहीं जानते कि वे कहां खड़े हैं। निश्चय ही। वे इसी के लिए देख रहे हैं। लेकिन कलीसिया नम्रता और जीवित परमेश्वर, मसीह के चिन्हों के लिए देख रही है।

452 यीशु एक महान धर्मज्ञानी नहीं था। वह एक साधारण सा किसान था, जिसे कहा जाता था एक बढ़ई का बेटा। समझे? वह इधर–उधर घूमता रहा, लेकिन परमेश्वर... उसने कहा, "तुम में से कोई मुझे दिखाये कि बाईबल क्या कहती है जो मैं करूंगा, जिसे मैंने प्रकट नहीं किया है।"

453 तो कलीसिया आज भी वही चीज कर सकती है। जो मसीह ने किया, वैसे ही अब कलीसिया भी करती है। "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में; मैं तुम में, और तुम मुझ में।" देखा? वहां आप जा

रहे है, सिय्योन की ओर बढ़ते हुए, वहां (कहां?) राज्य की ओर! "उस दिन तुम जान जाओगे कि मैं तुम में हूं।"

454 और यहाँ ध्यान दे। यहाँ, यह सुंदर है। मैं नहीं चाहता कि आप इससे चूक जाओ। अब हर कोई, और आप लोग टेप पर, बाहर जंगलों में और जहाँ कहीं भी आप इसे सुन रहे हैं, अब सुनना।

455 "और जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूं," यीशु ने कहा। समझे? अब ध्यान दे। पिता जिसने उसे भेजा, उसमें चला गया, ताकि खुद को सही प्रमाणित करे, क्योंकि वही वो वचन था। और वही यीशु जो तुम्हें भेजता है, आपके साथ जाता है और आप में जाता है, ताकि उसी परमेश्वर को प्रमाणित करे। "जैसे पिता ने मुझे भेजा है, और मैं पिता के द्वारा जीता हूँ; वैसे ही मैं तुम्हें भेजूँगा, और तुम मेरे द्वारा जीयोगे।" वो क्या है? वो वचन है। आप वचन के द्वारा जीते हो। ओह, किस तरह से मैं उस पर एक विषय को लेना चाहूंगा, और अब इस पर लगभग कुछ घंटों के लिए प्रचार करूंगा, देखो, उस पर, वो कैसे था... उस पर। ध्यान दे, ध्यान दे, "और पिता जिसने मुझे भेजा," उसके साथ गया। वो पिता जो भेजता है... वो यीशु जो हमें भेजता है, अंदर जाता है।

456 "थोड़ी देर रह गयी है संसार मुझे और ना देखेगा, फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं," व्यक्तिगत सर्वनाम, "मैं," वो व्यक्ति, यीशु, "तुम्हारे साथ रहूंगा, यहाँ तक तुम में रहूंगा, संसार के अंत तक। जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" अब वापस जाकर और देखें कि उसने क्या किया है, फिर देखें कि आप क्या करते हैं, उसके बाद अपने आप की तुलना करें।

457 "और जैसा यह नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा। और जैसे लूत के दिनों में था," जब एक आधुनिक बिली ग्राहम और ओरल रॉबर्ट सदोम में गए और उन सदोमियों को प्रचार किया, और उनकी आंखों को, देखो, सुसमाचार से अंधा कर दिया। एक दूत पीछे रुक गया, एक संदेशवाहक अब्राहम और चुने हुए झुण्ड के साथ, और उसने किस प्रकार का चिन्ह किया? समझे? और अब्राहम ने उसे क्या कहा? एलोहीम, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ। यीशु दिखा रहा है कि वो स्वयं ही, उसमें परमेश्वर है, अंत के दिनों में उसकी दुल्हन में प्रगट होगा! ओह, प्रभु, प्रभु! इसका कोई अंत नहीं; केवल परमेश्वर का एक प्रकाशन! यह अनंत है, बस आगे और आगे और आगे बढ़ता रहता है।

458 तब, ध्यान दें, पहले एक आदम और हवा के समान, इससे पहले कि पाप ने उन्हें मृत्यु में अलग कर दिया; अब मसीह, दूसरा आदम, जीवन में, अपनी दुल्हन को मृत्यु से छुड़ाता है; और अब वापस मूल अदन की ओर, अपनी दुल्हन को वापस संगती में लौटा रहा है, वापस परमेश्वर के साथ, पति और पत्नी के रूप में, अदन की वाटिका में, मसीह और उसकी दुल्हन।

459 और परमेश्वर, उस दिन पर, "राज्य पिता को सौंप दिया जाएगा; ताकि वह सब में सब कुछ हो सके।" "जबकि वह बोल ही रहा है, मैं सुनूंगा।" दाऊद, मसीह, दाऊद सिंहासन पर बैठा है, सारी मानव जाति के ऊपर राजा। "और जबकि वे अभी भी सोच रहे हैं, मैं जान जाऊंगा कि वे किस बारे में सोच रहे हैं। इससे पहले कि वे बोले, मैं उन्हें उत्तर दूंगा। भेड़िया और मेमना एक साथ भोजन करेंगे। सिंह बैल की तरह घास खायेगा, और वे सब मिलकर भोजन करेंगे और बैठेंगे। वे मेरे सारे पवित्र पर्वत पर ना तो किसी को हानि पहुंचाएंगे और ना ही नष्ट करेंगे," सीधे वापस फिर से अदन की ओर, जितनी जल्दी ये जा सकते है जायेंगे!

460 वहां उसका तीन प्रकार का उद्देश्य है। हे परमेश्वर, इसे जानने में हमारी सहायता करें! इसे जानने में हमारी सहायता करें!

461 अब फिर से ध्यान से सुनना जैसे कि हम आगे बढ़ते हैं, मूल अदन की ओर वापस जा रहे हैं।

462 तब जब हम उससे जन्म लेते हैं, तो हम उससे परिपूर्ण हो जाते हैं। देखो, आपका जीवन, उसका जीवन आप में है। तब, हमारे सारे कार्य उसे घोषित करना चाहिए।

463 जैसे एक पेड़ से जीवन को—को लेते हुए और दूसरे पेड़ के अंदर डालना। एक नाशपाती के पेड़ में से एक जीवन को ले और एक सेब के पेड़ में डाल दे, यह नाशपाती को उत्पन्न करेगा। ये ऐसा होना ही है, क्योंकि उसमें हो जीवन का रस है, वो जीवाणु नाशपाती के पेड़ का है। तो ठीक है।

तब, हमारे सभी कार्य उसे ही घोषित करना चाहिए।

464 हमारे पास उसका नाम है। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हमें उसके नाम को धारण करना चाहिए।

465 और याद रखें, अब हम, उसकी दुल्हन के रूप में, उसकी आत्मा से गर्भवती हुए है। ओह, प्रभु! कलीसिया, बच्चों को जन्म दे रही है, देखो,

उसके आत्मा के द्वारा उसके नाम से गर्भवती हुई; उसके नाम को धारण करते हुए, उसके जीवन को धारण करते हुए; उसके जीवन के चिन्हों को सामने ला रहे है, प्रधानता के साथ प्रकट है, उसके पुनरुत्थान के पहले से ठहराये जाने का प्रमाण; यह दिखा रहा है कि वह मरा नहीं है, लेकिन सदा के लिए जीवित है। यह अनंत जीवन है, और प्रमाणित हुआ है, संसार को प्रमाणित करता है कि हम उसमें जीवित हैं। व्यूह!

466 आप कैसे जानते हैं, क्योंकि आप एक कलीसिया के सदस्य हैं? क्योंकि, मसीह आपमें से होते हुए जी रहा है, उसकी आत्मा से इतने गर्भवती है कि आप—आप किसी भी अन्य चीज के लिए एक कैदी होते हैं। ओह, प्रभु, आप सुसमाचार के प्रति कैदी है, वचन के प्रति कैदी है, और सारे बच्चे जिन्हें आप जन्म दे सकते हैं, वो वही होते है, क्योंकि आप एक कैदी हैं।

467 आप व्यभिचार नहीं कर सकते; आप पहले से ही गर्भवती हो चुके है। महिमा! वो अधिकार नहीं जमा सकता। जीवन का गर्भ किसी भी और चीज के लिए बंद है। आप पहले से ही उसके हैं, पहले से ठहराये जाने के द्वारा। वह बीज जीवन में आ गया है; कोई संसार अंदर नहीं आ सकता। ओह! ओह, हम किस तरह से इस पर लगभग एक घंटे तक बने रहना चाहते है! मुझे यकीन है कि आप समझ रहे हैं। देखा? मसीह, और केवल वही, पहले ही समाप्त कर चुका है। बीज वहां पर था। बीज पहले से ही था। इसे वहां कब रखा गया था? "जगत की बुनियाद डालने से पहले, हमें अनंत जीवन के लिए पहले से ठहराया गया है।" और जैसे ही जीवन देने वाली धारा बहती है, वह बीज वहां पड़ा होता है... दूसरे बीज जो बस अंदर आते है, वे पकड़ को नहीं बना पाते, वे बस ऐसा नहीं कर सकते। लेकिन जब वो बीज अंदर आ जाता है, तो इसे जल्दी ही गर्भ को बंद कर देता है; बाकी के सारे बीज बाहर निकाल दिए गए, देखो, इसी तरह से।

468 और आप मसीह में पूरी तरह से घिरे हुए एक कैदी बन जाते हैं। मसीह आप में है, उसका जीवन उसके प्रमाणों को, उसके चिन्हों को सामने ला रहा है। ओह, प्रभु, प्रभु, प्रभु! देखो, उसके जीवन के चिन्हों को उसके पुनरुत्थान के प्रमाण के रूप में ला रहा है, संसार को साबित करते हुए वो अनंत जीवन, संसार को प्रमाणित करता है कि हम उसमें जीवित हैं। और इसके बारे में सोचे, परमेश्वर के साथ जीवित, जो हमारा छुड़ाने वाला है,

जिसने हमें ठीक उसी उद्देश्य के लिए बनाया, उसकी कलीसिया को, और उसका सृष्टी करने वाला जीवन हम में होता है।

469 यही है, मूसा परमेश्वर के वचन के द्वारा कह सका, "वहां ऐसा होने दो," और वहां पर मक्खियां आ गई। एक परमेश्वर मक्खियों को बना सकता है वो गिलहरी को बना सकता है। समझे?

470 वह जो चाहे कर सकता है। वह सृष्टि कर सकता है। वह कुछ भी कर सकता है। वह परमेश्वर है। बिल्कुल वही परमेश्वर, उस सृष्टी किए हुए जीवन को, आप देखना, जो आप में है, ये कर सकता है... आप एक कैदी हो; आप इसे तब तक नहीं बोल सकते जब तक वह इसे बोलने के लिए नहीं कहता। लेकिन, जब आप बोलते है, तो यह परमेश्वर का वचन होता है। उसने इसे ऐसा होने के लिए प्रमाणित किया है। बाकी की हर एक सब चीज सही है, और वह जानता है, जब इसे बोला गया है, इसे ऐसा होना ही है। समझे?

471 मूसा ने अपनी छड़ी को लिया, और कहा, "वहां मेंढक होने दो," क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "वहां मेंढक होने दो।" उसने बस इस बात आगे पहुंचा दिया। यह सही है। और मेंढक हर चीज में थे, हर जगह पर मेंढक ही मेंढक थे। वे कहां से आए थे? कोई नहीं जानता। वे पहले वहां पर नहीं थे। लेकिन सृष्टिकर्ता, परमेश्वर, एक मनुष्य के जरिये से काम कर रहा है, चीजों को, एक जीवित प्रजाति को बनाया।

472 वही परमेश्वर जिसने पहला मेंढक बनाया वही दूसरा मेंढक बना सकता है। वह सारे मेंढक बनाता है। ओह, प्रभु! आप समझे मेरा क्या अर्थ है? पहली गिलहरी को बनाया, दूसरी गिलहरी को बनाया, किसी भी गिलहरी को बनाया; वो वहाँ गिलहरियां बना सकता था जहां कोई गिलहरी नहीं थी। वह जो कुछ भी चाहे वो कर सकता है! वह परमेश्वर है! वह परमेश्वर है! उसका जीवन! ओह, प्रभु! जब मैं इसके बारे में सोचता हूं, तो मैं कंपकंपाता हूं! उह–हुंह।

473 ओह, उसके साथ जीना, उसके साथ घर जाना, उसके साथ जीना! हमेशा के लिए उसके साथ रहने के लिए उसके साथ घर जा रहे हैं, अनंत जीवन को पाकर!

474 यह परमेश्वर का व्यक्त किया गया प्रेम का महान रहस्य है, कि परमेश्वर और मनुष्य एक बन गए। देखा? सारी चीज परमेश्वर और मनुष्य, एक है।

वहां परमेश्वर और मनुष्य एक थे; और यहां परमेश्वर और मनुष्य एक है। समझे? यह क्या है? उसकी आत्मा से भर जाने के कारण, उसके पास प्रधानता होती है। यह परमेश्वर की उपलब्धि थी, परमेश्वर का यही उद्देश्य था कि ऐसा करे: जिससे कि वह मसीह में हो सके; और मसीह हम में हो; और हम सब एक साथ, एक हो जाए। पवित्र आत्मा, वही बात; इसने इसे मसीह को प्रकट किया, इसे यहाँ भी प्रकट करता है; अलौकिक सृष्टि करने की सामर्थ। ओह, प्रभु!

475 वही परमेश्वर जो—जो मूसा के जरिये से यह सब कह सकता था, "वहां मेंढक होने दो," वही एक वहां पर खड़े होकर कह सकता है, "यह पानी दाखरस में बदल जाए।" समझे? आमीन। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] वह वही परमेश्वर है, वही एक।

476 वह बस नहीं बदलता है। वह मनुष्य में परमेश्वर है। यही उसका प्रगटीकरण है। यही है जो वह प्रकट कर रहा है। यही है जो वह करने का यत्न कर रहा है, और परमेश्वर का अपना वचन इसे प्रकट कर रहा है। यह दिखाता है कि मनुष्य सृष्टि नहीं कर सकता; परमेश्वर ही सृष्टिकर्ता है। और अब यह मनुष्य नहीं है; यह परमेश्वर तो सृष्टिकर्ता है, जो मनुष्य में है, जो कि अब उसकी कलीसिया है। आमीन!

477 स्वर्ग की ओर घर जा रहे हैं, उसके साथ हमेशा रहने के लिए। परमेश्वर कलीसिया के लिए अनंत प्रेम को व्यक्त करता है।

478 सुनना, अब ध्यान से सुनना। मैं चाहता हूं कि आप इसे समझने में चूके नहीं। कोई और कलीसिया नहीं, न कोई अन्य चिन्ह, न कोई अन्य संगति, न कोई अन्य सरकार, न कोई और गवाही, न कोई अन्य मतसार, न कोई संप्रदाय, इसके बाहर स्वीकार नहीं किया जाता है। परमेश्वर इसे छोड़ कुछ भी स्वीकार नहीं करता सिवाय इसके कि, "मसीह तुम में, महिमा की आशा है," केवल एक चीज जिसे परमेश्वर पहचानता है। न कोई संगति, न कोई कलीसिया, न कोई संप्रदाय, न कोई संप्रदाय, कुछ भी नहीं; बाकी की हर एक चीज मर चूकी है। यह वे टुकड़े है जिसे काटा जाना है, कांट–छांट कर उस चीज से अलग किया जाना है, जिससे कि मसीह आप में प्रधानता के साथ जी सके।

479 वापस उल्लेख नहीं कर रहा हूं! मेरे पास यहां एक डाली है, जो कहती है, "यह मेरा संगठन है।" इसे भी काटा जाना होगा। "मुझे यहाँ *फलां–*

और–फलां मिल गया है। *यह* ऐसा कहता है। मेरी मां मुझे कहेगी कि मैं एक पवित्र–शोर मचाने वाला हूं।" इसे भी काटा जाना है। समझे? "तो ठीक है, मैं जानती हूं कि मेरे पति चाहते हैं कि मैं इन छोटे कपड़ों को पहनूं।" इसे भी काटा जाना है। समझे? इसे काटा जाना है और इसे तब तक काटा–छांटा जाना है जब तक कि वहां केवल, अकेले, आप और मसीह ना रह जाए। समझे? उह!

480 सोचे! जीवित मसीह की जीवित उपस्थिति के द्वारा जीवित वचन के द्वारा; ओह, जीवित मसीह, जीवित उपस्थिति, जीवित वचन! ध्यान दे! उसके स्वयं के व्यक्तिगत के द्वारा, व्यक्तिगत प्रमाण उसकी कलीसिया को साबित करता है।

481 ना ही सदस्य! उसने ऐसा कभी नहीं किया, मूसा के दिनों में। उसने इसे किसी और के दिनों में कभी नहीं किया; संसार के अंत में, जब यह उस स्थान पर आता है जहां पर इसका विनाश होना था। लूत के दिन, यह सदस्यता नहीं थी। यह व्यक्तिगत प्रमाणित होना था, परमेश्वर देह में, देखिये, व्यक्तिगत प्रमाणित होना था।

482 याद रखें! इस पर सोचे, कि, लोग उसकी आत्मा से जन्म लेते हैं, इस तरह के एक दिन में, इस बड़े संप्रदायिक युग में जिसमें हम रहते हैं, और जीवित परमेश्वर अपने जीवित वचन को लेता है और—और इसे व्यक्तिगत रूप से प्रमाणित करता है, यह जीवन जो वचन में है, वह जीवाणु जो बीज में है! और वचन एक बीज है जिसे बोने वाला बोने को निकला। और जीवन मसीह है, वचन में, व्यक्तिगत रूप से आप में होता है; कुछ तो प्रमाणित करता है जो आप नहीं कर सकते, अपने आप को साबित करता है कि यह आप नहीं है, लेकिन यह वो स्वयं है। और आप एक बन गए हैं, उसके लिए एक—एक—एक प्रेम के कैदी, एक दुल्हन होने के लिए।

483 जीवित परमेश्वर का धन्यवाद हो जिसने आकाश और धरती को बनाया और जो कुछ बीच में है! कोई आश्चर्य नहीं, "वह अल्फा और ओमेगा, आदि और अंत है; वो जो था, जो है, और जो आने वाला है; दाऊद का मूल और वंश; वो चमकता और भोर का तारा है।" वह सर्वस्व है।

484 उसकी उपस्थिति, व्यक्तिगत में, स्वयं के व्यक्तिगत प्रमाण के साथ, स्वयं को व्यक्त कर रहा है, वो जीवित वचन जिसकी उस दिन के लिए प्रतिज्ञा की गई है, अपने आप को आप में से होकर व्यक्त कर रहा है,

जो परमेश्वर के महान प्रकाशन का एक प्रमाणित होना है। देखिए, केवल एक व्यक्तिगत में, ना ही कभी भी एक झुण्ड में! एक व्यक्तिगत; ना ही एक झुंड में! उसकी पहचान एक व्यक्तिगत के साथ है। आपने इसे समझा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ना ही मेथोडिस्ट के साथ, ना ही बैपटिस्ट के साथ, ना ही प्रेस्बिटेरियन के साथ, ना ही लूथरन, ना ही पेंटीकोस्टल, लेकिन एक व्यक्तिगत के रूप में!

485 "मैं एक को ले लूंगा, और एक को छोड़ दूंगा; मैं उन्हें अलग कर दूंगा।" यह सही बात है। "दो जन खेत में होंगे; मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा। वहां दो बिस्तर पर होंगे, और मैं एक को ले लूंगा और एक को छोड़ दूंगा।"

486 यह एक झुंड नहीं है। यह परमेश्वर की एक गर्भवती संतान का एक व्यक्तिगत प्रमाणित होना है, पवित्र आत्मा से भरा हुआ, परमेश्वर के प्रति इतना समर्पित है कि वह किसी भी और चीज की परवाह नहीं करता। और पवित्र आत्मा अपने जीवन जो जी रहा है, उसके माध्यम से धड़क रहा है, वचन के व्यक्तिगत—व्यक्तिगत रूप से प्रमाणित होने को दिखा रहा है, स्वयं को लोगों पर और संसार के लिए व्यक्त कर रहा है।

487 यह संसार इतना अंधा कैसे हो सकता है कि इस तरह की चीज को देखकर भी अनदेखा कर दे? ठीक वैसे ही जैसे कैथोलिकों ने संत पैट्रिक को अनदेखा किया और उन्होंने उसे तब तक नहीं पहचाना जब तक उसकी मृत्यु नहीं हो गयी। इसी चीज को उन्होंने संत मार्टिन के साथ किया, इसे नहीं पहचाना। इसी चीज को उन्होंने सभी युगों में किया है।

488 उसी चीज को उन्होंने जोआन ऑफ आर्क के साथ किया। कैथोलिक कलीसिया ने उसे एक जादूगरनी समझकर जला दिया, क्योंकि वह आत्मिक थी। लगभग एक सौ पचास वर्ष बाद, उन याजको की लाशों को खोदकर और उन्हें फेंक दिया, ताकि मिस बात का पश्चाताप करे।

489 यह सीधे उनके पास से गुज़र जाते है, और वे इसके चले जाने तक इसे नहीं पहचानते। यह केवल पहले से ठहराये हुए बीज को ही लेता है जिसे परमेश्वर ने दुनिया की बुनियाद डालने से पहले ठहराया था। वही चीज नूह के दिनों में से होते हुए आई, वही चीज मूसा के दिनों में से होते हुए आई, एलिय्याह के दिनों में, भविष्यद्वक्ताओं के दिनों में, यीशु के दिनों में, और तब से लेकर और इस घड़ी तक। परमेश्वर के बीज के साथ गर्भवती व्यक्ति,

जिसमें वचन स्वयं को प्रकट कर रहा है, परमेश्वर की इच्छा के प्रति इतना समर्पित होता है कि वो वचन, और केवल वचन, स्वयं को इस व्यक्ति में प्रकट करता है, अर्थात वो कैदी, एक व्यक्तिगत में।

490 ऐसा ना कहे, "मेरी कलीसिया... " अब, "मेरी कलीसिया" का इससे कोई लेना–देना नहीं है।

491 यह एक व्यक्तिगत के लिए है, एक व्यक्ति! सारा नरक इस शिक्षा के विरोध में है। सारा नरक इस सत्य के विरोध है, लेकिन यह सत्य है।

492 यीशु ने कभी नहीं कहा, "अब, पतरस, तुम और यूहन्ना, और बाकी के सभी लोग, तुम्हारे पास प्रकाशन है, अब सारी कलीसिया बचाई गई है।" नहीं।

493 यह उसी के लिए था, व्यक्तिगत रूप से। "मैं तुझ से कहता हूं," उन से नहीं, "तुझ से, तू पतरस है; इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा।" और *पतरस* शब्द का अर्थ है, "एक पत्थर।" *पत्थर* का अर्थ होता है, "एक अंगीकार किया हुआ," या, "एक अलग किया हुआ।"

494 किसी विशेष पत्थर पर, किसी विशेष चीज पर; देखो, एक बाहर बुलाये हुए, बाहर बुलाई गई कलीसिया; इस *पत्थर* पर, इस "प्रकाशन" पर। "मांस और लहू ने इसे तुम पर कभी प्रकट नहीं किया। लेकिन इस प्रकाशन पर, बाहर बुलाए गए झुण्ड पर, मैं उनमें अपनी कलीसिया को बनाऊंगा। और अधोलोक के सारे फाटक कभी भी इस पर प्रबल नहीं हो पाएंगे।"

495 "तुम्हारे सिर का एक बाल भी नष्ट नहीं होगा। तुम मेरे हो! मैं तुम्हें अंतिम दिन में जिला कर खड़ा करूँगा, उसे अनंत जीवन दूंगा, और अंतिम दिनों में उसे जिला उठाऊंगा।" यही है ये, प्रकाशन। ना ही वे लोग; लेकिन "उसे," एक व्यक्तिगत! ना ही एक झुंड; एक व्यक्तिगत! सारा नरक इसके विरोध में है।

496 लेकिन उसका रहस्य केवल उसकी प्रिय दुल्हन के लिए प्रगट हुआ। केवल वही इसे देख सकती है।

497 उसने कहा, "तो ठीक है यशायाह ने तुम्हारे विषय में कहा, तुम ढोंगी हो, तुम घास में के सांप हो। तुम वहां पर जाकर और कहते हो, 'ओह, वे महान पवित्र भविष्यवक्ता! हम उनकी कब्रों को चिह्नित करते हैं। हम उन्हें

चमकाते हैं।'" उसने कहा, "तुम ही वो एक हो जिसने उन्हें वहां पर डाला है।" क्या उसने ऐसा कहा?

498 यही बात वह उनके दिनों में कैथोलिक कलीसियाओ से कहता, जब उनके लिए पुराने—पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता भेजे गए थे, इससे पहले उनके पास वहां ऊपर निसिया, रोम हो, और चुने हुए हो। वे पुराने भविष्यव्यक्ता जंगलों से बाहर आकर, ज़मीन से कीड़े–मकोड़े और इत्यादि चीजे खाकर गुज़ारा करते, यहां तक कि कपड़े भी नहीं पहनते, भेड़ की खाल को अपने चारों ओर लपेटे हुए, और बाईबल के उस सत्य के लिए खड़े होने की कोशिश की। लेकिन कैथोलिक कलीसिया उनके बौद्धिक विचारधारा को चाहती थी। फिर उन्होंने लाया... वहां संत इरेनियस, पोलीकार्प, मार्टिन, वे सारे बाकी लोग आए। और उन्होंने क्या किया? उन्होंने उन्हें कब्र में डाल दिया, जोआन ऑफ आर्क, संत पैट्रिक, और उनमें से बाकी सभी को। उन्होंने उन्हें वहां डाला, अब वापस आकर और दीवारों को सफेद किया जैसे उन्होंने जोआन ऑफ आर्क के साथ किया था। उन्होंने क्या किया? उन्होंने उन्हें वहां पर डाला!

499 तब मैं कहता हूं, जैसा की उसकी आत्मा तुम्हें बुलाती है, "सफेद पुती हुई दीवार! तुम ढोंगी लोगों, जो खुद को कुछ तो समझते हो, जबकी तुम मनुष्य के बौद्धिक विचारों को लेते हो, और वचन को छोड़ देते हो। बजाये इसके कि परमेश्वर के बीज से गर्भवती होकर आते, कि वो वचन जो तुम में हो, तुमने हर दूसरे संकरित को ले लिया है।" कोई आश्चर्य नहीं कि वो "वेश्या" के रूप में बैठी थी, क्योंकि वह "आत्मिक व्यभिचार करती है," लोगों को मनुष्य की बातों की शिक्षा देती है, ना कि परमेश्वर की बातों की शिक्षा।

500 लेकिन उसने कहा, "डरो मत, छोटे झुंड, तुम्हारे पिता को यही भाया है कि तुम्हें राज्य को दे।" यह सही है। निश्चित रूप से। तो यह हमारे पास है।

501 बाईबल ने प्रकाशितवाक्य में, कहा, "इस बड़े नगर ने पृथ्वी के सारे राजाओं पर राज्य किया।" कहा कि वह एक "वेश्या" थी। यह क्या है? एक स्त्री जो एक महिला होने का दावा करती है और व्यभिचार करती है। "उसके हाथ में एक प्याला था," संसार के मदिरा के जाम का प्याला, "उसके... उसके व्यभिचार के घिनौने कामों की गंदगी से भरा हुआ।" और

उसकी बेटियाँ थी, प्रोटेस्टेंट कलीसियाये, कि हर एक जन उसमें से उसी झूठी शिक्षाओं के साथ बाहर आती है, वही बपतिस्मा, और पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के बजाये हाथ मिलाने के द्वारा; और उनकी झूठी शिक्षा "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," और यह सब, बजाये इसके कि दुल्हन के नाम को ले... मतलब दूल्हे के नाम को ले, और इत्यादि चीजें।

आप कहते हैं, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।" इससे फर्क पड़ता है।

502 यदि मैं अपने नाम को एक चेक पर लिखता हूं, और कहता हूं, "आदरणीय," "सेवक," के लिए या इत्यादि, इससे कुछ भी पैसा नहीं मिलेगा। यह सही है। इसे बैंक में अस्वीकार कर दिया जाएगा। उह–हुंह। ध्यान दें। तो ठीक है।

503 लेकिन यह सारा रहस्य प्रकट हुआ, जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की है, केवल उसकी दुल्हन को। अधोलोक इस सत्य के विरोध में है, इस रहस्य के प्रकाशन के। लेकिन दुल्हन इस पर खड़ी है। यही पर वो स्थिर बनी रहती है।

504 कलीसिया, आप क्यों भूखे हो, आप क्यों प्यासे हो? यह पिता है जो आप के लिए इस छिपे हुए रहस्य को प्रकट करने का यत्न कर रहा है। लेकिन आप बहुत–सी चीज़ों को इसे अपने भीतर से निकालने देते हो। आप अपनी नौकरी को, आप अपनी पत्नी को, आप अपने पति को, आप अपने बच्चों को, आप संसार की चिंताओं को, आप किसी पास्टर को, आप किसी और व्यक्ति को अपने भीतर से निकालने देते हो, जब आप अपने ह्रदय की गहराई में जानते हो कि आप प्यासे हो, भूखे हो। यह परमेश्वर आप पर प्रगट करने का यत्न कर रहा है, देखिये, उस प्रकाशन को। अंतिम दिन आ चुका है। अब ध्यान दें।

505 आइए फिर से पीछे मुड़कर देखें। मैं इस सब को नहीं छोड़ सकता। देखा? मैं बस चाहता हूं कि आप अब यहां एक मिनट के लिए देखें, और हम कुछ ही मिनटों में बंद करेंगे। आप होंगे... बस एक मिनट के लिए मेरी ओर अपना पूरा ध्यान दें।

506 ध्यान दे, कुलुस्सियो, यहाँ 18वां पद। कुलुस्सियों की पुस्तक में, 18वां पद।

अब वो उस कलीसिया *का सिर है, अर्थात* देह *का: वही आदि है, मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा; जिससे कि—*

जिससे कि सब बातों में वही प्रधानता *हो सके।*

507 "वह कलीसिया का सिर है, जो कि उसका शरीर है, और वो प्रधानता को चाहता है।" अब सुनना, ध्यान से सुनना, जब हम जा रहे हैं। क्या? वो उस शरीर का सिर होना है, उसकी दुल्हन के शरीर का, जिसे उसमें से लिया गया है; मांस और हड्डी, आदम की तरह, देखो, दुल्हन।

508 "मरे हुए में से जन्मी," देखो, यही है, जो मरे हुयें में से जन्मी है, अविश्वास का पाप।

509 हवा को किसने मारा? अविश्वास ने। यह सही है? उनका अविश्वास किसमें? उसके द्वारा, क्योंकि अ–... परमेश्वर में अविश्वास करने के लिए? नहीं। उसका परमेश्वर में विश्वास था। निश्चय ही। क्या उसने ऐसा कहा, "कोई परमेश्वर नहीं है"? नहीं, महाशय। वह कोई नास्तिक नहीं थी। "तो ठीक है," उसने कहा, "तुम जानते हो, मैं उसके वचन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करती"? ओह, नहीं। उसने एक छोटी सी चीज को छोड़ सब पर विश्वास किया। समझे?

510 अब बाईबल ने नहीं कहा, यहाँ पर प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, यीशु ने स्वयं कहा, "मैं—मैं यीशु ने अपने दूत को इसलिए भेजा कि तुम्हारे लिए इन बातों की गवाही दे"? "जो कोई भी इसमें से एक वचन को निकालेगा, या इसमें एक शब्द भी जोड़ेगा।" और यदि यह सारा ह्रदय का दौरा और दु:ख को आना था क्योंकि एक स्त्री ने परमेश्वर के एक वचन पर संदेह किया, क्या वह वापस आपको एक वचन पर संदेह करने देगा? वह अन्यायी होगा। उह–हुंह। समझे? देखो, यह सही नहीं होगा। दोषी ठहराया...

511 यहाँ एक मनुष्य खड़ा है, और वो इस सारे ह्रदय के दौरे का कारण बना क्योंकि एक शब्द पर संदेह किया गया; फिर वह आगे बढ़ता है और वर्षों के अनुभव को और हर चीज को लेता है, और बाईबल और इत्यादि चीजों को लेता है, और अन्य लोग जिन्होंने इसके लिए अपने जीवन को दे दिया; तब कहता है, "ओह, तुम निसंकोच होकर और इसे खा सकते हो। इसमें कोई बात नहीं, कुछ भी हो, मैं तुम्हें वापस आने दूंगा"? ओह! परमेश्वर किसी व्यक्ति का आदर नहीं करता, लेकिन... ? ... समझे? देखा? परमेश्वर व्यक्ति का पक्षपात नहीं करता। अब ध्यान दें।

512 अब ध्यान दें। "वो शरीर का सिर है" जो पाप से जन्मा है, परमेश्वर के वचन में अविश्वास करने से। वह क्ष–... यह हर एक संप्रदाय, हर मत–

सिद्धांत को अमान्य या दरकिनार कर देता है, देखो। वचन पर अविश्वास; जो कि वो स्वयं ही है, जीवन का वचन। समझे? केवल वचन में ही जीवन होता है। कोई भी दूसरा शब्द ये एक संकरित है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कैसा दिखाई देता है, यह वचन नहीं है।

513 वचन अपने स्वयं के जीवन को उत्पन्न करता है, जिसे हव्वा ने व्यक्तिगत ज्ञान के लिए बदल दिया। देखा आज कलीसिया ने कैसे किया है? किसी मनुष्य की समझ के द्वारा। मूसा के पास परमेश्वर की एक महान समझ थी जब तक कि वह जलती हुई झाड़ी में भेंट नहीं की, तब उसने अपनी असफलता को देखा। जलती हुई झाड़ी के पास वो चीज थी जिस चीज की मूसा में घटी थी। वचन के पास वो चीज है जो संप्रदाय में घटी है।

"वो, सिर, जो पुनरुत्थान का पहला फल है।"

514 हम इस पर आगे जायेंगे, "प्रकाशन"; बस थोड़ी देर और, यदि आप ऐसा कहे तो। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है। तो ठीक है, ठीक, बस अब थोड़ा सा लेंगे।

515 "वह पुनरुत्थान का पहला फल है।" क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ध्यान दे। तब, वो क्या है? "वह शरीर का सिर है, जो कि उसकी कलीसिया है, अर्थात दुल्हन का।" उह–हुंह।

516 तब, दुल्हन के शरीर को अवश्य ही सिर का अनुकरण करना है, क्योंकि यह उसके पुनरुत्थान का भाग है और रहस्य का भाग है। नहीं जाना ये इसके लिए असंभव है। ओह, प्रभु! यह परमेश्वर के रहस्य का भाग है, कैसे परमेश्वर ने स्वयं को यहां प्रकट किया और इसे वचन के द्वारा जिलाया, सो वह अपनी कलीसिया को प्रकट करता है और इसे उसी वचन के द्वारा जिलाता है। यह उसके तीन प्रकार के रहस्य का एक भाग है।

517 जैसे कब्र से उस सिर को निकाला गया था, वैसे ही शरीर को निकलकर वापस उसके साथ अदन की ओर जाना है। जहां, परिवार का मुखिया होता है, अर्थात वह पुरुष, वह दूल्हा; दुल्हन उस दूल्हे का शरीर होने पर, उसे अनुकरण करना ही है, क्योंकि वही वो सिर है। और सिर प्रकट हुआ है, और अनंत जीवन के साथ वापस आया है; और शरीर को इसका अनुकरण करना ही है, क्योंकि यह फिर से पति और पत्नी है। आमीन! और जब तक आप उसी वचन के साथ गर्भवती हैं, अर्थात जो उसका शरीर है; आपने

उसके शरीर को लिया है, उसी में बन गए, जब आपने वचन को लिया। ना ही मत–सिद्धांत को; लेकिन वचन को! ओह, प्रभु!

518 क्या यह आज दोपहर के संदेश के लिए आगे बढ़ने का एक अच्छा मूल पाठ नहीं होगा? हुह? ओह, क्या यह अद्भुत नहीं होगा? देखा? अब जरा इस पर सोचे, कि यह क्या है।

519 इसलिए, देह नहीं पहचान सकती... आप इससे मत चूकना। इसलिए, देह, वचन को छोड़ किसी और सिरत्व या प्रधानता को नहीं पहचान सकती। क्योंकि, वो—वो सिर देह के साथ जुड़ा हुआ है, और सिर वचन है, और यह वही वचन है, एक ही प्रधानता! इसलिए, वे संप्रदाय, और उनके पवित्र पिता, और बाकी की हर एक चीज, मृत गोबर है। वहां एक ही प्रधानता है, वह मसीह है। शरीर केवल एक चीज को पहचानता है, वचन!

520 अब मुझे दिखाओ कि किसी को कहाँ पर, "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम में शरीर में बपतिस्मा दिया था? और आप क्या पहचान को दे रहे हैं? देखिए, मुझे इस बात का एहसास है कि मैं हजारों लोगों से टेप पर, बात कर रहा हूं, आप जानते हो, और हमारे पास संसार भर में एक टेप की सेवकाई है। आपका बपतिस्मा किस नाम से हुआ है? "क्योंकि आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं दिया गया है," वचन ने कहा, "जिससे मनुष्य को बचाया जा सके।" यदि आपने मसीह में अपने विश्वास को दिखाने के लिए बपतिस्मा लेते है, और फिर एक संस्था के नाम को लेते हैं, तो आप एक संकरित हैं। यदि आप बिल्कुल उस कलीसिया के समान नहीं हैं और बिल्कुल उनकी शिक्षा के समान...

521 फिर, आप कैथोलिक लोग, देखिए, अब आप एक पोप के अधिकार के नीचे कैसे जा सकते हैं, यह कहते हुए कि वो पोप उन प्रेरितो के उत्तराधिकार के द्वारा उत्तराधिकारी है, मसी–... जो पतरस से है, और जबकि यह पोप और यह कलीसिया इस पहले वचन के बिल्कुल विपरीत सिखाते है जिसकी परमेश्वर ने पहचान दी, चिन्हों और अद्भुत कार्यो के द्वारा, उसकी कलीसिया होने के लिए पहचान दी? और उसी वचन को आज उसकी शुद्धता में प्रकट होते हुए देखना, उसी पुनरुत्थान को दिखाते हुए जो वहां उसके पास थी, परमेश्वर अपने लोगों के बीच में रह रहा है, उन्हीं चीजों को कर रहा है, तब आप रोम में एक प्रधानता को पहचान सकते हैं?

522 हमारी प्रधानता स्वर्ग में है। मैं रोम नहीं जाऊंगा; जब मैं मरूंगा मैं स्वर्ग

जाऊंगा। देखा? देखा? प्रधानता स्वर्ग में है।

523 और शरीर को सिर का अनुकरण करना है, जैसे पत्नी पति का अनुकरण करती है। क्योंकी आदम भरमाया नहीं गया था, पर वह हव्वा के साथ बाहर निकल गया। हव्वा भरमाई गई थी, वह अपराध में थी, अन्यथा पूरी देह का सम्पूर्ण पुनरुत्थान होकर सामने आ गया होता प्रभु यीशु के दिन में जब वह कब्र में से बाहर आया। लेकिन यीशु को उसे छुड़ाना था, जो कि उसका शरीर है। उसके पास आने के लिए उसे छुड़ाया जाना है। क्या आप इसे देखते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह प्रभु! देखिए, यह तब नहीं हो सकता था। छुटकारा होना जारी है।

524 अब आप मोहरों को देखते हैं? जब वह वहां पीछे अपने बिचवाई के कार्य में होता है, छुड़ाते हुए, लेकिन किसी दिन वह इस पुस्तक को लेने के लिए आगे आता है जिसे उसे छुड़ाया है। और जो कुछ इस पुस्तक में है, वह वही होगा, क्योंकि यही वो विश्वासी है, अर्थात पुस्तक के वचन, और वो वही वचन है। और वे सब जो उसमें है, वह इस छुटकारे की पुस्तक के लिए आगे आया, जिनके नाम संसार के बुनियाद डालने से पहले पुस्तक में लिखे गए हैं, जब वह एक मेमने के रूप में घात किया गया था।

525 और आज यहाँ वह अपने वचन में है, उसी चीज को प्रकट कर रहा है, जो उसने वहां की थी। वह दूसरे सिरत्व या प्रधानता को नहीं पहचान सकती। नहीं, महाशय। वहां कोई बिशप नहीं है, कुछ भी नहीं है। वह एक प्रधानता को पहचानती है, वह मसीह है, और मसीह वचन है। ओह, प्रभु! व्यूह! मैं इसे पसंद करता हूं। ओह! जी हां, महाशय।

526 जैसे कि सिर को कब्र में से उठाया गया था, वैसे ही उसके शरीर को अदन में उसके पीछे–पीछे जाना ही है। इसलिए, देह किसी भी और प्रधानता को नहीं पहचान सकती, सिवाय वचन की प्रधानता के।

527 कोई भी संप्रदाय इसमें कुछ भी नहीं डाल सकता है। "क्योंकि जो कोई भी इसमें से एक वचन को निकालेगा, या इसमें एक शब्द को जोड़ेगा, तो इसे इसमें से निकाल दिया जाएगा।" आप मर जाते हैं, संकरित, ठीक वहीं पर। वह यहाँ पीछे है, यह गवाही उसके हाथों में है, "उसके व्यभिचार की गंदगी, आत्मिक व्यभिचार में व्यभिचार करते हुए," उसी वचन के विरोध में जिस पर वह विश्वास करने का दावा करती है। देखा?

528 इसलिए, यह वचन है, या तो कुछ भी नहीं। यह सही बात है। वो, वचन!

आप कैसे जानते हैं कि यह सही है? वो, वचन, प्रमाणित हुआ है। समझे? वो, वचन, जो उचित रूप से प्रमाणित हुआ, वो प्रधानता है, कलीसिया का सिर है। वो वचन है, प्रधानता है। वो उचित रूप से पहचान देता है, पहचाना गया, प्रमाणित हुआ, उसकी स्वयं की आत्मा के द्वारा कलीसिया में होने के द्वारा, अर्थात वो व्यक्ति। प्रमाणित होने में स्वयं को दिखा रहा है, ये सम्पूर्ण देह के लिए सीधा प्रमाण है। तब आपको मत–सिद्धांत की आवश्यकता नहीं है। संप्रदाय नष्ट हो चुके हैं। लेकिन उसकी स्वयं की प्रधानता, व्यक्तिगत पहचान के द्वारा देह में पहचाना गया है, देखिए, स्वयं की पहचान को दे रहा है, देह के लिए प्रधानता को साबित कर रहा है। तब, हम एक प्रमाणित प्रधानता के नीचे एक हो जाते हैं, यही है, मसीह, परमेश्वर का वचन [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ना ही किसी भी कलीसिया के नीचे।

529 तब हमारी प्रधानता ये एक राज्य है। "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे भीतर है," बाईबल ने कहा, अर्थात यीशु ने। वो राज्य! हम एक संप्रदाय नहीं हैं। हम एक राज्य से संबंध रखते हैं, और वह राज्य परमेश्वर का वचन है जो हमारे अपने जीवन में आत्मा और जीवन बना, इस दिन में हर एक प्रतिज्ञा को पूरा करते हुए, जैसा कि उस दिन में किया जब वचन और परमेश्वर एक थे। और वचन और परमेश्वर आज अपनी कलीसिया में एक है, इसे देह की प्रधानता बना रहा है जो छुड़ायी गई है, ताकि अंतिम दिन में संदेश को लेकर आए; और पुनरुत्थान में मरे हुओं में से उठा ली जाएगी, कि वापस जाकर और फिर से वापस लौटाए जाये, जैसे आदम और हव्वा, आरंभ में अदन की वाटिका में थे। परमेश्वर का तीन प्रकार का रहस्य, उसकी देह! ओह, प्रभु!

अब ध्यान से, पुराने समय के इस्राएल को देखे, जैसे उन प्रतिछाया में। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

530 क्या मैं इस पर बहुत अधिक समय ले रहा हूं? [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।] मुझे नहीं, मुझे और आगे नहीं जाना... अब सुनना। अब हमारे पास लगभग बीस और पन्ने बचे है। देखा? देखा? लेकिन अब मैं... बस अभी थोड़ा सा, और फिर—फिर मैं आप सभी को जाने के लिए छोड़ दूंगा अगली गर्मियों तक, या किसी समय के लिए, यदि प्रभु ने चाहा तो। समझे?

531 अब देखिए। अब ध्यान दे, एक ही प्रधानता के नीचे एक साथ एक हो

गए, उसी प्रकार से, जो पुराने समय के इस्राएल का नमूना है। अब आप इसे समझ रहे है? पुराने समय के इस्राएल की तरह; एक परमेश्वर, अग्नि के स्तंभ के द्वारा प्रमाणित हुआ, और स्वयं को भविष्यव्यक्ता के द्वारा वचन होने के लिए प्रकट किया। वही परमेश्वर, वही अग्नि का स्तंभ, उसी तरह से; वह अपना तरीका नहीं बदल सकता। क्या यह... बस उतना ही सिद्ध जितना यह हो सकता है। क्या ऐसा नहीं है? समझे? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

532 एक परमेश्वर! इस्राएल के पास कितने परमेश्वर थे? [सभा कहती है, "एक।"—सम्पा।] दुल्हन के पास कितने है? ["एक।"] वहां पर हमेशा कितने होंगे? ["एक।"] निश्चय ही। निश्चय ही।

533 देखो, पवित्र आत्मा की अगुवाई के नीचे, मूसा के दिनों में जो अग्नि का स्तंभ था, वो महान भविष्यव्यक्ता। उसे अग्नि के स्तंभ के द्वारा निर्देशित किया गया था। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है। एक प्रतिज्ञा किए गए देश में जा रहे थे।

534 और मसीही युग में, वहां एक परमेश्वर था जो अग्नि के स्तंभ के रूप में प्रकट हुआ, एक भविष्यव्यक्ता के सामने जो पौलुस कहलाता है, जिसे अन्यजातियों के पास भेजा गया था, कि वह उसके नाम के ख़ातिर लोगों को बाहर निकाले। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

535 और अंतिम दिनों में, उसी तरह से नीचे उतर आया, स्वयं को प्रमाणित करते हुए, देखो, उसी चिन्ह में, वही अद्भुत कार्य, वही अग्नि का स्तंभ, वही सुसमाचार, वही वचन, वही प्रगटीकरण।

536 उसकी देह उसके कार्य को करेगी जिसकी उसने प्रतिज्ञा की है, जैसे मरकुस 16, और इत्यादि में। उसकी देह को कब्र में रोककर नहीं रखा गया, बल्कि पुनरुत्थान में उसके साथ पहचाना गया था। क्या आप इसे समझ रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तब, उसके विश्वास करने वाली संतान की जब वह आता है तो देह को कब्र में नहीं रोका जायेगा, लेकिन उसके साथ पहचानी जाएगी, क्योंकि वह अपनी दुल्हन, अर्थात् देह को फिर से जीवित करने के उद्देश्य से मरा। पहचानी गयी, क्योंकि यह उसकी देह है, क्योंकि यह वो वचन है। यह पूरी तरह से संप्रदाय की चीजों से अलग होकर उसके प्रति समर्पित है, और वो वचन है। समझे? और

यह उसके साथ पहचानी जाती है क्योंकि अब हमारे पास हमारे पुनरुत्थान का पहला फल है। यह जानते हुए कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं, उसके कैदी बन गए हैं। और परमेश्वर, अपने व्यक्तिगत प्रधानता के द्वारा हमें साबित कर रहा है कि वह कल और युगानुयुग एक सा है, कलीसिया के जरिये से उन्हीं कामों को करते हुए जो उसने तब किए थे, "वह मुझ में है, और मैं उसमें, तुम में," आप जानते हैं, इत्यादि। यह सही है।

537 उसकी देह को कब्र में रोककर नहीं रखा गया था। उसके साथ पुनरुत्थान में पहचानी गई, वैसे ही जैसे वो अब है, सुनना, जिसका यह अर्थ है: उसका वचन, जो कि वो स्वयं है, जी उठना आरंभ हो चुका है। वो वचन, जो लूथर, वेस्ली के युग में से होते हुए, देखो, अपनी सामर्थ में ऊपर उठना आरंभ होता है; वहां यह आगे बढ़ना आरंभ होता है, तब यह थोड़ा और आगे बढ़ा, अब यह एक पहचान देने के लिए ऊपर आ रहा है। देखा? ध्यान दे। अब, देह में जीवन के लिए, ये रेपचर का प्रमाण है कि ये अब निकट है। जब आप सिरत्व और देह को एक होते हुए देखते हैं, और उसके प्रकटीकरण के माप की पूर्णता को देखते हैं, ये दिखाता है कि उस सिरत्व या प्रधानता को ग्रहण करने के लिए देह लगभग तैयार है।

राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है।

538 देखा मेरा क्या अर्थ है? उसने अपनी देह को जीवन देना आरंभ कर दिया है, (क्यों?) उसी एक को जिसे उसने छुड़ाया है। बिचवाई का काम पूरा हो गया है, वह अपने जीवन को देह में ला रहा है, एक प्रमाण में रेपचर के लिए। याद रखें, अब, अंतिम दिन में...

539 मैं—मैं, यदि आप बस थोडा सा इस पर बस मेरे साथ धीरज धरे, अब—अब, तो यह ठीक रहेगा। मैं नहीं चाहता कि आप इसे चूक जाये। मैं—मैं, और मुझे—मुझे अब इस बात को टेप पर लेना है, क्योंकि मैंने इसे अभी यहां से आरंभ किया है। एक और बड़ी टिप्पणी को मैं करना चाहता हूं, यदि मुझे इसमें से थोड़ा सा आगे बढ़ना पड़े।

540 अब ध्यान दें। इसे सुनना। अब यह बड़ी बात है। अब यही है जहां हम देखना चाहते हैं। याद रखें, अंतिम दिनों में, बिल्कुल ठीक पीछे जाकर और पहले दिन को प्रमाणित करेगा; देखो, आदम और हव्वा, पति और पत्नी, कोई पाप नहीं, जीवन; उसके बाद गिरावट। ध्यान दे, ध्यान से देखें।

उसे घुमा देता है। उह–हुंह।

541 ध्यान दें। इसका क्या कारण था? लूसिफर! लूसिफर अभी कर रहा है जैसा उसने पहली बार किया था।

542 ठीक जैसे अन्यजातियों का राज्य राजा नबूकदनेस्सर के साथ लाया गया था, एक भविष्यव्यक्ता के द्वारा अन्यजाति के लोगों को प्रमाणित किया जो अन्य भाषाओं, दर्शनों, सपनों का अनुवाद कर सकता था। और यह अन्यजातियों में से होते हुए आया, बिना किसी चीज के, बस मादी–फारसी, और लोहा और इत्यादि चीजें, और पैरों में यह फिर से उसी तरह से बाहर चला जाता है, अन्यजाति का राज्य।

543 ध्यान दें, कि अंतिम दिनों में लूसिफर, वही कर रहा है जैसा उसने पहले किया था। लूसिफर ने क्या किया? पहला काम जो लूसिफर ने किया कि परमेश्वर और मनुष्य की संगति को अलग करे, वह अपने लिए एक संयुक्त राज्य का निर्माण करना चाहता था, एक वैभवशाली और देखने में अधिक सुसंस्कृत, उससे भी बड़ा एक राज्य, जो मिकाएल, अर्थात मसीह के पास था।

544 आपने इसे समझा? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब, अब यदि आप इससे चूक जाते हैं, तो बस अपने हाथ को ऊपर करे, मैं इसे फिर से कहूंगा, आप देखो। समझे?

545 लूसिफर, आरंभ में, हृदय में उसका उद्देश्य यह था कि जो मसीह के पास था उससे भी बढ़कर स्वर्ग में एक उज्ज्वल और बढ़कर चीज को हासिल करे। क्या यह सही है? ऐसा प्रतीत होता है कि मसीह के राज्य की तुलना में और अधिक सभ्य, अधिक सुंदर, अधिक वैभवशाली हो। क्या आपको लगता हैं कि हमारे पास सह–शताब्दी में मोटर–गाड़ियां, और हवाई जहाज होंगे? देखा? देखा लूसिफर क्या कर रहा है?

546 अब, बड़े–बड़े दिखावटी बौद्धिक संप्रदाय बिल्कुल उसी चीज को कर रहे हैं, खुद को एक साथ इकट्ठा कर रहे है ताकि उसी काम को करे। समझे? वे इकट्ठा हो रहे हैं और खुद को सांप्रदायिक बना रहे हैं, हर कोई एक दूसरे को हराने की कोशिश कर रहा हैं। और अब उनके पास इतनी वैभवता है, वे नहीं जानते कि क्या करना है, सिवाय इसके कि इसे कैथोलिक कलीसिया के साथ एक करे। समझे? लूसिफर फिर से एक बड़े राज्य का निर्माण कर रहा है, ताकि उन लोगों को बाहर करे जो संप्रदायों में विश्वास नहीं करते

हैं; और यहां तक कि उनकी कलीसिया की इमारतों को लेकर और गोदाम बनाते हैं, और इस तरह के पास्टरो के पास बिल्कुल कोई अधिकार नहीं होता है।

547 और एक मनुष्य जो परमेश्वर का भेजा हुआ मनुष्य है, इसे सुनने या इसे देखने के बाद कभी भी एक संप्रदाय में नहीं रहेगा, यदि उसके—यदि उसके पास पर्याप्त समझ है कि वहां पर जाकर और इसकी ओर देख सके। निश्चित रूप से। देखा? मैं इसे आलोचनात्मक रूप से नहीं कहता; मैं इसे सच्चाई से कहता हूं, देखो, कि इसे प्रकट होते हुए देखें।

548 ध्यान दें, इन अंतिम दिनों में, लूसिफर उसी काम को कर रहा है। क्या आप इसे देख सकते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] शैतान उसी काम को कर रहा है, एक संकरित कलीसिया का निर्माण कर रहा है, एक संकरित सदस्यों के द्वारा एक संकरित, वचन को लेने के बजाए ज्ञान के द्वारा संकरित कर रहा है, फिर से जन्मे मनुष्यों के बजाए बुद्धिमान मनुष्यों के द्वारा, एक बुद्धिमान राज्य का निर्माण कर रहा है जो मसीह के छोटे झुंड से आगे निकल जाये। देखा? यह क्या है जिसने ऐसा किया? गिरे हुए दूत।

549 बाईबल ने कहा कि यह गिरे हुए दूत थे जिन्होंने मसीह के बजाये लूसिफर की बात सुनी, वे लोग जो एक समय उसके थे। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

550 अब ध्यान से सुने, "गिरे हुए दूत।" किस प्रकार के दूत? लूथर, वेस्ली, कैथोलिक, पेंटीकोस्टल, जिन्होंने अपनी पहली अवस्था को नहीं बनाये रखा जैसे उन दूतों ने किया, और संगठन में गिर चूके है, जैसे लूसिफर की मुख्य पकड़ निसिया में थी। और उन्होंने क्या किया है? एक बड़े सेवकों के विश्वव्यापी संघ को संगठित किया, जिससे कि "पशु की एक मूरत," को बनाये, जैसा कि बाईबल ने कहा। और एक मसीही अर्थव्यवस्था को बना रहे है जो इस कलीसिया के दरवाजे को बंद कर देगा और इस तरह से दूसरी कलीसियाओ के। लूसिफर को उसके काम में देख रहे हैं?

551 मैं आपके लिए तीन प्रकार के प्रकाशन को लाने का प्रयास कर रहा हूं, या परमेश्वर के रहस्य को।

552 उन्होंने क्या किया? ज्ञान और शिक्षा के तर्क–वितर्क के लिए बिक गए, जैसे हव्वा ने किया, गिरे हुए दूतों ने किया। वेस्ली परमेश्वर का जन था;

लेकिन उसके जाने के बाद क्या हुआ? गिरे हुए दूत इसमें आ गए। पहले वे दूत क्या थे? परमेश्वर के सृष्टि किए हुए जीव, लेकिन लूसिफर के ज्ञान के लिए गिर गए, लूसिफर—लूसिफर के ज्ञान के लिए गिर गए। और आपने देखा कि वे क्या बन गए? गिरे हुए दूत। और वे संगठन, परमेश्वर के लोगों से जो धरती पर सच्चाई को स्थापित करने के लिए आगे बढ़े; इससे पहले कि सत्य आगे बढ़ कर और घोषणा कर पाता और मसीह के सच्चे प्रकाशन तक पहुँच पाता, गिरे हुए दूतों ने वहां अंदर आकर और इसे हस्तक्षेप करके और इसमें से संप्रदायों को बनाया।

553 यही कारण है कि सात मोहर के रहस्य का प्रकाशन प्रकट किया जाना था।

554 अब आप इसे देखते हैं? उन्होंने जो छोड़ दिया, यदि लूथर आगे बढ़ गया होता, तो ये यहां पर होता। यदि वैसली आगे बढ़ गया होता, यदि पेंटीकोस्ट आगे बढ़ गया होता, तो उन्होंने क्या किया होता?

555 अब वहां केवल एक ही बात हो सकती है। अंत के समय में एक संदेश होना ही है, जबकि इसके पीछे और कुछ नहीं हो सकता। और अब विश्वव्यापी कलीसिया के संसार ने ऐसे शासन काल को स्थापित कर दिया है कि वहां कोई भी ऐसा संप्रदाय और ना ही कोई भी और इसका अनुकरण कर सकता है; आप या तो इसमें हैं या तो आप इसमें नहीं हैं। फल पेड़ के सबसे ऊपर हिस्से में लगते है, और उजियाला उस पहले से ठहराये हुए फल पर चमकता है। और वह मसीह के जैसे फलों में पक रही है, उसी कोमलता और मिठास को लाते हुए, और उसी आत्मा को लाते हुए जो मसीह के अंदर था। आशा है कि आप इसे समझेंगे! देखा?

556 मैं—मैं एक दिन में बहुत कुछ बातें रखने की कोशिश कर रहा हूं। मैं आपको थका रहा हूं। [सभा कहती है, "नहीं।"—सम्पा।]

557 सो, देखो, वे तर्क–वितर्क के लिए बिक गए है, संप्रदाय के तर्क–वितर्क के आगे बिक गए है। "काश मैं अब *इस* कलीसिया का सदस्य हो सकता! इस कलीसिया में वो—वो मेयर जाता है।" देखा? "काश मैं एक मेथोडिस्ट, या एक प्रेस्बिटेरियन हो सकता।" जरा देखिए कि वे कहां चले गए हैं। अब, मैंने अभी–अभी इसे समझाया है, उन शाखाओं को कांटा–छांटा गया है। वे मरे हुए हैं। वे मसीह के साथ अब और जुड़े हुए नहीं हैं; वे उसी जीवन को लाते है। वे इसके साथ जुड़े हुए नहीं हैं।

558 लेकिन वे—वे एक खट्टे फल के जैसे हैं। कोई भी खट्टे फल, खट्टे पेड़ पर ही जीयेगा, लेकिन यह अपने खुद के फल को हो लायेगा। आप एक अंगूर को नारंगी के पेड़ में—में साँटते हैं, यह नारंगी के पेड़ के द्वारा जीवित रहेगा, लेकिन यह अंगूर को ही उत्पन्न करेगा। आप वहां एक नींबू की डाली को साँटते हैं, यह एक खट्टा फल है, यह एक खट्टे नींबू को लेकर आएगा, लेकिन यह उस पेड़ के जीवन से जी रहा है। और यही है जो वे संप्रदाय कर रहे है, कलीसिया के नाम के नीचे।

559 यह दुल्हन है जो मूल पेड़ है, अर्थात मूल आत्मा। प्रकाशन मसीह की ओर से आता है, ना कि संप्रदाय से। मसीह! ध्यान दें।

560 संप्रदाय क्या करने की कोशिश कर रहा है? लूसिफर के समान अपने आप को ऊँचा उठाने की कोशिश कर रहा है। वे स्वयं को "कलीसिया, दुल्हन" कहकर बुलाते हैं। जो कि, वे प्रकाशितवाक्य 17 में है, जैसा कि बोला गया है, ये झूठी दुल्हन है। ऊपर मसीह का छोटा झुंड, अर्थात दुल्हन; लूसिफर सोचता है और अपने आप को प्रकाशन के ज्ञान के द्वारा परमेश्वर की सच्चाई के नम्र वचन से ऊपर उठाता है, और अपने आप को एक धर्म विद्यालय की शिक्षा और धर्म ज्ञान के द्वारा स्थान में रखता है जब तक कि वे अपने आप को ऊपर नहीं उठा लेते हैं। और यदि आप उनके झुण्ड के साथ जुड़े हुए नहीं है, तो आपकी गिनती व्यर्थ या तिरस्कृत लोगों में की जाती है।

561 जैसा कि लूसिफर ने आरंभ में किया, लोगों से बिल्कुल ठीक वही कह रहा था जो लूसिफर ने हव्वा से कहा था, "निश्चय ही परमेश्वर हमें ग्रहण करेगा! हम गरीबों को खाना खिलाते हैं।" यह अच्छी बात है। "निश्चय ही वह हमें ग्रहण करेगा। हम एक बड़ी संप्रदाय है। हम एक सुंदर कलीसिया है। क्यों, हमारी बड़ी–बड़ी इमारतों की ओर देखो! हमारी बड़ी सदस्यता की ओर देखो। हम लाखों की संख्या में खड़े हैं। निश्चय ही परमेश्वर उस झुण्ड को नहीं ठुकराएगा।"

562 वही चीज जो कैन ने की, उस भूमि से सुंदर फलों को लेकर आया, जिसे उसने जोता था, और परिश्रम किया था, और काम किया, और फलों को लेकर आया, और मेमने के नम्र लहू को अस्वीकार किया।

563 परमेश्वर दया करे, कि पुरुष और महिलाएं ऐसा ना सोचें कि मैं इसे किसी चीज को ऊंचा करने के लिए कह रहा हूं, या मेरा कोई व्यक्तिगत

प्रकाशन है या कुछ तो ऐसा ही। मैं केवल आपको सत्य बता रहा हूं। क्या आप नहीं देख सकते कि वे क्या कर रहे हैं? समझे? मैं इसे जोर से और कठोरता से बोलता हूं, लेकिन आपको एक कील को तब तक अंदर डालना है जब तक कि ये पकड़ को नहीं बना लेता है, यदि यह कुछ अच्छा करने जा रहा है, देखो, जब तक आप इसे देख नहीं लेते। समझे?

564 अब, लोगों से कहते है, "निश्चय ही! क्या आप मुझसे यह कहना चाहते हैं कि हमारी महान कैथोलिक कलीसिया, जो इतने समय से टिकी हुई है, हमारी महान मैथोडिस्ट कलीसिया, और यह सभी? हमारे पूर्व–पिताओं की ओर देखो!" समझे? लेकिन उन्होंने तो प्रभु के वचन को तोड़ दिया। और हव्वा परमेश्वर की, उसकी एक, और वह... हव्वा आदम की एक उप–उत्पादन थी; और क्योंकि उसने परमेश्वर के वचन के केवल एक वचन पर संदेह किया, इसी ने ऐसा किया।

565 और यहां लूसिफर आज फिर से अपने काम पर है। और, याद रखें, मसीह विरोधी साम्यवाद नहीं है। मसीह विरोधी इतना नजदीक है जैसे कि वास्तविक चीज हो, इतना तक कि, "यदि यह संभव होता तो यह चुने हुए को भी भरमा देता," यीशु ने कहा, मत्ती 24, "चुने हुए यदि यह संभव होता था तो।" लूसिफर, फिर से, लूसिफर फिर से मनुष्य में परमेश्वर की एकता को तोड़ रहा है, उसके—उसके द्वारा परमेश्वर के वचन को उसके तर्क–वितर्क तक सीमित रखते हुए। जो वो सोचता है यह सही है, और जो वो सोचता है, वो परमेश्वर के वचन को तोड़ देता है।

566 और वही चीज जो उसने यीशु के दिनों में भी की। और यीशु ने कहा, "तुम अपने रीति–रिवाजों के द्वारा परमेश्वर के वचन को निष्फल कर देते हो।"

567 और वे संप्रदायो, उनके संगठित बौद्धिक तर्क–वितर्क के द्वारा, परमेश्वर के वचन को लोगों पर बेअसर बना दिया है। यह सही बात है। वे बस इसे नहीं देख सकते। फिर वे कहते हैं, "बाईबल का परमेश्वर कहां है? " वह ठीक यहाँ पर है। वो बाईबल है, यही तो वो है।

568 ध्यान दें, अब, लूसिफर धूर्तता के साथ आता है, और मनुष्य के लिए परमेश्वर की एकता को तोड़ता है, ठीक जैसे उसने अदन में किया, उस आत्म–शक्ति और पद–प्रतिष्ठा की प्रतिज्ञाओं के बड़े–बड़े प्रलोभन देने के द्वारा। "क्यों, आप एक बिशप बन सकते हैं यदि आप बस हमारे साथ बने

रहेंगे। आप एक जिला पुरोहित बन सकते हैं। आप इस तरह की किसी चीज के साथ क्यों जाओगे? " देखो, यही पेंटीकोस्टल, कैथोलिक और इत्यादि है; देखिए, वचन के बाहर सामर्थ और परमेश्वर की प्रतिज्ञा को पाने के लिए मनुष्यों के लिए एक बड़ी झूठी प्रतिज्ञा। आप सामर्थ को पाते हैं जब पवित्र आत्मा आप पर आता है, ना ही जब आप एक बिशप बनते है, या एक डिकन, या जो कुछ भी वो होता है। देखा? लेकिन लूसिफर फिर से अपने काम पर है।

569 क्या यह कलीसिया इसे समझ रही है? अपना हाथ उठाये ताकि मैं इसे देख सकूं। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है, तब मैं इस बात के साथ अब और अधिक बना नहीं रहूंगा।

परमेश्वर के वचन से कट कर अलग होना! देखा?

570 उसने निसिया, रोम में भी ऐसा ही किया। आप जानते हैं कि कॉन्स्टेंटाइन ने उन्हें क्या दिया? आप कलीसियायी युगों में से होकर गए है। उसने... उनके पास कुछ भी नहीं था, सिवाय मसीह के। और वे छोटी–छोटी पुरानी इमारतों में कहीं भी सख़्त पत्थरों के फर्श पर बैठ सकते थे। आप जानते हैं कि, यदि आपने *निसिया परिषद* को, और *पूर्व निसिया परिषद* को पढ़ा है, और *निसिया के पूर्व–पिता*, और इत्यादि किताबों को, और कलीसिया का इतिहास पढ़ा है। उनके पास कुछ भी नहीं था। लेकिन जब उनके पास यह परिषद था और कुछ रोमन पागानवाद को मसीहत के अंदर डाल दिया, और पवित्र लोगों और बिशपों, और इत्यादि लोगों को, और वे पोप, और इस तरह की सारी बकवास बातों को डाला, कॉन्स्टेंटाइन ने उन्हें क्या दिया? मैं किसी भी धर्म ज्ञानी से पूछता हूं कि मुझे बताये। उसने उन्हें संपत्ति दी। उसने उन्हें आज़ादी दी और वह सब जो वे चाहते थे।

571 और उन्होंने परमेश्वर के वचन को मनुष्य की बुद्धि और संस्कृति के लिए इधर–उधर कर दिया! और इसी चीज को लूसिफर ने उस समय पर किया, उसने ऐसा अदन की वाटिका में किया, और वे ठीक वहीं पर मर गए। पेंटीकोस्टल कलीसिया रोम के निसिया में मर गई, लेकिन अंत के दिनों में दुल्हन के पेड़ में पुनरुत्थित होगी।

572 ध्यान दें, लूसिफर अंदर आता है, धूर्तता करते हुए, जैसे उसने तब किया था, और परमेश्वर के वचन से अलग करके, शक्ति के बाहर, प्रलोभन

और झूठी प्रतिज्ञाओं के द्वारा। उसने निसिया, रोम में ऐसा ही किया। वह आज विश्व कलीसियाओं के परिषद के संघ में ऐसा ही कर रहा है।

573 "आओ हम सब एक हो जाये," पोप कहता है। "मैं चाहता हूं कि मेरे सारे विश्वव्यापी कलीसिया के भाई लोग मेरे साथ एक हो जाए। हम एक हैं।" यह सही बात है, संगठनाओ में आप एक है। लेकिन इसका मसीह की दुल्हन से कोई लेना–देना नहीं है; जरा भी नहीं, भाई। आप उसे कभी भी इस तरह की किसी भी चीज से नहीं धोयेंगे।

574 अब यह प्रतिज्ञा की गई है, अंतिम दिनों में, कि मूल विश्वास उसी में... परमेश्वर की संतानो को दुल्हन रूपी पेड़ के समय पर लौटाया जाएगा। मलाकी 4, परमेश्वर ने कहा, "इससे पहले कि संसार आग से भस्म हो जाए, देखो, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा, और वह बच्चों के विश्वास को वापस लौटाएगा।" अब, यह पहला एलिय्याह नहीं था जो आया। नहीं, नहीं।

575 अब, हम यहां एलिय्याह के वस्त्र और एलिय्याह के कंबल की, और इस तरह की सारी चीजों की शिक्षा नहीं देते है। हम तो केवल परमेश्वर के वचन की शिक्षा देते हैं। देखा? यही है जो उसने कहा। देखिए, हमारे पास सभी प्रकार के एलिय्याह *यह* और एलिय्याह *वो* है, जो कि बेकार की बातें है। यही—यही... हम यह जानते हैं। वह... मैं इसके बारे में बात नहीं कर रहा हूं, और आप जो आत्मिक–मन के लोग है इसे समझते हैं। देखो, जैसे कि देर हो रही है, समय निकल रहा है, और अवश्य ही यह सब इस टेप पर नहीं डाला जा सकता है।

अब, अंत के दिनों में प्रतिज्ञा। अब यदि...

576 यीशु ने कहा, मत्ती में—में, मैं सोचता हूं, 11वां अध्याय या 6वां अध्याय, और 11वां... नहीं, यह 11वां अध्याय है और लगभग 6वां पद है। जब यूहन्ना ने अपने चेलों को वहां भेजा कि देखे कि क्या वह वास्तव में वही एक था, यीशु ने कहा, "तुम वहां बाहर किसे देखने गए थे? एक—एक—एक हवा... एक सरकंडे को जो हवाओं से हिलता है? क्या तुम *फलां–और–फलां* को देखने के लिए वहाँ बाहर गए थे?" उसने कहा, "या तुम एक भविष्यव्यक्ता को देखने गए थे?" उसने कहा, "एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर।" यूहन्ना एक भविष्यव्यक्ता से बढ़कर था; वह वाचा का संदेशवाहक था। और उसने कहा, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, तो

यह वही है जिसके विषय में भविष्यव्यक्ताओं के द्वारा बोला गया है, 'मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे–आगे भेजूंगा।'"

577 अब, यह मलाकी 3 में है, ना कि मलाकी 4 में। क्योंकि, एलीशा जो मलाकी 4 में आना था, धरती को भीषण गर्मी से जलाया जाना था, और धर्मी जन को सह–शताब्दी में दुष्टों की राख पर चलना था। देखा? तो यह वो एक नहीं है। देखा?

578 अब हम प्रतिज्ञा को पूरा होते हुए देख रहे हैं। मसीह, सच्ची प्रधानता अंदर जा रही है, उसकी दुल्हन में आ रही है, उन्हीं कामों को करते हुए जो उसने आरंभ में किए थे, और तैयार कर रहा है और अपने वचन को पूरा कर रहा है, जैसा उसने पहले किया, यूहन्ना 14:12 में, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा।" तब, कामों में और चिन्हों में और जीवन में वो सिर और शरीर एक बन रहे हैं, अंत के दिनों के लिए अपने प्रतिज्ञा किए हुए वचन के जरिये से स्वयं परमेश्वर के ज़रिए प्रमाणित होता है। उसने अंतिम दिनों में इसकी प्रतिज्ञा की है। अब, यदि आप आत्मिक है, तो आप इसे पकड़ लेंगे।

579 तब, हम देख सकते हैं कि विवाह का भोज निकट है। अब, यदि मैं आपको फिर कभी न मिलूं, तो याद रखना, विवाह का भोज निकट है। और फिर प्रतिज्ञा के अनुसार राज्य स्थापित होने को तैयार है, वो महान सह–शताब्दी, कलीसिया का ऊपर उठाया जाना, और दुष्टों को नाश करता है। और संसार, छठवी मोहर के नीचे, ज्वालामुखी से शुद्ध होने के लिए, कि संसार की सारी भ्रष्टता और पाप को लेकर और उसे फिर से आकार में ढाले, और आने वाले युग के लिए एक उज्वल नई सह–शताब्दी को लेकर आए।

580 जब, हम इन सब महान तीन प्रकार के प्रकाशन को देखते है: परमेश्वर मसीह में; मसीह कलीसिया में; राज्य आ रहा है। आदम और हव्वा को अदन की वाटिका में वापस छुड़ाया जाता है, मसीह और उसकी दुल्हन के प्रतिनिधित्व में, और उसके बाद वो राज्य उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार लौटाया जाएगा। परमेश्वर की स्तुति हो! अब, तीन प्रकार के रहस्य के प्रकाशन के द्वारा, अर्थात वो भेद, और व्यक्तिगत प्रमाणित वचन के द्वारा उसके मूल प्रधानता के द्वारा!

581 ना ही ये कहते हुए, "खैर, परमेश्वर की महिमा हो, हम चिल्लाते हैं;

हाल्लेलुय्या, हम गाते हैं।" यह ऐसा नहीं है। मैं एक मिशनरी हूं। मैं व्यावहारिक रूप से दुनिया भर में सात बार गया हूं। देखा? मैंने मूर्तिपूजको, शैतानो को और बाक़ी की हर एक चीज को देखा है, नाचते और चिल्लाते हुए। मैंने सभी प्रकार के शारीरिक प्रगटीकरण को देखा है। यह शारीरिक है।

582 लेकिन मैं मसीह की प्रधानता के बारे में बात कर रहा हूं। ध्यान दें, मूल प्रधानता या सिर के द्वारा व्यक्तिगत रूप से पहचान देने के कारण, हमारे पास शैतान के प्रश्न का उत्तर है। आमीन! महिमा! हमारे पास शैतान के प्रश्न का उत्तर है। वो, मसीह, जी उठा है और उसने दाम को चुकाया है, और सिर को... मतलब देह को उठा कर खड़ा कर रहा है।

583 शैतान इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। यही कारण है कि ये विश्वव्यापी राज्य स्थापित किए जा रहे हैं। यही कारण है कि वे सब इसके अंदर आ रहे हैं जो वे अभी कर रहे हैं। शैतान, यही वो कारण है कि वो इस तरह से चिल्ला रहा है। उसकी दुष्टता का... उसकी योजना बेपर्दा हो चूकी है जी उठने के द्वारा, पुनरुत्थीत मसीह उसकी देह के ऊपर प्रधानता में जी उठा है। महिमा हो!

584 आप सोचते होंगे कि मैं अपने आपे में नहीं हूं? मैं नहीं हूं। हमारे पास शैतान का उत्तर है। "मैं नहीं जीता, लेकिन मसीह वो वचन जो मुझ में जीता है।" यह मेरा विचार नहीं है; यह उसकी सामर्थ है। ना ही मेरा विचार; यह उसका वचन है। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है; यह यहाँ है। उसने कहा कि यह यहां पर होगा, और यह यहां पर है। हमें उसका उत्तर मिल गया है।

585 मसीह जी उठा है और हमारे छुटकारे का दाम चुकाया है। जो परमेश्वर ने मसीह में प्रगट किया, उसने उस देह को दिया, अर्थात उसे और लहू को दिया; ताकि उस लहू में जीवन आ सके, और वो देह छुड़ाई जाए, कि—कि परमेश्वर इस छुडाई हुई देह में अपने वचन को उस दिन के लिए प्रकट कर सके जैसा उसने उस दिन में किया था। व्यूह! महिमा!

586 आप इसे देखते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, प्रभु! मैं कब रुक सकता हूं? इस पर ध्यान दें। ["आगे बढ़िए!"]

587 तब, हम परमेश्वर की उपस्थिति में धर्मी ठहरते हैं। जैसे स्याही की एक बूंद ब्लीच से भरे एक—एक—एक बाल्टी में गिरती है, आप कभी भी उस स्याही के निशान को अब और नहीं पाएंगे। यह कहीं तो चला गया। यह फिर से कभी भी वापस नहीं आएगा। और जब मनुष्य वास्तव में छुड़ाया

जाता है, वो पहले से ठहराया हुआ बीज जो इसे देखता है और इसे स्वीकार करता है, उसके पाप ध्वस्त हो जाते हैं। यह चला गया है। इसे अलग किया गया है। यह यीशु मसीह के लहू की—की स्याही में डाला गया है, और इसे कभी भी याद नहीं किया जाएगा। परमेश्वर इसे भूल जाता है। और वह परमेश्वर के बेटे और बेटी के रूप में परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा होता है। आमीन और आमीन! "अब हम परमेश्वर के पुत्र हैं।" ना ही हम *होंगे*; हम है! अब हम छुड़ाये गए हैं।

588 हमारे पास शैतान का उत्तर है। परमेश्वर ने स्वयं को प्रमाणित किया है। परमेश्वर ने इस दिन में अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार स्वयं को साबित किया है। हाल्लेलुय्या! प्रधानता यहाँ पर है। आमीन! मसीह, जी उठा प्रभु, ये यहां पर उसके पुनरुत्थान की उसी सामर्थ में है जो वह हमेशा से था, स्वयं को प्रकट करते हुए। वहां पर शैतान का उत्तर है।

589 यही कारण है कि जब यह मनुष्य यहां बैठा हुआ है, एक दिन यहां पर बैठे–बैठे मर गया, हम ऐसा कह सकते थे, "जीवन, वापस आ जाए!" क्योंकि पवित्र आत्मा ने ऐसा कहा।

590 यही कारण था कि वह मेक्सिको में उस छोटे बच्चे के साथ ऐसा कर सका, जो लगभग पंद्रह घंटे से मरा हुआ था, जब दर्शन आया और कहा, "इसे वापस बुल–... जीवन में वापस बुलाओ।" और कहा, "छोटा बालक जीवित होने दो।" और वो बालक जिसके लिए डॉक्टरों ने एक बयान लिखा था, कि वो उस सुबह को नौ बजे मर गया, और उस रात को ग्यारह बजे जीवन में वापस आ गया; वो आज जीवित है।

591 यह क्या है? ना ही वे लोग। सिरत्व और शरीर एक इकाई बन चूके हैं। यह परमेश्वर है जो अपने लोगों में प्रकट हुआ है। यही वो कारण है कि पति और पत्नी अब दो नहीं रहे; वे एक है। परमेश्वर और उसकी कलीसिया एक है, "मसीह तुम में," परमेश्वर का महान प्रकाशन। परमेश्वर की महिमा हो! यहां तक कि उसके नाम को धारण करते हुए; उसका नाम यीशु है, वो अभिषिक्त। वो कारण कि वह यीशु कहलाता है, वो अभिषिक्त है। यह मसीह की अभिषिक्त देह है, साबित करते हुए, परमेश्वर प्रकट हुआ जैसे उस देह ने किया। और वो देह इनमें से हर एक को छुड़ाती है, इन देहों को, और वहां से होते हुए परमेश्वर उसके तीन प्रकार के प्रगटीकरण के काम को करता है, राज्य की ओर जाते हुए। जी उठा, दाम को चुकाया! हमें छुड़ाया

जाता है। परमेश्वर ने इसे साबित किया है, इसे प्रमाणित किया है। समझे?

592 और हम उसके सामने मसीह में धर्मी ठहरकर खड़े होते हैं। क्योंकि, वह न्याय की स्वीकृति को नहीं दे सकता है, क्योंकि उसने पहले ही उस देह का न्याय कर लिया है, जिसमें का मैं एक भाग हूं। क्या, मैं कैसे इसका एक भाग होता हूं? *यहां* पर है ये; यह मेरे अंदर है। "यदि मेरा... तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे, तब तुम जो चाहो मांगो... मेरे नाम में पिता से कुछ भी मांगो, यह हो जाएगा, क्योंकि यह वहां पर है।" धर्मी ठहराया गया! परमेश्वर की महिमा हो!

593 ओह, काश मैं दुनिया को यह दिखा पाता! क्यों? आप वहां है। यहां मसीह की देह जीवित है, छुड़ाई हुई खड़ी है। छुड़ाई हुई! ओह, प्रभु!

594 उसकी दृष्टि में धर्मी ठहरना! हम क्यों धर्मी ठहराये गए हैं? हम उसकी विजय है। कलीसिया उसकी विजय है। हम इस अंतिम दिनों में इस महिमामय सुसमाचार के साथ आगे आते हैं, उसकी विजय को दिखाते हुए। वह इसी उद्देश्य के लिए मरा, और हम उसकी विजय के प्रमाण हैं। आमीन! जब हम उसे आते हुए देखते है और कलीसिया के बीच में जीते हुए, यही उसकी विजय है। यह दिखाता है कि वह उसे कब्र में रोक कर नहीं रख सकता, ना ही वे हमें रख सकते है। यह सही है। हम सही रीति से बंधे हुए हैं। और हम पहले से ही, संभावित रूप से, जी उठे हैं, क्योंकि हम मरे हुओं में से, उसके वचन में अविश्वास से, संप्रदाय के मत–सिद्धांत से जी उठे है, अनंत परमेश्वर के एक अनंत वचन के लिए; जो वो स्वयं है, वो ख़ुद, हमारे द्वारा कार्य कर रहा है, स्वयं को प्रकट करते हुए कि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

595 और फिर वचन उस सिर से उस देह के अंदर आगे की ओर बढ़ता है। यह क्या है? यह वही वचन है। इसमें से कुछ भी जोड़ा या निकाला नहीं जा सकता है। तो वही वचन उस सिर से आगे बढ़ता है, जैसे–जैसे दिन नजदीक आता है, नीचे देह में आता है, नीचे देह के अंदर, यह प्रमाणित करते हुए कि वे एक हैं। वे पति और पत्नी हैं। वे उसके मांस में का मांस हैं, उसके वचन में का वचन; उसके जीवन में का जीवन, उसकी आत्मा में की आत्मा है। समझे? आमीन! आप इसे कैसे जानते हैं? वही गवाही, वही फल, वही वचन को दिखाते हुए। समझे? मसीह को प्रकट करते है; वही जीवन, वही परमेश्वर, वही आत्मा, वही वचन, वही किताब! आमीन! वही

चिन्ह, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे।" ओह, हाल्लेलुय्या! ओह!

596 ध्यान दें, उसकी देह में प्रमाणित वचन ये उसकी वही विजय है और उसकी मृत्यु का कारण। देखिए, वो मृत्यु, ना ही आत्मा में; जब वह मरा, वह तो केवल देह में मरा। उसका आत्मा अधोलोक में गया और कैद में बंद प्राणों को प्रचार किया। यह सही है? केवल उसकी देह मरी, तब उसने उसे फिर से उठा कर खड़ा किया और इसे जिलाया। *जिलाने* का अर्थ होता है, "जीवित किया गया," उसकी देह, जो कि उसका शरीर था। और यही वो वचन है। यह वर्षों से वहाँ मरा हुआ पड़ा है, लेकिन यह धीरे–धीरे सुधार में आना आरंभ हुई है, और अब वो अपने पैरों के ऊपर खड़ी हो रही है!

597 ओह, किस तरह से यदि मेरे पास समय होता था कि मैं वापस यहेजकेल में जाकर, और उन "सूखी हड्डियों" के वचन को निकालकर, और आपको दिखा पाता। उसने कहा, "क्या ये हड्डियां फिर से जीवित हो सकती हैं?"

उसने कहा, "भविष्यवाणी कर!"

598 भविष्यवाणी कैसे आ सकती है? केवल भविष्यव्यक्ता के द्वारा। यह प्रभु का वचन है। "हे सूखी हड्डियों, प्रभु का वचन सुनो!" और नसें, खाल उन पर चढ़ गई, और वे एक शक्तिशाली सेना के समान खड़े हो गए, और सिय्योन की ओर बढ़ने लगे। परमेश्वर की महिमा हो! यह वही है। यह वही है, विजय।

> तब प्रभु के छुड़ाए हुए लोग तब आनंद के साथ सिय्योन में आएंगे,
> उसके सारे पवित्र पर्वतों को ना तो कुछ हानि पहुंचेगी और ना ही नष्ट होंगे। (हुंह।)

599 वो अपने पुनरुत्थान के जीवन को तब साबित करता है जब वह स्वयं को प्रमाणित करता है। वो, अर्थात दुल्हन, सारे दूसरों से आज़ाद है। वह एक स्वतंत्र महिला है, एक बड़ी धब्बेदार चिड़िया जो अन्य सभी से भिन्न होती है। आपको उस पर बाईबल की, "बड़ी धब्बेदार चिड़िया" याद है। लेकिन उसके पास उसका नाम था, उसके पास उसका जीवन था। इसके लिए...

600 उन्होंने उस चिड़िया पर किस तरह से धब्बा लगाया? वे दोनों सफेद पक्षी थे, और फिर उन्होंने एक पक्षी के सिर को खींच कर काट लिया और उसका लहू दूसरे पक्षी के ऊपर छिड़क दिया। और दूसरी चिड़िया लाल

लहू के साथ धब्बेदार हो गई थी, और उसने अपने पंखों को *इस* तरह से फड़फड़ाया, और लहू चिल्ला उठा, "पवित्र, पवित्र, पवित्र," जब इसने जमीन को नहला दिया।

601 इसलिए मसीह, जो मरा हुआ साथी है, उसने अपना लहू, उसके जीवन से उसका लहू, हम में डाल दिया; छिड़–... उसका लहू लेकर, पुकारते है, "पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु के लिए!" यह अजीब सी दिखने वाली चिड़िया है। निश्चय ही, ऐसा है। लेकिन वह, दुल्हन, उसी के द्वारा पहचानी जाती है—है, और वह अन्य सभी से पूरी तरह आजाद है। "जब तक तुम दोनों जीवित रहते हो, केवल उसी के होकर बने रहना। केवल उसी के, अर्थात वचन के प्रति वफादार रहना," नहीं, ना कोई व्यभिचार, ना ही एक भी संप्रदाय का चिन्ह, ना ही एक भी मत–सिद्धांत का चिन्ह, ना ही बिल्कुल भी कोई व्यभिचार। वचन, और केवल वही!

602 "मसीह पर जो ठोस चट्टान है मैं खड़ा हूं, बाकी सारी भूमि धंसती हुई रेत है," एडी पेरोनेट ने कहा। उह–हुंह।

603 ऐसा ही है, मसीह, वो वचन! वो वचन था; वो वचन है। और कलीसिया वचन बन जाती है, उसी के द्वारा जो उसे अपना एक भाग बनाता है, और यह फिर से वही वचन है। उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से पहचाना गया, केवल उसकी संपत्ति! केवल उसकी संपत्ति! वह उसके द्वारा छुड़ाई गई है, उसमें से होते हुए, उसके लिए, और केवल उसी के लिए। यह सही बात है। तब, शैतान किस विषय में चिल्ला रहा है, कि यह प्रगट हो रहा है।

604 हम एक खतरनाक समय में हैं। याद रखें, वचन कहता है, जब ये बातें घटित होने लगती हैं, "समय अब और नहीं है।" वो धुंधली होती जा रही है, जब हम प्रगटीकरण को देखते हैं।

605 "वे भूकंप।" आपने देखा कि उस दिन वे हजारों लोग मारे गए? "विभिन्न स्थानों में भूकंप होते हैं।"

606 कहा, "आकाश में भयानक दृश्य, अग्नि के स्तंभ," जैसे, उड़न तश्तरी की तरह इधर–उधर मंडरा रहे हो। वे नहीं जानते कि यह क्या है। समझे? उन्हें कोई अंदाजा नहीं है।

607 क्या आपने ध्यान दिया कि वे दूत जो नीचे आए, सदोम के नाश होने से पहले सदोम की जांच की थी? आपको यह याद है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उनमें से एक समूह नीचे आया, उनमें से तीन। उनमें

से एक अब्राहम के साथ रहा। आपको यह याद है? ["आमीन।"] वे स्वर्ग से उजियाले थे, जो जांच करने के न्याय में नीचे उतरे। एक का...

608 देखिए वे सब कहाँ पाए जाते हैं। पेंटागन और इत्यादि, वे उन्हें पाते हैं। यही संसार का न्याय है, जो सदोम है। और वहां एक प्रतिनिधित्व करता है, जो कलीसियाओ के बीच में प्रतिनिधित्व करेगा, जो स्वयं मसीह होगा, स्वयं को प्रमाणित करता है। देखो? "वे दृश्य... ऊपर आकाश में, और नीचे धरती पर वे चिन्ह।" निश्चित रूप से।

609 पहचाना गया! ओह, शैतान इस विषय में ज़ोर से चिल्ला रहा है: वचन की प्रतिज्ञा का प्रकट सत्य जो उस दुल्हन में है।

610 उनके पास कोई जवाब नहीं है। जब यीशु आया, तो उन फरीसी लोगों के पास क्यों जवाब नहीं था? उसने कहा, "यदि मैं परमेश्वर की उंगली से दृष्टात्माओं को निकालता हूं, तो तुम उन्हें किसके द्वारा बाहर निकालते हो? " देखा? वो अकेला ही खड़ा रहा।

611 और उसकी कलीसिया अकेली ही खड़ी होती है। वह किसी भी चीज के साथ नहीं जुड़ी है। लेकिन वो परमेश्वर के द्वारा पहचानी गई थी, वो शरीर होने के कारण जिसमें परमेश्वर ने वास किया; और कलीसिया उसकी देह के द्वारा पहचानी जाती है, उसी काम को कर रही है। वो उसकी देह है, अंत के दिनों के लिए उसके प्रतिज्ञा किए हुए वचन का प्रगट हुआ सत्य। और वह, और वह अकेली ही, इसके साथ खड़ी होती है। यही कारण है कि शैतान जोर से चिल्ला रहा है, ये बड़े–बड़े संगठन, कुछ तो तैयारी कर रहे हैं कि दुल्हन को चुप करा दे। वे इसे कभी नहीं कर पायेंगे। वह उठा ली जाएगी, चुप नहीं होगी। वह अब जी उठी है, और उस प्रमाणित वचन की सामर्थ के द्वारा जो उसके लिए प्रतिज्ञा की गई थी। आमीन!

612 कैसे एक दुल्हन उस प्रतिज्ञा को थामे रखती है! "उसने मुझसे कहा कि वह मेरे बाद लौटेगा। मैं इसका विश्वास करूंगी।" उह–हुंह। देखा? जी हां, महाशय। उसके सिरत्व से मिलने के लिए, अर्थात उसका छुड़ाने वाला, उसका पति, उसका राजा, उसका प्रभु, उसका प्रेमी, उसका उद्धारकर्ता, उस प्रदान किये गए मिलने के स्थान में!

613 उसके पास उनसे मिलने के लिए एक स्थान है। आप जानते हैं, वो—वो... दूल्हा किसी को भी नहीं छोड़ता है। उसके पास अंगूठी है, जो पहचान है। उसके पास वह वस्त्र है जिसे वह पहनती है, उसके कपड़े। देखा? और

उसके पास उससे मिलने के लिए प्रदान किया गया स्थान है, जो हवा में है। हर एक चीज प्रदान की गई है। उसके पास पहले से ही विवाह भोज तैयार है; पहले से ही आमंत्रित अतिथि के लिए, पहले से ही चुने हुए। सारे दूत चारों ओर खड़े होते है, उसके सेवक, तैयार है। ओह, ओह, ओह, ओह, ओह!

ओह, वहां हवा में एक सभा होने जा रही है,
उस मधुर, मधुर थोड़ी देर में;
मैं तुमसे मिलने जा रहा हूं, वहां पर तुमसे मिलने जा रहा हूं
उस घर में जो आकाश के उस पार है;
ऐसा गीत जो कभी सुना गया, कभी मरणहार कानों से सुना गया,
यह महिमामय होगा, मैं घोषणा करता हूं!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वह एक अगुवाही करने वाला होगा, (परमेश्वर का सम्पूर्ण प्रगटीकरण।)
उस सभा में जो हवा में है। (ओह, प्रभु!)

614 अब उसके प्रमाणित लोगों पर ध्यान दें।

तुमने झाड़ी में मूसा के बारे में बतायी गई कहानी को सुना है—सुना है,
तुमने निडर दाऊद और उसके गोफन के बारे में सुना है;
तुमने युसूफ स्वप्न देखने वाले की कहानी को सुना है,
दानिय्येल और सिंहों के विषय में हम अक्सर गाते हैं।
ओह, बाईबल में बहुत से, बहुत से अन्य लोग प्रमाणित किये गए है,
किस तरह से मैं उन सभी से लंबे समय से मिलने के लिए लालसा रखता हूं, मैं घोषणा करता हूं!
थोड़ी देर में प्रभु हमें उनसे मिलाएगा,
उस सभा में जो हवा में होगी।

क्योंकि वहां हवा में एक सभा होने जा रही है,
उस मधुर, मधुर थोड़ी देर में;

और मैं तुमसे मिलने जा रहा हूं, तुम्हारा वहां पर
अभिवादन करूंगा
उस घर में जो आकाश के उस पार है;
ऐसा गीत जो कभी सुना गया, मरणहार कानों से सुना
गया,
यह महिमामय होगा, मैं घोषणा करता हूं!
और परमेश्वर का अपना पुत्र वही एक अगुवाई करने
वाला होगा
उस सभा में जो हवा में होगी। (ओह, प्रभु!)

615 क्या आप इसे पसंद नहीं करते? अब प्रकाशन के उसके महान रहस्य का तीन प्रकार का उद्देश्य प्रकट हो गया है। वही एक मुख्य है। यही वो एक है। ओह, प्रभु! आइये इसे गाये। मैं अब और प्रचार नहीं कर सकता। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, देखो।

ओह, वहाँ हवा में एक सभा होने जा रही है,
उस मधुर, मधुर थोड़ी देर में;
और मैं तुम्हे मिलूंगा, वहाँ पर तुम्हें अभिवादन करूंगा
उस घर में जो आकाश के उस पार है;
ऐसा गीत जो कभी सुना गया, मरणहार कानों से सुना
गया,
यह महिमामय होगा, मैं घोषणा करता हूं!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वही एक अगुवाही करने
वाला होगा
उस सभा में जो हवा में होगी।

616 क्या आप जा रहे हैं? आमीन! परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा! देखा? ओह, प्रभु!

तुमने झाड़ी में छोटे मूसा के विषय में सुना है,
तुमने निडर दाऊद और उसके गोफन के विषय में सुना
है; (वे सारे प्रतिछाया है।)
तुमने युसूफ स्वप्न देखने वाले की बताई गई कहानी
को सुना है,
और दानिय्येल और सिंहों के विषय में हम अक्सर गाते

हैं।
ओह, बाईबल में और भी बहुत से अन्य है, (जो कि वही है।)
और मैं उन सब से मिलने की लालसा रखता हूं, मैं घोषणा करता हूं!
थोड़ी देर में प्रभु हमें उनसे मिलायेगा
उस सभा में...

617 लेकिन वहां पर एक मुख्य है!

ओह, वहाँ हवा में एक सभा होने जा रही है,
उस मधुर, मधुर थोड़ी देर में;
मैं तुमसे मिलूँगा, तुम्हारा वहां पर अभिवादन करूँगा।
उस घर में जो आकाश के उस पार है;
ऐसा गीत जो कभी सुना गया, मरणहार कानों से सुना गया,
यह महिमामय होगा, मैं घोषणा करता हूं!
और परमेश्वर का अपना पुत्र, वही एक अगुवाई करने वाला होगा
उस सभा में जो हवा में होगी।

618 अब, हम वहां पर एक दूसरे से मिलने जा रहे हैं। आइए हम सब, मेथोडिस्ट, और बैपटिस्ट, और जो भी आप हैं, जिन्होंने परमेश्वर की आत्मा से फिर से जन्म लिया हैं, जब हम इसे गाते हैं तो एक दूसरे से हाथ मिलाएं।

ओह, वहाँ हवा में एक सभा होने जा रही है,
उस मधुर, मधुर थोड़ी देर में;
मैं तुमसे मिलने जा रहा हूं, और तुम्हारा वहां पर अभिवादन करूंगा
उस घर में जो आकाश के उस पार है;
ऐसा गायन हर एक ने सुना, जिसे मनुष्य के नश्वर कानों ने कभी नहीं सुना,
यह महिमामय होगा, मैं घोषणा करता हूं!
क्योंकि परमेश्वर का अपना पुत्र, वही एक अगुवाई करने

वाला होगा
उस सभा में जो हवा में होगी।

619 ओह, ओह, ओह! ओह, यह अद्भुत है, देखो, देखो कि वह क्या होगा। अब देखो।

620 हमें अब बंद करना होगा, मित्रों। यह लगभग दो बजे है, देखिए, और हम—हम यहां रात को प्रभु भोज पर होंगे। मेरे पास अब भी इस पर एक के बाद एक पन्ना है, देखो, इसलिए हम बस इस पर बंद करने जा रहे हैं। इसका कोई अंत नहीं है।

621 यह एक प्रकाशन है। यह उतना ही अनंत है जितना कि परमेश्वर का वचन अनंत है। देखो, लेकिन परमेश्वर के महान सहस्य का तीन प्रकार का उद्देश्य प्रकट हुआ है! परमेश्वर मसीह में प्रकट हुआ; मसीह कलीसिया में प्रकट हुआ; खोई हुई हव्वा को छुड़ाने के लिए ताकि अदन की वाटिका में मूल अवस्था में वापस लेकर आए। ओह, प्रभु!

622 ओह, उस दिन पर कुछ शानदार समय होने जा रहा है! जी हां। यह तुरंत ही होने वाला है। हम इस पर विश्वास करते हैं। क्या आप इसका विश्वास नहीं करते? किसी भी समय मैं इसके बारे में सोचता हूँ, मुझे बस वही गीत याद आता है।

623 उसने अपने आप को दानिय्येल में, और मूसा में, और यिर्मयाह में प्रमाणित किया। वे क्या थे? वे भविष्यव्यक्ता जिनके पास वचन आया, देखो, वे महान पुरुष थे। देखो, आपने युसूफ के स्वप्न की कहानी सुनी होगी, आप देखो, और दानिय्येल जो सिंहो की मांद में था, और ये बाकी दूसरे सारे लोग, आप जानते हैं। वे लोग, जो, वे क्या थे? भविष्यव्यक्ता। समझे? लेकिन मुख्य एक... परमेश्वर बस कुछ समय के लिए, उनमें प्रतिछाया को दिखा रहा था।

624 उसने स्वयं को आदम में प्रतिछाया किया, जानते हुए कि क्या सही था, लेकिन अपनी पत्नी को छुड़ाने के लिए बाहर निकला, क्योंकि वह गलत थी। मसीह को पाप नहीं बनना था, लेकिन वह बाहर निकला और पाप को ले लिया, ताकि उसके खोए हुए बच्चो को छुड़ा सके। देखा? देखा? उसने स्वयं की प्रतिछाया दिखाई।

... और उस झाड़ी में मूसा,

और तुमने निडर दाऊद और उसके गोफन के विषय
में सुना होगा;
तुमने युसूफ स्वप्न देखने वाले की बताई गई कहानी
को सुना है, (वो भविष्यव्यक्ता।)
और दानिय्येल और सिंहों के विषय में हम अक्सर गाते
हैं।
ओह, बाईबल में बहुत से, बहुत से दूसरे भी है,
और मैं...

625 वे, वे बाईबल है।

और मैं...

हालांकि, वे सभी उसी में प्रगट हुए थे। समझे? उसके बिना, वे सभी चले गए हैं। समझे? और मुझे उसका भाग बनना है, कि मैं वही बनूं। आमीन! समझे?

और मैं उन सभी से मिलने के लिए लंबे समय से
लालसा रखता हूं, मैं घोषणा करता हूं। (यह सही
है।)
लेकिन परमेश्वर का अपना पुत्र, वही वो एक अगुवाही
करने वाला होगा
उस सभा में जो हवा में होगी।

626 इब्रानियों 11 ने कहा, "वे हमारे बिना सिद्ध नहीं हो सकते।" हाथ और पैर, दिमाग़, ज्ञान, सिर और इत्यादि के बिना सिद्ध नहीं हो सकते। देखा? और हम सब उसी में सिद्ध होते हैं, "इसलिए एक आत्मा के द्वारा हम सब ने एक देह में बपतिस्मा लिया है," न्याय से आजाद है; पाप से पार होकर, मृत्यु से... आमीन! "परमेश्वर का अपना पुत्र वही वो एक है हवा में उस सभा में अगुवाई करेगा।" क्या आप उससे प्रेम करते हैं?

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि...

627 प्रभु यीशु, पवित्र आत्मा का अभिषेक इन रुमालों पर आए, प्रभु, और बीमारों को चंगा करे। होने पाए ऐसा ही हो, जैसा कि उन्होंने इसे इस पर रखा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे ऐसा ही बनाये, यीशु के नाम में। आमीन।

... कलवरी के पेड़।

628 जरा सोचे, "मसीह प्रकट हुआ," ठीक अभी हम में है, ठीक अभी हम में। उसने कैसे किया, वह कैसे प्रकट हुआ? क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया। उसने क्या किया?

और मेरे उद्धार को खरीद लिया
पर...

629 महिमा हो! वह वाचा का महान दूत, वो एक जो जंगल में मूसा के साथ था, वो एक जो दमिश्क के रास्ते पर पौलुस के पास आया, उसी एक ने अपनी तस्वीर को हमारे साथ लेने की अनुमति दी; वही एक जो उस दिन पर *लाइफ* पत्रिका की तस्वीर में था; वही वचन, उसी परमेश्वर के द्वारा, उसी माध्यम के ज़रिए से, उसी तरह से, उसी प्रतिज्ञा के द्वारा! "जहां कहीं भी दो या तीन मेरे नाम में इकट्ठा होते हैं, वहां मैं उनके बीच में होता हूं।" तब वह यहां पर है। "परमेश्वर के दूत उन लोगों के चारों ओर डेरा डाले रहते हैं जो उससे डरते हैं," जो केवल उसके वचन पर ही टीके रहते हैं। कोई भी मनुष्य परमेश्वर का भय माने बिना उस वचन का आदर नहीं कर सकता। समझे? तब, आज सुबह वह हमारे साथ यहां पर है, जैसा कि हम उसकी आराधना आत्मा में करते हैं।

630 ओह, इस तरह के एक कड़क संदेश के बाद से, मैं सोचता हूं कि हमें आत्मा में अभी उसकी थोड़ी देर आराधना करनी चाहिए। देखो, बस अपनी आंखें बंद करें और आइए हम फिर से उसके लिए गाये, "मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं," अब जैसे की आप—आप उसके लिए अपने हाथों को उठाते हैं।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि... पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

ओह, प्रभु, हम उससे कितना प्रेम करते हैं!

पिता में विश्वास, पुत्र में विश्वास,
पवित्र आत्मा में विश्वास, ये तीनों एक है;
दुष्ट आत्माए कांप उठेंगी, और पापी जाग उठेंगे;
यहोवा में विश्वास किसी भी चीज को हिला देता है।

631 आमीन! परमेश्वर की महिमा हो! हम उससे कितना प्रेम करते हैं! बस अब अपने ह्रदय में उसकी आराधना करें, बस उसकी स्तुति करें, बस—बस सोचे कि उसने कितना खूबसूरती से काम किया है। देखो उसने हमारे लिए क्या किया है। दर्शनों के इन सारे वर्षों में, उनमें से एक भी कभी असफल नहीं हुआ। हर एक चीज जो उसने कही वह घटित होगी, बिल्कुल ठीक उसी तरह से होगी जैसे उसने कहा था।

632 मैं आपसे प्रेम करता हूं। परमेश्वर की आज्ञाओं को मत भूलना, छोटे बच्चों, "एक दूसरे से प्रेम करो।" हर एक से प्रेम करें। सही हो या गलत हो, पापी या संत, जो भी हो, उनसे प्रेम करें। यदि आप नहीं करते, तो परमेश्वर से आपकी सहायता करने के लिए प्रार्थना करें, क्योंकि परमेश्वर ने पापी से प्रेम किया। और परमेश्वर का स्वभाव आप में है। यदि मनुष्य गलत है, जो भी हो, उससे प्रेम करें। उसके पापों में भागीदार ना हो। समझे? उसके पापों में भागीदार ना हो। लेकिन मिठास में, ना ही खटास में और फटकार में, मधुरता में उसे उस जीवन की आशा के बारे में बताएं जो आपके भीतर बनी रहती है, यीशु मसीह के ज़रिए से पवित्र आत्मा के द्वारा आप पर प्रगट हुआ है।

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दु:ख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और दिलासा देगा,
ओह, इसे ले (अब मत भूलना।) जहाँ कहीं भी तुम
जाते हो।

ओह, बहुमूल्य... (वह नाम!)... ओ...

633 हमारे पास उसका नाम है। हम उसके नाम से बुलाए गए हैं।

धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

634 अब मैं आपको एक छोटा सा रहस्य बताने जा रहा हूं, जब तक मैं आपसे फिर से नहीं मिलता, इसे याद रखना, जैसा कि हम खड़े हैं, इसे याद रखें:

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,

स्वर्ग के राजाओं के राजा हम उसे ताज पहनायेंगे, (हम उसे ताज पहनायेंगे!)
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) (ओह कितना मधुर!)
वो आशा...

635 क्या? तीन प्रकार का प्रकाशन! स्वर्ग की आशा और आनंद, उसमें प्रकट हुआ।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और आनंद...

636 क्या? धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद, हर एक चीज मसीह में प्रगट हुई है। परमेश्वर, कलीसिया, बाकी की हर एक चीज, मसीह में प्रगट हुई है। बाईबल मसीह है। बाईबल लिखित वचन है। जो कि, वो स्वयं वचन है। इसका प्रगटीकरण जीवन का प्रमाण है जो वचन की देह के अंदर आ रहा है, ताकि इसे प्रगट करें। ओह, क्या यह अद्भुत नहीं है!

यीशु के नाम को ले...

अब ध्यान से सुने।

एक ढाल के नाई... (अब इसे ना भूले।)... हर एक जाल;
जब परीक्षाएं आपको चारों ओर से घेर ले, (आपको क्या करना चाहिए?)

प्रार्थना में बस उस पवित्र नाम का उच्चारण करे।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर! (ओ कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

637 नहीं जानते हुए... निश्चय ही, क्योंकि आप आत्मिक है, आप आत्मिक बातों को देखते हैं। ना ही इसे जानते हुए; लेकिन परमेश्वर इसे जानता है। लेकिन यदि आप मुड़कर और घड़ी की ओर देखें, तो यह बिल्कुल ठीक, दो बजे है, दूसरे खिंचाव का अंत। तीसरा खिचाव निकट है! देखा?

यीशु के नाम पर झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग के राजाओं के राजा हम उसे ताज पहनायेंगे,
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

बहुमूल्य नाम...

दूसरा खिंचाव प्रगटीकरण में आ चूका है!

धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

638 क्या आपने ध्यान दिया कि आत्मा उसी गीत को लेता है और इस तरह से एक स्वर और ऊँचा उठाता है? अगला खिंचाव निकट है! आमीन! उह–हुंह।

यीशु के नाम को अपने साथ ले,

यह आपके सोचने से भी देर अधिक देर हो गई है!

... दुख और शोक;
यह आपको आनंद और दिलासा देगा,
ओह, आप जहां कहीं भी जाये इसे ले जाये।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और आनंद...

अब यदि परीक्षाये आती है, तो आप क्या करते हैं?

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
हर एक फंदे से एक ढाल के नाई;
जब परीक्षाये... (कुछ ऐसा जो आपको अब अविश्वास करने को लगाये।)... घेरे,
बस याद रखें, उस पवित्र नाम का प्रार्थना में उच्चारण करे।

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

639 आइये अब हम अपने सिरों को झुकाये, हर एक जन, आदर के साथ। अब देखो।

यीशु के नाम पर झुकते हुए...

640 [अन्य जुबान और अनुवाद दिया गया जाता है—सम्पा।] अब यदि आप समझते हैं, कि प्रभु का आत्मा सभा में उतरा, अज्ञात भाषाओं पर, इसे एक ऐसे मनुष्य से बोल रहा है जो इसे नहीं जानता है; किसी दूसरे मनुष्य के द्वारा इसका अनुवाद करता है, जो नहीं जानता। ये प्रभु का वचन है! क्या आपको याद है जब शत्रु ऊपर आ रहा था और वे नहीं जानते थे कि वे क्या करें? प्रभु का आत्मा एक मनुष्य पर उतरा, और प्रकट किया कि क्या किया जाना था। ओह, प्रभु!

641 अब हमारे सिरों को नम्रता से झुकाए। परमेश्वर आपको आशीष दे।

जब तक हम ना मिले! जब तक हम ना मिले!
जब तक हम यीशु के चरणों में ना मिलें;
जब तक हम ना मिले!

तो ठीक है, पास्टर।

63-0728 मसीह परमेश्वर का प्रगट हुआ रहस्य है
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org